CMYK

हिन्दी दैनिक

न्यूज गाइड

RNI No- UPHIN/2008/28258

आपका देश आपकी बात...

वर्षः 14, अंकः 78 पृष्ठ :8 | www.newsguide.co.in | E-mail : newsguidelko@gmail.com | लखनऊ, शुक्रवार 6 जनवरी, 2023 मूल्य 1.50

संक्षिप्त समाचार

अणुब्रत और उनके अंगरक्षक की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ी

कोलकाता। आसनसोल की विशेष सीबीआई अदालत ने पशु तस्करी के मामले में तृणमूल के बाहुबली नेता अणुब्रत मंडल और उनके अंगरक्षक सहगल हुसैन न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ा दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने सीबीआई अधिकारियों को जेल में जाकर मंडल से पूछताछ करने की भी अनुमति दे दी है। न्यायाधीश राजेश चक्रवर्ती ने आदेश दिया कि सीबीआई अधिकारी सुधार गृह में सुबह आठ बजे से शाम छह बजे के बीच तृणमूल के बीरभूम जिलाध्यक्ष से पूछताछ कर सकते हैं। वहीं सीबीआई के वकील ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में चार्जशीट दिए जाने के बाद 48 और लोगों से पूछताछ की गई है। सीबीआई के वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्हें गवाह के तौर पर भी नामजद किया गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 जनवरी को होगी। बता दें कि अणुब्रत मंडल को 11 अगस्त से सीबीआई गिरफ्तार किया था।

भारत ने पाकिस्तान को फिर लगायी फटकार

नई दिल्ली। भारत ने जम्मू कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ज़रदारी के बयानों पर आज फिर फटकार लगायी और कहा कि भारत के अंदरूनी मामलों में उन्हें दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तानी नेताओं के ट्वीट के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हम कई बार दोहरा चुके हैं कि जम्मू कश्मीर भारत का अविभाज्य एवं अटूट अंग है। संविधान का अनुच्छेद 370 पूरी तरह से भारत का आंतरिक एवं हमारे संविधान का मामला है। हम नहीं मानते कि उन्हें इस पर कुछ कहने का कोई भी हक है। ट्वीटर से बातचीत में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा था कि दक्षिण एशिया में शांति एवं विकास कश्मीर विवाद के समाधान से जुड़ा है। आत्मनिर्णय के अधिकार दिवस के मौके पर वह वैश्विक समुदाय का आह्वान करते हैं कि वह भारतीय जम्मू कश्मीर के लोगों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार दिलाने में मदद करें। भारत को पांच अगस्त 2019 के फैसले का बदलना होगा।

वंदे भारत कुछ नहीं, बस पुरानी ट्रेन में नया इंजन

गंगासागर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को वंदे भारत ट्रेन के बहाने केंद्र सरकार पर जमकर तंज कसे। ममता ने कहा कि वंदे भारत में कुछ भी विशेष नहीं। यह बस एक पुरानी ट्रेन है, जिसमें नया इंजन लगाकर इसे नए जैसा बनाया गया है। उन्होंने वंदे भारत पर लगातार दो दिन हुई पत्थरबाजी के मामले में भी जवाब दिया और कहा कि गलत जानकारी फैलाने वालों पर उनकी सरकार कार्रवाई करेगी। ममता ने कहा कि वंदे भारत पर पत्थरबाजी पश्चिम बंगाल में नहीं, बल्कि बिहार में हुई थी। उन्होंने कहा कि वे घटना के बंगाल में होने का दावा कर झूठ फैलाने वाले मीडिया संस्थानों पर कार्रवाई करेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी गलत जानकारी से राज्य की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है।

शाह ने यूं ही नहीं कहा, अयोध्या का टिकट कटा लो, तय वक्त से पहले बन जाएगा मंदिर!

2024 को भव्य राम मंदिर पूरे देश और दुनिया के भक्तों के लिए दर्शनार्थ खोल दिया जाएगा

एजेंसी

त्रिपुरा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा की एक जनसभा में यूं ही नहीं वहां के लोगों को अयोध्या का टिकट कटाने के लिए कह दिया। अमित शाह ने जब एलान किया कि एक जनवरी 2024 को अयोध्या का राम मंदिर बनकर तैयार हो चुका होगा, तो उसके पीछे शाह को दी गई जानकारी थी, जिसमें उल्लेख था तय वक्त से पहले ही राम मंदिर बन कर तैयार हो रहा है। मंदिर निर्माण की कमेटी और कार्यदाई संस्था से जुड़े सदस्यों का कहना है कि सब कुछ वक्त से पहले ही चल रहा है। सब कुछ टाइम मुताबिक चलता रहा तो 14 जनवरी 2024 को भव्य राम मंदिर पूरे देश और दुनिया के भक्तों के लिए दर्शनार्थ खोल दिया जाएगा। तय अनुमान के मुताबिक अयोध्या में बन रहे रामलला के मंदिर को अगले आठ महीने के भीतर बनाकर तैयार कर दिया जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति से जुड़े एक वरिष्ठ सदस्य बताते हैं कि रामलला मंदिर का निर्माण वक्त से पहले पूरा हो जाएगा। वह कहते हैं कि अमित शाह ने गुरुवार को त्रिपुरा में जो एलान किया है उस तारीख में गगनचुंबी रामलला का मंदिर अयोध्या में पूरे विश्व को खड़ा हुआ दिखाई देगा। दरअसल राम मंदिर को लेकर प्रयास पहले से ही लगाए जा रहे थे कि

जनसभा

» 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले मंदिर का निर्माण कर दिया जाएगा

» अपने उन तमाम वादों में एक यह वादा भी जनता के समक्ष भाजपा रख सकेगी कि जो उन्होंने कहा था वह करके भी दिखा दिया

2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले मंदिर का निर्माण कर दिया जाएगा। राम मंदिर निर्माण से जुड़ी संस्था के सूत्र बताते हैं कि मंदिर निर्माण की जिस तरीके से तेजी चल रही है उससे तय वक्त से तीन महीने पहले ही मंदिर अयोध्या में बनकर तैयार हो जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राम मंदिर के बनने से भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनावों में न सिर्फ आसानी होगी, बल्कि अपने उन तमाम वादों में एक यह वादा भी जनता के समक्ष भाजपा रख सकेगी कि जो उन्होंने कहा था वह करके भी दिखा दिया है। राम मंदिर निर्माण को लेकर भाजपा शुरुआत से ही अपना अलग रुख रखती रही है। गुरुवार को त्रिपुरा में जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनसभा को संबोधित कर रहे थे, तो उन्होंने राम मंदिर का ही जिक्र करते हुए कांग्रेस पर बड़ा हमला किया। बाबर से लेकर कांग्रेस की सरकार तक पर बरसते हुए अमित शाह ने कहा कि यह मामले को सिर्फ कोर्ट की गलियारों में लटकाते रहे। लेकिन अब फर्क साफ दिख रहा है। उन्होंने इस बात का एलान किया कि एक जनवरी 2024 को राम मंदिर की गगनचुंबी इमारत अयोध्या में बनकर तैयार खड़ी मिलेगी। मंदिर निर्माण से जुड़े जिम्मेदारों के मुताबिक अगले नौ से 10 महीने के भीतर मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा। योजना के मुताबिक दर्शन तो दिसंबर से ही होने हैं, लेकिन राम मंदिर में रामलला की स्थापना का जो संयोग बन रहा है, वह सूरज के उत्तरायण में आने से ही पूरा होगा। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि अयोध्या में बनने वाले भव्य राम मंदिर के गर्भ गृह में रामलला की स्थापना का मुहूर्त फिलहाल 14 जनवरी को माना जा रहा है। 14 जनवरी को सूर्य उत्तरायण में आएंगे और उसी के साथ पूरी दुनिया के लिए अयोध्या में बनने वाले भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन शुरू होने का अनुमान है।

राम मंदिर निर्माण कमेटी से जुड़े एक अहम सदस्य बताते हैं कि कोशिश तो यही है कि पूरे मंदिर के निर्माण के साथ ही भक्तों के लिए रामलला के दर्शन शुरू करा दिया जाए। हालांकि उनका कहना है कि अगर मंदिर का निर्माण उस दौरान पूरा होता है, जब सूर्य दक्षिणायन में होंगे, तो संभव है कि रामलला को गर्भ गृह में विराजित न किया जाए। इसके लिए सूर्य के उत्तरायण होने का इंतजार किया जा सकता है। 14 जनवरी 2024 को जैसे ही सूर्य उत्तरायण में आएंगे, तभी शुभ मुहूर्त देखकर रामलला को गर्भगृह में विराजित कर देश और दुनिया के भक्तों के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे। हालांकि कमेटी से जुड़े उक्त वरिष्ठ सदस्य का कहना है कि यह तभी होगा जब मंदिर का निर्माण सूर्य के दक्षिणायन होने के दौरान पूरा हो। अगर ऐसी परिस्थितियां नहीं बनती हैं तो तय योजना के मुताबिक ही 2023 के अंत से पहले ही रामलला के दर्शन शुरू हो जाएंगे।

उप्र को एक लाख करोड़ डालर इकोनामी बनाने में बैंक करें सहयोग: योगी

हमारी विकास यात्रा के साक्षी होने के साथ-साथ सहभागी भी हैं

एजेंसी

मुबंई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों का आह्वान किया है कि विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर उत्तर प्रदेश को एक लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दे। योगी ने गुरुवार को बैंकिग जगत की हस्तियों से मुलाकात की और कहा, आप हमारी विकास यात्रा के साक्षी होने के साथ-साथ सहभागी भी हैं। हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पांच लाख करोड़ डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य की पूर्ति में अपने लिए एक एक लाख करोड़ डॉलर का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य आपके सहयोग से ही पूरा होगा। हमने सीडी रेशियो को 40 से बढ़ाकर 53 प्रतिशत तक करने में सफलता पाई है, अब इसे 60 फीसदी तक लाने में बैंकों को ठोस कोशिश करना होगा। हम अपनी ओर से हर तरह का योगदान करने को तत्पर हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया, उत्तर प्रदेश में हम आपको हर संभव सहायता देंगे। बेहतर माहौल देंगे। बैंकिंग संस्थाएं हमारी एमएसएमई इकाइयों, कृषि,

योगदान

» पांच लाख करोड़ डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य की पूर्ति में अपने लिए एक एक लाख करोड़ डॉलर का लक्ष्य रखा

एफपीओ, स्टार्टअप आदि को मजबूत बनाने के लिए हमें सहयोग दें। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश को देश के ग्रोथ इंजन की सामर्थ्य वाला राज्य कहा है। हम अपनी इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए तैयार है। आपके सहयोग से उत्तर प्रदेश लीडर स्टेट होगा। उन्होंने कहा कि 2017 में जब हमारी सरकार बनी, तब प्रदेश की माली हालत बहुत खराब थी। हमने कुछ योजनाएं बनाईं, बैंकों को फोन किया, लेकिन क्रेडिट इतनी खराब थी कि बैंकों ने रिस्पॉन्स नहीं दिया। आज यह बताते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है कि तब और अब के उत्तर प्रदेश में सब बदल गया है। आज हम रेवेन्यू सरप्लस स्टेट हैं। हमने अपने वार्षिक बजट को दोगुने से ज्यादा तक विस्तार दिया है। योगी ने कहा

कि पिछले पांच-छह सालों में उत्तर प्रदेश सरकार वायु, जल, सड़क एवं रेल नेटवर्क के माध्यम से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए त्वरित गति से बुनियादी ढांचे का विकास कर रही है, जिससे उद्योगों को वैश्विक एवं घरेलू बाजार तक पहुंच बनाने में लॉजिस्टिक्स की सुलभता में वृद्धि होगी। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे राज्य के रूप विश्व स्तरीय रोड कनेक्टिविटी की उपलब्धता है। प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का एकमात्र राज्य बनने जा रहा है। हम लैंड लॉक स्टेट थे लेकिन अब यहां देश का पहला अंतरदेशीय जलमार्ग (इनलैंड वॉटर-वे), विकसित हो गया है। देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि विकास और बदलाव के यह काम बिना बैंकों/वित्तीय संस्थानों के सहयोग के संभव नहीं था। तमाम चुनौतियों के बाद भी उत्तर प्रदेश आज पॉवर सरप्लस और रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में अपने बड़े लक्ष्यों के साथ लगातार आगे बढ़ रहा है। हमने ऐसा माहौल बनाया है कि आज उत्तर प्रदेश में किसी व्यापारी या कॉन्ट्रैक्टर से कोई गुंडा टैक्स नहीं वसूल सकता।

भारत जोड़ो यात्रा से भावनात्मक रूप से जुड़ा हूं: अखिलेश

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भले ही शामिल न हुए हों, लेकिन वह उससे भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। यादव ने कल यह बात यहां आरकॉम वास्तुकला प्रदर्शनी के दौरान कही। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल नहीं हुआ हूं लेकिन उनकी इस यात्रा से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ हूं। इस यात्रा के लिये उनको बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। सपा अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के वादे के मुताबिक अधिकांश बेघर लोगों को पक्के मकान नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि जब गरीबों को 'अच्छे दिन और 15 लाख रुपये' नहीं मिले, तो घर भी नहीं मिलेगा। यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा भी किया था जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने शहरों में पलायन

सुझाव

» यात्रा के लिये उनको बधाई और शुभकामनाएं देता हूं

» वर्तमान सरकार के वादे के मुताबिक अधिकांश बेघर लोगों को पक्के मकान नहीं मिले

की समस्या को समाप्त करने के लिये सुझाव देते हुए कहा है कि सरकार को गांवों में भी समान सुविधाएं और रोजगार उपलब्ध कराने चाहिये। उन्होंने कहा कि देश को स्मार्ट सिटी की जरूरत है। शहरों की बढ़ती जनसंख्या की परेशानी से निपटने के लिये हमें गांवों में भी वही सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी ताकि ग्रामीण लोगों को रोजगार के अवसर मिलें और उन्हें शहरों की तरफ पलायन न करना पड़े। यादव ने कहा कि सरकार को डिजाइनरों और इंजीनियरों के साथ मिलकर बेहतर तरीके से काम करने की जरूरत है। उनको नये विचारों के साथ आगे आकर एक नया मानक तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास के लिये प्राथमिक

स्कूलों का ढांचा नये मानकों पर तैयार करना बेहद जरूरी है। प्रधान वास्तुकार और आरकॉम स्टूडियो के प्रबंध निदेशक सौरभ गुप्ता ने कहा कि आरकॉम का उद्देश्य देश के विकास में वास्तुकला प्रथाओं की भूमिका और उत्तरदायित्व की बेहतर समझ प्रदान करना है। आरकॉम आर्किटेक्चरल फर्म ने दिल्ली में स्थित बीकानेर हाउस में 'आर्किटेक्चर प्रदर्शनी' का आयोजन किया था, जिसमें मुख्य अतिथि श्री यादव, निदेशक सौरभ गुप्ता और कई डिजाइनर, इंजीनियर सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य शिल्पकार समाज को पर्यावरण हितैषी शिल्प का महत्व समझाना है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सैन्य इंजीनियर सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों को किया संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सैन्य इंजीनियर सेवाओं (एमईएस) के अधिकारियों से अपनी भविष्य की परियोजनाओं में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करने की सलाह दी है। मुर्मु ने गुरुवार को यहां राष्ट्रपति भवन में सैन्य इंजीनियर सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों की एक टोली को संबोधित किया जो उनसे मुलाकात करने के लिए आए थे। उन्हें संबोधित करते हुए

समाधान

» भारत ने अमृत काल में प्रवेश किया है और जी-20 की अध्यक्षता भी ग्रहण की

राष्ट्रपति ने कहा कि वे सेवा में ऐसे समय में सेवाओं के लिए शामिल हुए हैं, जब भारत ने अमृत काल में प्रवेश किया है और जी-20 की अध्यक्षता भी ग्रहण की है। यह वह समय है जब विश्व नए नवाचारों और समाधानों के लिए भारत

की ओर देख रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि एमईएस अधिकारी परियोजना प्रबंधन के आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर बुनियादी ढांचे के विकास में अपना काफी योगदान दे सकते हैं। मुर्मू ने प्रशिक्षु अधिकारियों से अपने भविष्य की परियोजनाओं में अत्याधुनिक तकनीकों जैसे कि मशीनलर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने का अनुरोध किया। मुर्मू ने कहा कि निर्माण क्षेत्र बहुत गतिशील है और तकनीकें बहुत तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण के क्षेत्र में युवा अधिकारियों के रूप में एमईएस अधिकारियों का एक प्रमुख कर्तव्य पर्यावरण की देखभाल करना भी है।

जेपी नड्डा का हुआ जोरदार स्वागत

बेंगलुरु। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे पर हैं। यहां पहुंचने पर तुमकुरु में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। यहां उन्होंने एक जनसभा को भी संबोधित किया। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर जोरदार हमला किया। साथ ही उन्होंने वैश्विक हालातों और कोरोना महामारी का जिक्र करते हुए भारत की अर्थव्यवस्था

के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि तमाम वैश्वक उथल-पुथल के बावजूद भी भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर है। कर्नाटक के तुमकुरु में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने विपक्ष पर जोरदार हमला किया। नड्डा ने इस दौरान कांग्रेस पर भ्रष्टाचार करने और भारत में जातिवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का दूसरा नाम भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी जातिवाद है।

जनहित के लिए दिन-रात कार्य कर रही केजरीवाल सरकार : राय

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार बनी है तब से दिन-रात जनता के हितों के लिए काम जारी है। राय ने यहाँ बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर विभिन्न विभागों के उच्चअधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि केजरीवाल सरकार बाबरपुर के सर्वागींण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जब से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार बनी है तब से हम दिन-रात जनता के हितों के लिए कार्य कर रहे हैं। विकास मंत्री ने बताया कि बताया

कि दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि आगामी गर्मियों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित के लिए अभी से ही जरूरी प्रयास सुनिश्चित करें तथा इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई को बर्दास्त् नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार जहाँ एक ओर हर महीने बीस हजार लीटर पानी मुफ्त दे रही हैं।

अगले तीन-चार दिनों तक इससे राहत मिलने के आसार नहीं

दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत में शीतलहर का प्रकोप

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी हवाओं और पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के कारण समूचे उत्तर भारत में ठंड, मैदानी इलाकों में कोहरे तथा शीतलहर का प्रकोप गुरुवार को भी जारी रहा और अगले तीन-चार दिनों तक इससे राहत मिलने के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग से यहां मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अगले कुछ दिनों तक घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। विभाग ने सात जनवरी तक

तापमान

» दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अगले कुछ दिनों तक घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है

शीतलहर चलने पर रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार आज लोधी रोड़ पर न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो कि कई पर्वतीय क्षेत्रों के तापमान से

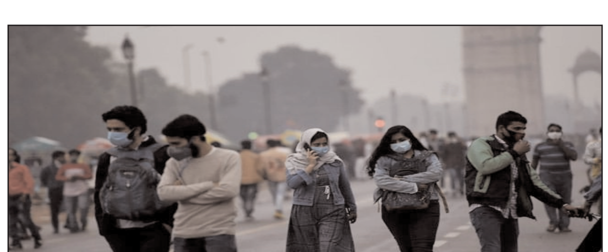

काफी कम है। दिल्ली में आज सुबह इस मौसम की सबसे सर्द सुबह रही और राजधानीवासियों को हाड़ कंपाने वाली सर्दी से दो-चार होना पड़ रहा है। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। विभाग का कहना है कि भारत के उत्तर-पश्चिमी और मध्य एवं पूर्वी भारत में अगले दो-तीन दिनों में अत्यधिक घना कोहरा छा सकता है। दिल्ली के पालम में यह 25 मीटर तो सफदरजंग में 50 मीटर की दृश्यता रिकॉर्ड की गयी है।

ठंड के मद्देनजर दिल्ली एयरपोर्ट ने सभी यात्रियों को भी अलर्ट कर दिया है। हवाई अड्डा अधिकारियों का कहना है कि अभी तो सभी उड़ानें सुचारू रूप से चल रही हैं, लेकिन आने वाले समय में दृष्यता कम होने के कारण उड़ानों में देरी हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार और मंगलवार के बीच करीब 100 उड़ानें देरी से संचालित हुईं वहीं कुछ उड़ानों के मार्ग में परिवर्तन किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक दिल्ली सहित एनसीआर क्षेत्र में घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। विभाग ने सात जनवरी तक शीतलहर चलने के कारण रेड अलर्ट जारी किया है। राजधानी में बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 16.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

शीतलहर व हाड़कंपाऊ ठंड से जनजीवन अस्त व्यस्त

अयोध्या। जिले में गुरुवार को सर्द हवा बहने से मौसम ठंडा रहा। दिनभर धूप नहीं निकलने से गलन बढ़ गई। ऐसे में लोग अपने घरों में कैद रहे। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। वहीं, सर्द हवा चलने से बच्चे, बुजुर्गों सहित बड़ों को घर में रहने को मजबूर कर दिया। नए साल के पांचवें दिन भी शीतलहर व हाड़कंपाऊ ठंड से जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान 14.5 सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहा। न्यूनतम तापमान जरूर सामान्य रहा।आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 24 घंटे में इस मौसम से राहत न मिलने की बात कही है। औसत तापमान सामान्य से कम रहने की उम्मीद है।जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. आरपी राय ने बताया कि इस समय वैसे तो जुकाम, खांसी, बुखार, टाइफाइड सांस व हृदय रोग के मरीज अधिक आ रहे हैं। फिर भी डिप्रेशन के मरीजों की संख्या भी काफी तेजी से बढ़ रही है। लोगों को ठंड से बचना चाहिए।

पुलिस ने लापता युवती को किया बरामद, परिजनों को सौंपा

अयोध्या। अयोध्या कोतवाली क्षेत्र में दो दिन पहले फरार नाबालिग युवती को पुलिस ने बरामद कर लिया है। साथ ही आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपी युवक के खिलाफकार्रवाई कर रही है। रानोपाली चौकी क्षेत्र से बहला फुसला कर भगा लिया गया था। शिकायत के बाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक मनोज शर्मा ने बताया कि आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता के परिजन के मुताबिक, उसकी नाबालिग लड़की दो दिन पहले घर से लापता हो गई थी।जिसकी तहरीर पीड़ित के पिता ने तीन जनवरी को थाना कोतवाली में दिया था। तहरीर के माध्यम से पुलिस को बताया कि उसकी नाबालिग लड़की को शाहजहांपुर,पुलिस चौकी रानोपाली,थाना कोतवाली के रहने वाले युवक ने बहला-फुसला कर भगा ले गया। पुलिस ने प्रधान की मौजूदगी में युवती को परिजनों को सौंप दिया गया है।

अवैध बालू खनन के खिलाफ छापेमारी, पुलिस टीम को देख भागे माफिया, 3 जेसीबी और 2 डंपर सीज

अयोध्या। अयोध्या कोतवाली पुलिस ने सरयू किनारे थीम पार्क के पास अवैध खनन की सूचना पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 3 जेसीबी और 2 डंपर को जब्त कर लिया। कोतवाल मनोज कुमार शर्मा ने एसपी मुनिराज जी के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत की। पुलिस को अवैध खनन की सूचना लगातार मिल रही थी। मुखबिर की सूचना पर आज सुबह चार बजे सरयू नदी के किनारे पुलिस टीम के साथ छापा मारा। इस अभियान में दर्शन नगर चौकी इंचार्ज अमित सिंह और उनकी टीम शामिल रही। कोतवाल मनोज कुमार शर्मा की अगुवाई में हुई छापेमारी को देख बाइक सवार माफिया के गुर्गों ने खनन कर रहे अपने साथियों को सूचना दे दी और सभी नदी और अन्य रास्ते फरार हो गएस पुलिस 3 जेसीबी और 1 डंपर जब्त कर खींच लाई है जबकि एक डंपर स्टार्ट न होने से अभी लाया नहीं जा सका हैस कोतवाल मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि सरयू नदी किनारे अवैध खनन की सूचना मिली थी। पुलिस टीम को देखते ही खनन माफिया वाहनों को छोड़कर भाग गए। मामले में 207 एमवी एक्ट और अवैध खनन में वाहनों को सीज कर कार्रवाई की जा रही हैस खनन अधिकारी को भी रिपोर्ट भेजी जा रही है।

भाजपा नेता शरद पाठक पिता-पुत्र पर बल्वा का मुकदमा दर्ज

अयोध्या। जिले में पार्किंग को लेकर कहासुनी के बाद हुई मारपीट में भाजपा के मेयर पद के टिकट मांग रहे शरद पाठक बाबा सहित उनके एक दर्जन लोगों पर बल्वा और मारपीट आदि की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है, यह विवाद पंचशील होटल परिसर में हुआस दोनों पक्ष प्रापर्टी डीलर बताए जा रहे हैंस फिलहाल भाजपा की राजनीति कर लोगों की आंख की किरकिरी बने शरद पाठक के लिए यह मामला भारी पड़ सकता हैस प्रॉपर्टी डीलर से नेता और बाद में माफिया जैसी हरकत के मामले में शरद पाठक बाबा व उनके बेटे यश पाठक सहित करीब एक दर्जन हथियार बंद लोगों के विरुद्ध कोतवाली अयोध्या में गंभीर धाराओं मे मुकदमा दर्ज हुआ है।

पीड़ित मयंक पांडेय भी एक प्रापर्टी डीलर के लिए काम करता है। मयंक का आरोप है कि होटल की पार्किंग मे शरद बाबा के बेटे यश ने अपने सुरक्षा कर्मियों संग मिल उसकी पिटाई कर दी।पुलिस मे शिकायत के बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अग्निपीड़ित दलित परिवारों की जिपं सदस्य ने की मदद

अयोध्या। रुदौली विधानसभा के ग्राम सभा जमुनिया मऊ में आग से 3 दलित परिवारों की गृहस्थी जलकर राख हो गई, अग्निकांड की खबर मिलते ही जिला पंचायत सदस्य अंकित पांडे ने गांव में पहुंच कर तीनों परिवारों को दरी चद्दर कंबल महिलाओं को कपड़े व नकद सहायता राशि उपलब्ध कराई। जिपं सदस्य अंकित पांडेय ने गरीबों को भरोसा दिलाया कि मैं और मेरा परिवार जिसमें पिता समाजसेवी राजन पांडेय आप लोगों के साथ हैस इस कड़कड़ाती ठंड में इस परिवार पर क्या बीत रही होगी यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है, सभी भाइयों से निवेदन है कि इन गरीबों की मदद कर इनका आशियाना बसाने में इनकी मदद करें, समाजसेवी राजन पांडेय ने कहा कि गरीबों की मदद करने वाला कभी दुखी नहीं होता, ऊपर वाला आपकी मदद करेगा, क्योंकि जब तक गरीब दुखी रहेगा हमारे न तो गांव का भला होगा ना जिले का भला होगा ना प्रदेश का भला होगा इसलिए गरीबों के प्रतीक्षा सूची अच्छा करिए भेदभाव खत्म करिए और इनकी मदद करिए इनसे मिलजुल कर रही है इनका सम्मान करिए।

1090 चौराहे पर स्टंटबाजी करने वाले 10 लड़कों पर एफआईआर

लखनऊ। राजधानी के गौतमपल्ली थाना पुलिस ने नए साल के जश्न के मौके पर 1090 चौराहे पर स्टंटबाजी करने वाले 10 लड़कों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साथ ही, कार नंबर की मदद से 3 लड़कों को पकड़कर गाड़ी सीज कर दी। पुलिस अन्य युवकों की तलाश कर रही है। इंस्पेक्टर गौतमपल्ली सुधीर अवस्थी के मुताबिक नए वर्ष जश्न के मौके पर 1090 चौराहे पर कुछ लड़कों ने स्टंटबाजी की थी। इसका सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। इसको आधार बनाकर पर मंगलवार रात 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। बुधवार रात महानगरमें रहने वाले मो. इस्तीयाक, तारीख और साहिल को पकड़ा गया। पुलिस के पकड़ने जाने पर तीनों आगे से इस तरह की गलती न करने की माफी मांगी। इसके बाद पुलिस ने उनकी गाड़ी सीज कर तीनों का शांति भंग में चालान कर दिया गया।

सपा के मीडिया सेल पर एक और एफआईआर

लखनऊ। लखनऊ में सपा के मीडिया सेल के खिलाफ हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज हुई है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि सपा मीडिया सेल से ट्वीट के जरिए लगातार धमकी मिल रही है। अश्लील कमेंट ट्वीट किए जा रहे हैं। इसमें मुझे रेप करके जान से मारने की धमकी तक दी जा रही है। फिलहाल हजरतगंज पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। मीडिया सेल समाजवादी पर बीजेपी के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी के द्वारा न्यायालय में परिवार वाद दाखिल कराया गया है। यही नहीं करीब 3 अन्य मुकदमे सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी जान से मारने और चरित्र हनन करने के केस हजरतगंज कोतवाली में दर्ज हो चुके हैं। समाजवादी पार्टी के आधिकारिक हैंडल के खिलाफकी जा रही शिकायतों पर पुलिस आईटी सेल और अन्य एक्सपर्ट की मदद से जानकारी जुटाकर कार्रवाई करने का आश्वासन दे रही है।

भारतीय मानक ब्यूरो का 76वां स्थापना दिवस आज

उपभोक्ता संरक्षण मंत्री ने दी भारतीय मानक ब्यूरो के स्थापना दिवस की बधाई

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा, बांट माप एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री व भारतीय मानक ब्यूरो के गवर्निंग काउसिंल के सदस्य आशीष पटेल ने भारतीय मानक ब्यूरो के 76वें स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो भारत का राष्ट्रीय मानकीकरण निकाय के रूप में उपभोक्ता सशक्तिकरण के क्षेत्र में सेवा प्रदान कर रहा है। 06 जनवरी को भारतीय मानक ब्यूरो की स्थापना के 76 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो उत्पादों पर आई.एस.आई. मार्क, आभूषणों पर हॉलमार्क तथा इलेक्ट्रानिक वस्तुओं पर सुरक्षा से सम्बन्धित रजिस्ट्रेशन, मार्क आदि के माध्यम से उपभोक्ताओं को मानको के अनुरूप उत्तम गुणवत्ता वाले उत्पादों को पहुंचाने में सफलता पूर्वक कार्य कर रहा है। तकनीकी शिक्षा में भी मानकों के महत्व को देखते हुए शिक्षण संस्थानों में मानक क्लबों कीस्थापना की जा रही है। मानक क्लबों की स्थापना से भविष्य के नागरिक गुणवत्ता एवं मानकों के बारे में अधिक जागरूक होंगे और

स्थापना

- » मानक क्लब स्थापना से जागरूक होंगे नागरिकः आशीष पटेल
- » राष्ट्रीय मानकीकरण निकाय के रूप में उपभोक्ता सशक्तिकरण के क्षेत्र में सेवा प्रदान कर रहा
- » शिक्षण संस्थानों में मानक क्लबों की स्थापना की जा रही

जागरूक समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सहायक होंगे। तकनीकी शिक्षा में मानक एवं मानकीकरण के विषयों कोसम्मिलित करने से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।निदेशक एवं प्रमुख भारतीय मानक ब्यूरो एके महाराणा ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो 76वें स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर उपभोक्ता सशक्तिकरण के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए नुक्कड़ नाटक एवं मानक मित्रों के माध्यम से 06 से 08 जनवरी तक क्वालिटी कनेक्ट

प्रोग्राम के तहत घर-घर पहुँचेंगे एवं उपभोक्ता सशक्तिकरण कार्यक्रम के बारे में जानकारियां दी जायेगी। इस अभियान से नागरिकों को आईएसआई मार्क, हॉलमार्क इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगी। पिछले तीन वर्षों में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मानकीकरण, उत्पाद प्रमाणन, हालमार्किंग एवं उपभोक्ता सशक्तिकरण की दिशा में मानक मंथन, हॉलमार्किंग के लिए एच.यू.आई.डी., शिक्षा संस्थानों में मानक क्लबों की स्थापना जैसे कई कदम उठाए गये हैं।राष्ट्रसेवा में एवं गुणवत्ता सचेतन समाज की स्थापना में भारतीय मानक ब्यूरो अग्रणी भूमिका निभाते आ रहा है एवं आगे भी इस प्रयास को सफल बनाने के लिए उद्योग, प्रशासन एवं उपभोक्ताओं के मध्य समन्वय बना रहा है।

विधानपरिषद चुनावः पहले दिन एक भी नामांकन नही, तीस जनवरी को होगा मतदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 03 खण्ड स्नातक एवं 02 खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड देवेन्द्र प्रताप सिंह, स्नातक कानपुर खण्ड स्नातक अरुण पाठक, बरेली-मुरादाबाद खण्ड डॉ जय पाल सिंह व्यस्त,स्नातक इलाहाबाद-झाँसी खण्ड शिक्षक सुरेश कुमार त्रिपाठी, कानपुर खण्ड शिक्षक राजबहादुर सिंह चन्देल का कार्यकाल 12 फरवरी को समाप्त होने के कारण होने वाली रिक्तियों को भरने के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। बृहस्पतिवार को निर्वाचन की अधिसूचना जारी हो गयी। निर्वाचन की अधिसूचना के प्रथम दिन नामांकन शून्य रहा।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 12 जनवरी को नामनिर्देशन हेतु अंतिम तिथि, नाम निर्देशनों की जांच 13 जनवरी तक होगी, 16 जनवरी नाम वापसी हेतु अंतिम तिथि निर्धारित की गई। 30 जनवरी पूर्वाह्न 08 बजे से सायं 04 बजे तक मतदान होगा। 02 फरवरी मतगणना होगी। 04 फरवरी से पूर्व निर्वाचन सम्पन्न करा लिया जायेगा। आदर्श आचार संहिता के सुसंगत उपबंध तात्कालिक प्रभाव से भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश एवं दिये गये प्राविधानों के अनुसार विधान परिषदद्विवार्षिक निर्वाचन प्रदेश के 39 जिलों-प्रयागराज कौशाम्बी,में लागू हो गये हैं।

कल्याण सिंह ने रखी भय और अपराधमुक्त शासन की आधारशिलाः भूपेंद्र

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती पर पुष्पार्चन कर नमन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने श्री रामजन्म भूमि आन्दोलन के नायक व प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह बाबूजी की जयंती पर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह के आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित

श्रद्धांजलि अर्पित

- » बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कल्याण सिंह को किया नमन

की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रामजन्मभूमि आंदोलन के नायक बाबूजी दृढ़ इच्छा शक्ति वाले नेता थे। मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश में सुशासन स्थापित करने के लिए कठोर निर्णय लेने वाले कल्याण सिंह ने भय व अपराध मुक्त शासन की आधारशिला रखी।

अन्त्योदय की अवधारणा को साकार करते हुए गरीब, किसान व वंचित वर्ग के उत्थान के लिए उनका योगदान तथा उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

कल्याण सिंह जुझारू एवं संघर्षशील जनप्रतिनिधि थेः केशव

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अपने कैंप कार्यालय सात कालिदास मार्ग पर राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह बाबू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर स्वर्गीय कल्याण सिंह बाबू जी संघर्षशील एवं जुझारू जनप्रतिनिधि थे। उन्हें राष्ट्रवादी राजनेता के रूप में जाना जाता है। उनका राजनीतिक जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने कभीसिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

श्री मौर्य ने स्वर्गीय कल्याण सिंह की जन्म तिथि के अवसर पर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। श्री मौर्य ने आज 2-माल एवन्यू पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम मे पहुंचकर कल्याण सिंह बाबू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रदेश में अब तक हुई 44.93 लाख मीट्रिकटन धान खरीद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्यदिलाने के उद्देश्य से खरीफ क्रय वर्ष 2022-23 में सीधे खरीद करते हुए,विभिन्न धान क्रय केन्द्रों के माध्यम से अब तक 44.93 लाख मीट्रिक टन धान खरीद कर ली गयी है। इस योजना के तहत 713347 किसानों को लाभाविन्त किया गया है और 7512.390 करोड़ का भुगतान उनके खातों में किया गया है। खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार आज 117141.92 धान खरीद हुई है। क्रय हेतु प्रदेश में खाद्य विभाग व विभिन्न क्रयएजेंसियों द्वारा 4431 क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम : अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों की विकास योजनाओं में सुधार

संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन से अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में विकास योजनाओं को प्रदेश में एक नई गति मिली है। शासन स्तर पर नियमित समीक्षा के फलस्वरूप विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में अप्रत्याशित सुधार हुआ है। धर्मपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्तमान में 1218 परियोजनाएं निर्माणाधीन है, जिसमें पॉलीटेक्निक,आईटीआई, डिग्री कॉलेज, इन्टर कॉलेज, यूनानी मेडिकल कॉलेज, पाइप पेयजल योजना, सद्भाव मण्डप प्रमुख हैं। इन परियोजनाओं में से 622 परियोजनाओं को प्राथमिकता पर पूर्ण करने के उद्देश्य से विभाग की अपर मुख्य सचिव मोनिका एस गर्ग के निर्देशन में माह अक्टूबर-नवम्बर में मण्डल स्तर पर समीक्षा बैठकें आयोजित की गयी। कार्यदायी संस्थाओं से उपभोग प्रमाण पत्र प्राप्त करके धनराशि जारी की गयी। लगभग 350 ऐसी परियोजनाएं चिन्हित की गई हैं, जिन्हें विशेष ध्यान देकर इसी वर्ष में पूर्ण कराया जाएगा तथा कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्राविधानित बजट रूपये 508 करोड़ के सापेक्ष अब तक रूपये425 करोड़ कार्यदायी

परियोजना

- » 350 परियोजनाओं को चिन्हित कर इसी वर्ष पूर्ण कराया जायेगा: धर्मपाल

संस्थाओं को अवमुक्त किया जा चुका है। गतवर्ष इस योजना में105 करोड़ और 2020-21 में 247 करोड़ अवमुक्त कियागया था। पिछले दो वित्तीय वर्षों में अवमुक्त रूपये 352 करोड़ के सापेक्ष कहीं अधिक धनराशि इस वर्ष 09 माह में ही विभाग द्वारा अवमुक्त कर दी गई है। अल्पसंख्यक मंत्री ने बताया कि अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में मौजूदा वित्तीय वर्ष में अब तक 04 पॉलीटेक्निक, 01 आई0टी0आई0, 04 राजकीय इन्टर कॉलेज, 04 पेयजल योजना, 02 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 04 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को पूर्ण कर जनोपयोगी बनाया जा चुका है। इस वित्तीय वर्ष में अधिक से अधिक परियोजनाओं को पूर्ण कर जनोपयोगी बनाये जाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा मण्डल तथा जिले स्तर पर नियमित वर्चुअल बैठकों के माध्यम से कार्य की समीक्षा एवं पर्यवेक्षण किया जा रहा है। धर्मपाल सिंह ने बताया कि अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के उद्देश्य से 30 राजकीय इन्टर कॉलेज, 120 पेयजल योजनाएं, 05 पालीटेक्निक आईटीआई, 02 कस्तूरबा गाँधी विद्यालय, 10-12 प्राथमिक उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं 03 छात्रावास मार्च, 2023 तक पूर्ण कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है। अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और इस वित्तीय वर्ष में 04 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 20 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 04 होम्योपैथिक चिकित्सालय, 80 आंगनबाड़ी केन्द्र एवं 20 शौचालय ब्लाक पूर्ण कराये जाने हेतु विभाग द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

कल्याणम करोति ने किया नेत्र शिविर का आयोजन

शिविर में भारी संख्या में नेत्र रोगियों का परीक्षण व ऑपरेशन किया गया

संवाददाता

लखनऊ। केजीएमयू लखनऊ नेत्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अभिजीत कौर के नेतृत्व में तथा चंद्रभानु गुप्त की समाजसेवी संस्था भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष आदरणीय आर.सी त्रिपाठी की सदप्रेरणा से श्रद्धेय गुप्त को समर्पित संस्था कल्याणम करोति लखनऊ द्वारा चन्द्रावल सरोजनी नगर में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन कल्याणम करोति संस्था के संस्थापक सदस्य श्रद्धेय स्व विमल कुमार शर्मा तीसरी पुण्य तिथि पर

आयोजित किया गया। सरोजनी नगर चंद्रभानु गुप्त कर्मस्थली रही. उनके द्वारा स्थापित हाथ कागज फैक्ट्री चंन्द्रावल में 1977-1978 में प्रथम नेत्र शिविर (दस दिवसीय)का आयोजन स्वयं श्रद्धेय गुप्त जी उपस्थित में सम्पन्न हुआ था। उस शिविर में भारी संख्या में नेत्र रोगियों का परीक्षण व ऑपरेशन किया गया। इस अति भीषण शीत लहर में भी आज के इस परीक्षण शिविर में संतोष जनक नेत्र रोगियों का आगमन हुआ.178 नेत्र रोगियों का परीक्षण कर उनमें से 52 नेत्ररोगियों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया. चयनित सभी नेत्र रोगियों का ऑपरेशन केजीएमयू नेत्र विभाग में निशुल्क किया जायेगा.इस शिविर में 4 आशक्त जनों को (चलने फिरने में असहाय)को व्हील चेयर भी प्रदान की गयी। उदारमना स्व विमल कुमार शर्मा का जीवन वास्तव में बहुमुखी सेवाओं से ओतप्रोत रहा. उनका सारा जीवन यशोमय रहा ,सेवामय रहा है. वह अनाशक्त भाव से कुछ न कुछ सत्कार्य अंतिम समय तक करते रहे.अंतिम समय तक भी वह तरुणो से अधिक परिश्रमशील,सेवाशील और सक्रिय रहे। लोककल्याण की भावना की चरम सीमा उनके द्वारा किये गए अपने देहदान और नेत्रदान के रूप में परणित हुई.समय समय पर जनमानस में ऐसे कर्मवीर महापुरुष अवतरित होते रहतें है जिनका स्मरण मात्र ही नवीन शक्ति और स्फूर्ति प्रदान करता है। श्रद्धेय विमल जैसे लोग शरीर त्याग निराकार में लीन हो जाते हैं पर वो ना मरते हैं और ना मिटते हैं. उनके द्वारा मानव कल्याण एवं सामाजिक उत्थान हेतु किये गए उत्सर्ग की ज्योति एक दीपक की भांति प्रकाशित हो अनेकानेक जनों में उत्साह के अखण्ड प्रकाश को प्रवाहित करती रहेगी।

जी-20 देशों में सेटेलाइट कैंपस खोलेगा लखनऊ विश्वविद्यालय

संवाददाता

लखनऊ। लविवि ने जी-20 देशों में अपना एक्सटेंशन (सेटेलाइट) कैंपस खोलने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए प्रदेश सरकार के सहयोग से चार बैठकें भी हो चुकी हैं। फरवरी में होने वाली इन्वेस्टर्स समिट में इसे लेकर एमओयू होने की भी संभावना है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दोबारा कार्यभार संभालने के बाद बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। प्रो. राय ने बताया कि जी-20 देशों में शामिल कुछ देशों में हम अपना कैंपस शुरू कर सकते हैं। कोशिश है कि इन्हें एकेडमिक गाइडेंस, टीचिंग आदि दें। हमारी एकेडमिक व गुड प्रैक्टिस का लाभ विदेशियों को भी

बैठक

- » प्रदेश सरकार के सहयोग से चार बैठकें भी हो चुकी
- » जी-20 देशों में शामिल कुछ देशों में हम अपना कैंपस शुरू कर सकते हैं

मिले। इसी तरह नए सत्र से ऑनलाइन कोर्स शुरू करेंगे और आगे चलकर डिस्टेंस एजुकेशन भी देंगे। बेस्ट प्रैक्टिसेज के क्रम में इसी सत्र से स्टूडेंट फीडबैक सिस्टम जल्द शुरू किया जाएगा। इसमें वेबसाइट पर छात्र एकेडमिक और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी जानकारी दे सकेंगे। उनके बेहतर

सुझावों को हम लागू भी करेंगे। प्रो. राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय कंसलटेंसी भी देगा, जिससे संस्थान की आय बढ़ेगी। इसी के तहत राइट्स के साथ हम स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। विवि आगे चलकर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और शहर के विकास कार्य से भी जुड़कर काम करेगा। केंद्र सरकार की संस्था से वार्ता चल रही है, जल्द 13 करोड़ का प्रोजेक्ट यूनिवर्सिटी को मिलेगा। बताया कि लविवि के पांच जिलों में 548 कॉलेज संबद्ध हैं। जल्द इनके बीच इंटर कॉलेज कल्चरल व स्पोर्ट्स फेस्ट होगा। सारी प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय में ही न होकर संबद्ध कॉलेजों में भी होंगी। प्राथमिकताएं बताते हुए प्रो. राय ने कहा, विश्वविद्यालय ने हर क्षेत्र में जो व्यवस्थाएं, सुविधाएं बढ़ाईं, अब उसका लाभ शिक्षकों, छात्रों को दिलाएंगे। रिसर्च इंडेक्स, रिसर्च ग्रांट बढ़ाई जाएगी। पहले हमारा वेब ऑफ साइंस में एच इंडेक्स 77 था, जो 95 और स्कोपस में 83 से 105 हो गया है। इसे और बेहतर करेंगे। विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट और पैकेज बढ़ाएंगे। इनक्यूबेशन सेंटर में संसाधन बढ़ाकर शिक्षकों की भी स्टार्टअप के लिए मेंटरिंग करेंगे। समाज में सहभागिता भी बढ़ाएंगे। इसके लिए प्राइवेट इन्वेस्टर्स से बात चल रही है। प्रो. राय ने बताया बीते वर्षों में विदेशी छात्रों की संख्या लगातार बढ़ी है। वर्ष 2022-23 में प्रवेश के लिए 850 आवेदन आए। विदेशी छात्रों से अच्छी आय भी होती है। अब हमारी कोशिश है कि विदेशी लड़कों-लड़कियों के लिए अलग-अलग हॉस्टल बनाए जाएं। अभी हमने उन्हें छात्रावासों में अलग सेक्शन दिया है। इससे बाहर से आने वाले छात्रों की संख्या बढ़ेगी। पूर्व छात्रों के सहयोग से हर हॉस्टल में गेस्ट रूम बनाने का भी प्रस्ताव है।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट का शुभारंभ

लखनऊ। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का अखिल भारतीय फुट्बाल टूर्नामेंट का शुभारंभ नवीन कुमार कनौजिया, क्षेत्रीय आयुक्त-प्रथम के द्वारा ला मार्टिनियर कॉलेज, कालीदास मार्ग के खेल मैदान में किया गया, फुट्बाल टूर्नामेंट में भाग ले रही दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं गुजरात की टीमों के सभी सदस्यों का क्षेत्रीय आयुक्त ने स्वागत किया एवं सभी टीमों को टूर्नामेंट की शुभकामनायें भी दी, टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच गुजरात और दिल्ली के बीच हुआ जिसमें दोनों टीमों के द्वारा एक-एक गोल किए जिससे मैच बराबरी पर रहा एवं दोनों टीमों को 1 -1 पॉइंट प्राप्त हुआ, टूर्नामेंट का दूसरा मैच हरियाणा एवं तमिलनाडु के बीच हुआ इस रोमांचक मैच में तमिलनाडू की टीम ने हरियाणा की टीम को 3-2 से हरा दिया, टूर्नामेंट के उदघाटन समारोह में मुख्य रूप से मारुति नन्दन त्रिपाठी, क्षेत्रीय आयुक्त, प्रतीश सिंह, सहायक आयुक्त, ज्ञानेन्द्र कुमार, सहायक आयुक्त एंव भविष्य निधि कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें

इशिता शर्मा, सुधांशु वर्मा, प्रियांशु व उमेश राय ने जीते स्वर्ण पदक

लखनऊ। नवीन पब्लिक स्कूल के तत्वाधान में मोहनलालगंज के मिनी स्टेडियम में आयोजित लखनऊ अंतर विद्यालय ताइक्कांडो चौंपियनशिप का समापन वीरवार को हुआ। नीरज शर्मा काव्य एकेडमी के द्वारा आयोजित दो दिवसीय इस चौंपियनशिप में इशिता शर्मा, सुधांशु वर्मा, प्रियांशु व उमेश राय ने स्वर्ण पदक जीते। अर्नव, भव्य, अंकित व लतिका को रजत पदक मिला। हरिओम व फ्रीया को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि आनंद किशोर पाण्डेय (संयुक्त सचिव लखनऊ ओलंपिक संघ एवं निदेशक स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया) एवं विद्यालय के प्रिंसिपल करुणेश मिश्रा ने पदक विजेताओं का सम्मान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि आनंद किशोर पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में सभी को खासकर महिलाओं को सेल्फडिफेंस के लिए ताइक्कांडो जैसी मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग लेनी चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि मार्शल आर्ट की स्कूल स्तर पर ही ट्रेनिंग देनी चाहिए।

राजभवन में खेल प्रतियोगिताओं के लीग मैच का हुआ आयोजन

लखनऊ। राजभवन में आजादी के अमृत महोतसव के अंतर्गत 1 जनवरी से प्रारम्भ हुई खेल प्रतियोगिताओं में विभिन्न खेलों के लीग मैच में प्रतिभागी ने हिस्सा लिया। इसी क्रम में कैरम और बैडमिंटन में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग लीग मैच आयोजित हुए। जिसमें राजभवन में कार्यरत एवं आवासित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में खो-खो, कबड्डी, गिल्ली-डण्डा, लंगड़ी, रस्सी कूद, गोला फेंक, लम्बी कूद, दौड़ तथा स्लो साइकलिंग रेस, वाली बाल, रस्सा खींच, टेबल टेनिस, शतरंज, जूडो, कैरम खेल का आयोजन किया गया।

2 करोड़ की चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बहराइच। नेपाल से तस्करी कर लाई जा रही 5 किलो चरस के साथ हिमाचल प्रदेश की महिला को रुपईडीहा पुलिस ने सीमा पर जांच के दौरान बुधवार को पकड़ा। चरस की अंतरराष्ट्रीय कीमत दो करोड़ बताई गई है। पुलिस ने महिला तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एएसपी ग्रामीण अशोक कुमार ने बताया कि बुधवार को वरिष्ठ उपनिरीक्षक रुदल बहादुर सिंह, निरीक्षक अश्वनी पांडेय व एसएसबी टीम के साथ सीमा क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान नेपाल की ओर से आ रही एक महिला संदिग्ध स्थिति में दिखी। महिला सिपाहियों ने तलाशी ली तो उसके पास से 5 किलो चरस बरामद हुई। पूछताछ के दौरान महिला की पहचान माया पत्नी बाल बहादुर निवासी जिला कुल्लू हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई। चरस के साथ पकड़ी गई महिला ने बताया कि वह चरस की खेप को हिमाचल प्रदेश ले जाना चाहती थी। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए चरस की अंतरराष्ट्रीय कीमत दो करोड़ रुपए के आसपास है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बरामद चरस को सील कर आरोपी महिला को जेल भेज दिया गया है।

चार दिवसीय राज्य स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता सम्पन्न

बहराइच। मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र अंतर्गत स्थित ग्राम सर्रा कला में स्वर्गीय वीरेंद्र बहादुर निरंकारी मेमोरियल एण्ड गंगा सागर क्लब के तत्वाधान में आयोजित हो रही चार दिवसीय राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को सकुशल सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता को लेकर दर्शको में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला भीषण ठंड के बावजूद मैच देखने के लिये दर्शको की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रतियोगिता में लगभग दो दर्जन टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच आरपीएफबरेली और मैनपुरी के बीच खेला गया जिसमें आरपीएफबरेली विजेता तथा मैनपुरी उपविजेता रही। चार दिवसीय इस वालीबाल प्रतियोगिता के पहले दो दिन क्षेत्रीय टीमों के बीच मुकाबला हुआ जिसमें सर्राकला टीम शानदार प्रदर्शन कर विजेता बनी। तथा राज्यस्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता की विजेता बरेली टीम रही। आयोजन कमेटी की ओर से विजेता एंव उपविजेता टीम को ट्राफी प्रमाणपत्र व नगद पुरुस्कार धनराशि देकर सम्मानित किया गया। आयोजक कमेटी के अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि ग्रामीण परिवेश में खेलो का स्तर बढ़ाने के उद्देश्य हेतु गांव में जिला व राज्यस्तर तक की प्रतियोगिता करायी जाती रहती है। प्रतियोगिता के माध्यम से वन्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर दिलाने का प्रयास किया जाता है । कमेटी के सचिव राजेश गुप्ता ने कहा कि हमारे क्षेत्र में आने वाले सभी खिलाड़ियों के हम आभारी हैं उन्होने कहा कि आयोजन कमेटी सभी खिलाड़ियों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखती है जिससे किसी को यहां आने के बाद असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी मोहम्मद रशीद, वालीबाल एसोसियेशन के ज्वाइंट सिक्रेटरी प्रेमनाथ तिवारी, स्टेडियम वालीबाल कोच रजवंत सिंह, राष्ट्रीय महिला वालीवाल खिलाड़ी आदिति श्रीवास्तव, विनोद सिंह, राजेश गुप्ता, राजकुमार यादव, रामचंद्र गौतम, मोईनुद्दीन खान, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विकास कुमार, सीमा जागरण मंच के जिला महामंत्री पिन्टू मौर्य, अशोक कुमार, इफ्तिखार हुसैन समेत काफी लोग मौजूद रहे।

डिप्टी कलेक्टर पूजा यादव को मिली पीएचडी की उपाधि,डीएम ने दी बधाई

बहराइच। जिले में तैनात डिप्टी कलेक्टर और 2015 बैच की पीसीएस अधिकारी पूजा यादव को श्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय लखनऊ के अर्थशास्त्र एवं प्रबन्ध विभाग से शोध पूर्ण करने पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। एसडीएम को पीएचडी उपाधि मिलने पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी मनोज और अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। पूजा यादव इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अर्थ शास्त्र में परास्नातक करने के बाद प्रथम प्रयास में ही एनईटी-जेआरपी उत्तीर्ण कर सुभाषचन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ में प्रवक्ता के पद पर चयनित हुई। इसके बाद वर्ष 2013 पीसीएस में बीडीओ और 2015 पीसीएस में एसडीएम के पद पर चयनित होने के बाद बाराबंकी, लखीमपुर और शाहजहांपुर में कार्यरत रहीं। लखीमपुर खीरी की पलिया तहसील में एसडीएम के पद पर तैनाती के दौरान एसडीएम ने थारू जनजाति की महिलाओं की शिक्षा व आर्थिक उत्थान के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए थारू समाज के मध्य एक अलग पहचान स्थापित की। एसडीएम ने अपने शोध कार्य में थारू समाज की पर्यावरण पर निर्भरता और उनके जीविकोपार्जन के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को बारीकी के साथ रेखांकित किया है। पिता फूलचन्द यादव और माता निर्मला यादव की होनहार पुत्री पूजा यादव का जनपद से भी सम्बन्ध है। एसडीएम के पिता जनपद में संयुक्त निदेशक अभियोजन के पद पर सेवा प्रदान कर चुके हैं।

निपुण विद्यार्थियों को सम्मानित करेगी योगी सरकार

अभिभावकों की मौजूदगी में सम्मानित होंगे बच्चे

प्रेरणादायी

- » कल्याण सिंह की जयंती पर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की
- » विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनका उत्थान करने के लिए आपको सदैव स्मरण किया जाएगा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर करने के लिए योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब योगी सरकार ने प्रत्येक माह निपुण सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस समारोह में बच्चों के अभिभावकों व समुदाय के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में चयनित निपुण विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। इन निपुण विद्यार्थियों को बाकी छात्रों के लिए मिसाल के तौर पर पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत प्रदेश में विभिन्न गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इन गतिविधियों के लिए कुछ मानक भी तय किए गए थे, ताकि 2025-26 तक निपुण लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत कक्षा 1-3 में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने एवं कक्षा के अनुरूप स्तर पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद की ओर से सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को प्राचार्यों व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में आदेशित किया गया है। आदेश के अनुसार निपुण विद्यार्थी सम्मान के लिए कक्षा 1-3 के वो बच्चे पात्र होंगे जो अपनी कक्षा के हिंदी व गणित विषयों के निपुण लक्ष्यों को हासिल कर लेंगे। ऐसे बच्चों को विद्यालय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इससे विद्यालय व जनसमुदाय में सकारात्मक वातावरण का सृजन होगा। साथ ही अन्य बच्चे भी प्रेरित व प्रोत्साहित होंगे। इसी क्रम में निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से बच्चों की निपुण दक्षता का आकलन कराए जाने का निर्णय लिया गया है। यह आकलन प्राचार्य डायट के नेतृत्व में डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। समारोह में बच्चों के अभिभावक व अन्य गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा तथा निपुण विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए उन्हें एक बैज प्रदान किया जाएगा। इससे समुदाय के साथ विद्यालय का जुड़ाव भी बेहतर ढंग से हो सकेगा। सभी बच्चों व उनके अभिभावकों का उत्साहवर्धन करते हुए बच्चों को निपुण विद्यार्थी तथा विद्यालय को निपुण विद्यालय बनाने में उनके योगदान के महत्व को प्रकाशित व प्रेरित किया जाएगा।

ऐसे होगी निपुण विद्यार्थियों की पहचान डायट प्राचार्य के निर्देशन में वर्तमान सत्र (जनवरी से मार्च 2023) के लिए एक रोस्टर तैयार किया जाएगा जिसमें सभी डीएलएड प्रशिक्षुओं को विद्यालय आवंटित किए जाएंगे। आकलन वाले दिन ये प्रशिक्षु आवंटित विद्यालयों का भ्रमण करेंगे। रोस्टर इस प्रकार से बनाने के निर्देश दिए गए हैं कि माह जनवरी से मार्च तक जनपद के समस्त विद्यालयों में एक बार बच्चों का निपुण लक्ष्य एप पर आकलन पूर्ण हो जाए। 2 डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिमाह 5 कार्यदिवसों में 10 विद्यालयों (2 विद्यालय प्रति कार्यदिवस) का भ्रमण किया जाएगा। प्रशिक्षुओं द्वारा कक्षा 1-3 के बच्चों का रैंडम आधार पर निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से आकलन किया जाएगा। प्रत्येक प्रशिक्षु द्वारा एक विद्यालय में 30 बच्चों (प्रत्येक कक्षा में 10 बच्चे) का निपुण लक्ष्य एप पर मूल्यांकन किया जाएगा। आकलन की प्रक्रिया को गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने तथा निपुण लक्ष्य एप का प्रयोग कर आकलने करने पर समझ व कौशल बनाने के लिए समस्त डायट प्राचार्य एवं डीएलएड प्रशिक्षुओं का ऑनलाइन प्रशिक्षण कराया जाएगा। डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं के स्मार्टफोन या टैबलेट के माध्यम से नामांकित बच्चों का आकलन किया जाएगा।

अखिलेश दास फाउंडेशन की ओर से कड़ाके की ठंड में कंबल पाकर कुलियों के चेहरे पर खुशी की लहर

कुलियों को कंबल देकर उन्हें ठंड से बचाने का प्रयास किया

समारोह

- » कुलियों के लिए रैन बसेरे का के इंतजाम का आश्वासन-विराज सागर दास

संवाददाता

लखनऊ। बीबीडी ग्रुप के चेयरमैन, उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के चेयरमैन, तथा डॉ0 अखिलेश दास फाउंडेशन के अध्यक्ष विराज सागर दास जी ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर वहां मौजूद कुलियों को कंबल देकर उन्हें ठंड से बचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मुझसे पूर्व मेरे पिता डॉ0 अखिलेश दास गुप्ता जी भी कुलियों के लिए हर वर्ष सम्मान समारोह किया करते थे उसी तरह मैं भी सम्मान समारोह का आयोजन करूंगा। उन्होंन कहा कि अखिलेश दास फाउंडेशन लगातार जनता की सेवा करता रहता है। फाउंडेशन की ओर से शहर वासियों को ठंड से बचाने के लिए शहरों में जगह-जगह अलाव जलवाये जा रहे हैं जिसमें नाका चौराहा, मेडिकल कॉलेज एवं ट्रामा सेंटर के मुख्य द्वार, लॉरी कार्डियोलॉजी, बलरामपुर अस्पताल, होटल अवध क्लार्क के समाने, हनुमान सेतु, टाइम्स ऑफ इण्डिया चौराहा, सिविल अस्पताल के मुख्य द्वार, क्वीन मैरी हॉस्पिटल के बाहर, उदयगंज कैंट रोड़ प्रमुख जगह हैं। विराज सागर दास ने कहा कि इस भीषण ठंड से राहत मिल सके ठंड की रातों में गरीबों के लिए बहुत भारी होती हैं। वह सोचते हैं कि किस तरह ठंड से बचा जा सके और ठिठुरते हुए रात न गुजारनी पड़े। बहुत से गरीब ठंड की रातों में खुले आसमान के नीचे काँपते- ठिठुरते हुए रात बिताने के लिए मजबूर रहते हैं। हालांकि ऐसे कई लोग है जो गरीबों को पीड़ा को समझते हुए नेक कार्य के लिए आगे आते हैं और गर्म कपड़े, कंबल के वितरण व अलाव आदि की व्यवस्था कर लोगों को मानव सेवा के लिए प्रेरित करते हैं और अखिलेश दास फाउंडेश इसके लिए संकल्पित है।

धर्मवीर प्रजापति ने जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जेल अधीक्षकों के साथ की समीक्षा बैठक

- ● अमित शाह ने विभाग द्वारा किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की प्रशंसा की
- ●विचाराधीन कैदियों को समय से जमानत मिल सके

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कारागार एवं होमगार्डस राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने कारागार मुख्यालय लखनऊ पर जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जेल अधीक्षकों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विभाग द्वारा किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की प्रशंसा की। धर्मवीर प्रजापति ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी अपनी-अपनी जेलों से सात साल से कम सजा वाले विचाराधीन कैदियों की सूची उपलब्ध कराएं एवं साथ में सुझाव भी दें। जिससे कि विचाराधीन कैदियों की संख्या को कम से कम किया जा सके। ऐसे कैदियों की फाइलें मुख्यालय भिजवाएं जो दया याचिका के मानकों को पूरा करते हैं। साथ ही ऐसे दया याचिका के मामलों में आ रही बाधाओं के बारे में भी उल्लेख करें, जिससे कि ऐसे कैदियों की रिहाई का रास्ता प्रशस्त हो। लम्बित केसों में पैरवी ठीक-ठीक कराएं, जिससे कि विचाराधीन कैदियों को समय से जमानत मिल सके। साथ ही ऐसे कैदी जिनसे विगत एक वर्षों से मिलने उनका कोई परिवारीजन न आया हो कि सूची मुख्यालय को उपलब्ध कराएं। वहीं जेलों में संवाद के दौरान बहुत से कैदी ऐसे हैं जिनकी आयु 40 वर्ष से कम हैं। सभी जेल अधीक्षक अपनी-अपनी जेलों से ट्रेड वार प्रशिक्षित कैदियों की सूची भी मुख्यालय को कराने को कहा हैं। समय तक एक स्थान पर न रहे।

हिन्दू महासभा, उप्र के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को मिलीं जन्मदिन की बधाईयां

संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को आज उनके जन्मदिवस पर विभिन्न पदाधिकारियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बधायी और शुभकामनायें देते हुये उज्जवल भविश्य की कामना की है। बधायी देने वालों में केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर भी शामिल रहे जिन्होंने राजनैतिक प्रतिद्वन्दिता से ऊपर उठकर हिन्दू महासभा के प्रदेष अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को बधायी देते हुये निरन्तर सफलता के पग बढ़ते रहने की कामना की है। वहीं हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट, राष्ट्रीय कोशाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकेश सिंह चौहान, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बबिता यादव सहित अन्य पदाधिकारियों में राम तिवारी, प्रदीप जायसवाल, सौरभ सिंह, राजकुमार सिंह, सिद्धार्थ दुबे, सुमन उपाध्याय, राकेश दत्त मिश्रा, बृजेश भदौरिया सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के सैकड़ों नेताओं ने बधाईयां प्रेषित की है। वहीं देश और प्रदेशभर से मिली जन्मदिन की बधाईयों को स्वीकार करते हुये हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

योगी पर संजय राउत का हमला

बोले, मुंबई में रोड शो की जरूरत क्या? उद्योगपतियों से मिलें और जाएं

हमला

- » योगी ने चंद उद्योगपतियों और फिल्म निर्माताओं से मुलाकात के बाद मुंबई में रोड किया

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के सीएम आदित्यनाथ के मुंबई दौरे का आज दूसरा दिन है। योगी ने चंद उद्योगपतियों और फिल्म निर्माताओं से मुलाकात के बाद मुंबई में रोड किया। इस पर शिवसेना के ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इन्वेस्टमेंट बढ़ाने के लिए मुंबई में रोड शो करने की क्या जरूरत है? राउत ने कहा, 'इन्वेस्टमेंट के लिए आएं हैं ना उद्योगपतियों से मिलें और जाएं। यहां आकर यह बीजेपी की राजनीति बंद करें। ठीक है हमारे मन में आपके लिए सम्मान है, वो रहेगा, लेकिन यह सब नहीं चलेगा।'संजय राउत ने कहा कि अपने राज्य में फिल्म सिटी को उभारना चाहते हैं। कोई एतराज नहीं है। फिल्म उद्योग के विकास के संबंध में चर्चा करें। जैसे दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों ने अपनी फिल्म सिटी डेवलप की, ठीक है। जब तक आप अपने राज्य के उद्योगों के विकास के लिए मुंबई आते हैं, तब तक एतराज नहीं। एतराज तब होता है, जब यहां के उद्योग खींच कर ले जाए जाते हैं। संजय राउत ने कहा कि योगी आदित्यनाथ मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री को यूपी में शिफ्ट करने की योजना पर काम कर रहे हैं। संजय राउत ने भी यह माना कि ऐसी बात नहीं है और यह संभव भी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योग जरूर पिछले कुछ वक्त से महाराष्ट्र के हक के दूसरे राज्यों को दिए गए हैं। संजय राउत ने कहा, 'मुंबई से फिल्म सिटी यूपी चली जाएगी। हमें इसका डर नहीं है। मुंबई की फिल्म सिटी कोई जेब में भर कर ले जाने वाली चीज नहीं है। अभिताभ बच्चन और माधुरी दीक्षित मुंबई से लखनऊ जाकर थोड़ी ना रहेंगे। इतना ही नहीं संजय राउत ने कहा कि लेकिन यह जो रोड शो किया जा रहा है। यह बीजेपी की राजनीति है। योगी आदित्यनाथ ये सब ना करें। अब महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के लिए इन्वेस्टमेंट जुटाने दावोस जा रहे हैं। वे वहां क्या रोड शो करने वाले हैं?

किसानों और मिल कर्मियों में नोकझोंक, गन्ना क्रय केंद्र बंद

नोकझोंक

- » किसानों को पता चला कि रात में ही तौल लिपिक का ट्रांसफर हो गया

बस्ती। गन्ना क्रय केंद्र बस्थनवां में रौजागांव शुगर मिल कर्मियों व किसानों के बीच गन्ना तौल को लेकर जमकर नोकझोंक हुई। इसके बाद मिल कर्मियों ने गन्ना क्रय केंद्र बस्थनवां को अस्थाई रूप से बंद कर दिया। किसानों का कहना है कि कांटा बाबू की ओर से बुधवार शाम को गन्ना से लदी ट्रालियों को तौल कर लोडिंग के लिए खड़ी करवा दी गई थी। उसी रात कांटा बाबू का चीनी मिल के अधिकारियों ने स्थानांतरण कर दिया। सुबह लोडिंग शुरू हुई तो किसानों को पता चला कि रात में ही तौल लिपिक का ट्रांसफर हो गया है। इसी को लेकर किसानों को यह चिंता सताने लगी की जिस लिपिक ने तौल किया। उसका स्थानांतरण हो गया और तौला गया। गन्ना ट्राला में लाद दिया गया है। फिर पर्ची की समस्या खड़ी हो जाएगी। गन्ना किसान लाल कुमार तिवारी, इंद्रजीत वर्मा, संदीप यादव, अन्नू सिंह, हरीराम, लाल सिंह समेत कई किसानों ने रौजा गांव चीनी मिल के कर्मचारियों को इसकी सूचना दी। इसी बात को लेकर मौके पर पहुंचे सहायक प्रबंधक संदीप सिंह से किसानों की नोकझोंक भी होने लगी। उसके बाद गन्ने से लदा ट्राला बिना चालान तथा बिना पर्ची बने हुए चीनी मिल के लिए रवाना हो गया।

बर्फीली हवाओं से कांपी तराई, गलन से लोग बेहाल

बहराइच। तराई में सर्दी का सितम जारी है। गुरुवार की सुबह से बर्फीली हवाएं चलती रहीं। गलन, ठिठुरन के साथ ही कोहरे व धुंध के कारण लोगों की कंपकंपी छूटती रही। न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। तराई में पूस की सर्दी अब परवान पर है। पहाड़ों से बर्फीली हवा से पारा लगातार कम हो रहा है। बर्फीली हवा चलने से जिले में मौसम का मिजाज बिगड़ गया है। शहर से लेकर गांव तक सुबह से कोहरा छाया रहा। बच्चे व बुजुर्ग रजाइयों में ही दुबके रहे। कोहरे के चलते वाहन हेडलाइट्स जलाकर निकले। मौसम विशेषज्ञ ने बताया कि तराई में हवाओं से मौसम में बदलाव हो रहा है। इससे सुबह घना कोहरा रहता है। दोपहर में धुंध के साथ शाम को पछुआ हवाएं चलने से गलन बढ़ रही है। मौसम विभाग ने पूरे सप्ताह इसी तरह का मौसम रहने की संभावना जताई है।

एएमयू में गेंहू की फसल का नीलामी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कार्यालय लैण्ड एण्ड गार्डन द्वारा गेंहू की फसल की नीलामी 9 जनवरी दिन सोमवार को प्रातः 11 बजे कार्यालय लैण्ड एंड गार्डन्स विभाग परिसर में होगी।। इच्छुक व्यक्ति समय पर आकर बोली बोल सकते हैं। मैम्बर इंचार्ज लैण्ड एण्ड गार्डन प्रो. जकी अनवर सिद्दीकी ने कहा है कि इच्छुक व्यक्ति फसल की नीलामी से पूर्व भली भांति देख लें बाद में किसी भी प्रकार का भ्रम मान्य नीं होगा। प्रत्येक व्यक्ति को बोली बोलने से पूर्व दस हजार रूपये बतौर जमानत धनराशि 1 घंटे पहले जमा करनी होगी। जिस व्यक्ति के नाम बोली छूटेगी उसकी जमानत राशि रोक ली जायेगी।

देश, प्रदेश का शिक्षक इतिहास के कठिन दौर से गुजर रहा

पुरानी पेंशन नीति बहाली के लिए आर-पार का संघर्ष करने की रणनीति बनाई

बस्ती। जिले में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि देश, प्रदेश का शिक्षक इतिहास के कठिन दौर से गुजर रहा है। उस पर जिम्मेदारियां पहले से अधिक बढ़ी हैं, किन्तु अधिकार लगातार छीने जा रहे हैं। यहां तक कि बुढापे की लाठी पेंशन का लाभ हासिल करने के लिए अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा देश व्यापी आन्दोलन चलाया जा रहा है किन्तु केन्द्र और राज्य सरकारें पुरानी पेंशन नीति बहाली को तैयार नहीं हो रही है। कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों के लिए सचेत हो, पुरानी पेंशन नीति लागू करने की मांग को लेकर वर्ष भर चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन चलाया जाएगा। प्रेस क्लब सभागार में आयोजित बैठक एवं मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि 2023 में पेंशन यात्रा, अहमदाबाद में राष्ट्रीय अधिवेशन के साथ ही राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में देश भर के 25 लाख से अधिक शिक्षक एकत्र होकर पेंशन बहाली की मांग करेंगे। संगठन का पहला लक्ष्य है कि सभी अध्यापकों की वरिष्ठता सूची जारी कराकर पदोन्नति की कार्रवाई कराई जाए। डीबीटी के नाम पर रोके गए शिक्षकों के वेतन बहाल हो गए, एनपीएस की कटौती जबरिया नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए शीघ्र ही न्यायालय का सहारा लिया जाएगा। किसी भी स्तर पर अध्यापकों का शोषण नहीं होने पाएगा।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र सूचना

इस कार्यालय की नीलामी नोटिस संख्या C/64-Goods-Unconnected Wagon-2020/SSK दि0 23–12–2022 के अनुसार अनकनेक्टेड एवं अनक्लेम्ड वैगनों में रखे माल की नीलामी की अन्तिम तिथि 05.01.2023 निर्धारित थी जो अब बढ़ाकर 24.01.2023 कर दी गयी है।

50/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

संवेदनहीनता की हद

नये साल की भोर से पहले दिल्ली की सुल्तानपुरी में स्कूटी सवार लड़की के साथ जो क्रूरता हुई उसने हर भारतीय को विचलित किया। एक कार ने न्यू ईअर पार्टी से लौट रही लड़की को टक्कर मारी और फिर कार के नीचे फंसी इस लड़की को बारह किलोमीटर कंझावला तक घसीटा गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कार चालक व सवार लोगों की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा देखिए कि उन्होंने तड़पती लड़की को रौंदती गाड़ी में कुछ असामान्य महसूस नहीं किया। असंभव है कि स्कूटी को हिट करके भागने के बाद उन्हें कुछ असामान्य घटता महसूस न हुआ हो। विडंबना देखिये कि देश की राजधानी में नये साल के हुड़दंग के चलते पुलिस की सख्ती और ज्यादा फोर्स व गश्ती वाहन तैनात करने के दावे किये जा रहे थे। जगह-जगह पर पुलिस के नाके लगाने के दावे के बावजूद किसी पुलिस वाले की नजर अपराधियों पर नहीं पड़ी। इस रास्ते पर सीसीटीवी कैमरों का न होना भी सवाल खड़ा करता है। बताते हैं कि प्रत्यक्षदर्शियों ने कार से लड़की को घसीटता देखे जाने के बाद पुलिस को फोन किया लेकिन वह तब पहुंची जब लड़की दम तोड़ चुकी थी। पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा है, जिसमें एक राजनीतिक दल का नेता भी है। हालांकि, मृतका के परिजन यौन हिंसा के बाद हत्या होने के आरोप लगाते रहे, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह आरोप पुष्ट नहीं हुआ। हालांकि, बाद में युवती के साथ स्कूटी पर जा रही लड़की ने स्पष्ट किया कि उनकी स्कूटी को कार ने टक्कर मारी थी। उसने यह भी दलील दी कि वह जांच-पड़ताल के डर से घटना स्थल से भाग गई थी। आरोपियों की दलील है कि कार में तेज संगीत चल रहा था और नशे के कारण कार के नीचे किसी के होने का पता उन्हें नहीं चला। उनके इस आपराधिक कृत्य के लिये ऐसी दलील स्वीकार्य नहीं है। निस्संदेह, कार सवारों के इस अमानवीय कृत्य को किसी भी कीमत पर माफ नहीं किया जा सकता। उन्हें इसके लिये कड़ा दंड मिलना ही चाहिए। यह सिर्फ 'हिट एंड रन' का ही मामला नहीं है। वे एक क्रूर हत्या के भी गुनहगार हैं। कल्पना करके भी डर लगता है कि एक जिंदगी कार के टायरों व सड़क के बीच रौंदी जाती रही और पुलिस व समाज से उसे कोई मदद नहीं मिली। इस भयानक कृत्य में पुलिस की लापरवाही अक्षम्य है। पुलिस चुस्त-दुरुस्त होती तो शायद एक जान बच जाती। शायद पुलिस-कानून का भय समाप्त होने से अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। सवाल आये दिन घटने वाली अमानवीय घटनाओं का भी है। आखिर इंसान इतना संवेदनहीन व क्रूर क्यों होता जा रहा है?

आतंक का सिलसिला

ऐसा तब है जब सरकार की ओर से समूचे इलाके में आतंकवाद से मोर्चा लेने के लिए हर स्तर पर चौकसी बरती जा रही है और अक्सर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आतंकवादी मारे भी जा रहे हैं। इसके बावजूद आतंकियों ने जिस तरह डर का माहौल बनाए रखने के लिए निर्दोष लोगों पर हमला जारी रखा है, उससे साफ है कि वहां सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा बेहतर करने की जरूरत है। गौरतलब है कि रविवार को जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती राजौरी जिले के एक गांव डांगरी में दो आतंकवादियों ने कुछ घरों को निशाना बना कर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में हिंदू परिवारों के चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य बुरी तरह घायल हो गए। जिन घरों पर हमला हुआ था, उनमें से ही एक में सोमवार की सुबह भी विस्फोट हुआ, जिसमें दो बच्चियों की जान चली गई और चार हताहत हुए। जम्मू-कश्मीर में लक्षित हमलों का जो नया सिलसिला शुरू हुआ है, ताजा घटना उसकी एक कड़ी भर है। लेकिन यह समझा जा सकता है कि वहां अब आतंक का स्वरूप बदल रहा है। आतंकवादी अब अंधाधुंध गोलीबारी करते हैं, लेकिन उनके लक्ष्य तय होते हैं। यही वजह है कि बीते कुछ महीनों में जितने भी आतंकी हमलों की खबरें आई हैं, उनमें मरने वाले ज्यादातर लोग या तो बाहरी राज्यों से वहां जाकर रोजी-रोजगार में लगे थे या वहीं उनकी सामुदायिक पहचान स्पष्ट थी। आतंक फैलाने के मकसद से किसी को भी मार डालने से जब आतंकवादी गिरोहों की मंशा पूरी होनी बंद हो गई, तब उन्होंने अपने निशाने बदल लिए, ताकि ऐसे हमलों के जरिए लोगों को मारने के साथ-साथ अपनी मौजूदगी की ओर ध्यान खींचने का दोहरा मकसद हासिल किया जा सके। इस रणनीति से एक ओर जहां वे देश की सरकार के सामने नई मुश्किलें पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति बनाना चाहते हैं। हालांकि ऐसे वक्त में भी सुरक्षाबलों ने जिस स्तर की चौकसी बरती है, अनेक आतंकियों को मुठभेड़ों में मार गिराया है, उससे उम्मीद बंधती है कि आने वाले दिनों में ऐसे आतंकवादियों पर भी शिकंजा कसा जा सकेगा। लेकिन सच यह भी है कि जम्मू-कश्मीर को एक अस्थिर और हिंसाग्रस्त इलाका बनाए रखने के लिए आतंकी संगठन और उनके संरक्षक लगातार ऐसे हमलों को अंजाम देते रहना चाहते हैं। यह अब कोई छिपा तथ्य नहीं है कि सीमा पार स्थित ठिकानों से आतंकी संगठन अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं और यह उस देश में उन्हें मिले उच्च स्तरीय संरक्षण के बिना लगातार संभव नहीं हो सकता। इस मसले पर भारत वैश्विक मंचों पर हमेशा आवाज उठाता रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान को इस बात के लिए कठघरे में खड़ा किया जा चुका है।

लोकतंत्र के विरुद्ध फैसला

आंध्र प्रदेश सरकार ने जन सुरक्षा का हवाला देते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग समेत विभिन्न सड़कों पर जन सभाएं तथा रैलियां आयोजित करने पर रोक लगा दी है। दरअसल पिछले सप्ताह कंदुकुरु में राज्य की मुख्य विपक्षी दल तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) की एक रैली में भगदड़ मचने से आठ लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार लोग बड़ी संख्या में सभास्थल पर पहुंच गये थे और लोगों में आगे जाने की आपाधापी होने लगी थी, इससे भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इसके बाद गुंटूर में एक तारीख को तेदेपा के संक्रांति उपहार कार्यक्रम में फिर से भगदड़ मच गई और फिर तीन लोगों की जान चली गई। इस तरह की दुर्घटनाएं और इनमें निर्दोष लोगों की मौत, दोनों ही दुखद और चिंतनीय है। लेकिन इस वजह की आड़ में अगर जनसभा और रैली करने के लोकतांत्रिक अधिकार को खत्म करने की कोशिश की जाए, तो यह भी बड़ी चिंता का विषय है। कुछ दिनों के भीतर तेदेपा की दो रैलियों में एक जैसी दुर्घटनाएं हुई, तो निश्चित ही इसमें कहीं न कहीं प्रशासनिक व्यवस्था की चूक है। राज्य के एक पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए। लेकिन ऐसा प्रतीत होता

पुलिस के अनुसार लोग बड़ी संख्या में सभास्थल पर पहुंच गये थे और लोगों में आगे जाने की आपाधापी होने लगी थी, इससे भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इसके बाद गुंटूर में एक तारीख को तेदेपा के संक्रांति उपहार कार्यक्रम में फिर से भगदड़ मच गई और फिर तीन लोगों की जान चली गई। इस तरह की दुर्घटनाएं और इनमें निर्दोष लोगों की मौत, दोनों ही दुखद और चिंतनीय है। लेकिन इस वजह की आड़ में अगर जनसभा और रैली करने के लोकतांत्रिक अधिकार को खत्म करने की कोशिश की जाए, तो यह भी बड़ी चिंता का विषय है। कुछ दिनों के भीतर तेदेपा की दो रैलियों में एक जैसी दुर्घटनाएं हुई, तो निश्चित ही इसमें कहीं न कहीं प्रशासनिक व्यवस्था की चूक है। राज्य के एक पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए।

है कि प्रशासन ने न यह अनुमान लगाया कि सभा में कितने लोग पहुंच सकते हैं, न किसी अप्रिय स्थिति से निपटने की तैयारी थी। कायदे से राज्य सरकार को इस लापरवाह इंतजाम की समीक्षा करनी चाहिए। लेकिन भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसका उपाय करने के लिए जगनमोहन रेड्डी की सरकार ने इस सोमवार को पुलिस कानून, 1861 के प्रावधानों के तहत निषेधाज्ञा जारी कर दी है। आदेश में कहा गया है कि सार्वजनिक सड़कों पर जनसभा करने का अधिकार पुलिस कानून, 1861 की धारा 30 के तहत नियमन का विषय है। सरकारी आदेश में संबंधित जिला प्रशासन और पुलिस तंत्र से श्ऐसे स्थानों की पहचान करने के लिए कहा है जो जन सभाओं के लिए सार्वजनिक सड़कों से दूर हों, ताकि यातायात, लोगों की आवाजाही, आपात सेवाओं, आवश्यक सामान की आवाजाही आदि बाधित न हो। आंध्र प्रदेश के प्रधान सचिव ने कहा है कि प्राधिकारियों को सार्वजनिक सड़कों पर जनसभाओं की अनुमति देने से बचना चाहिए। केवल दुर्लभ और असाधारण परिस्थितियों में ही सार्वजनिक सभाओं की अनुमति देने पर विचार किया जा सकता है और इसकी वजहें लिखित में दर्ज होनी चाहिए। देश में लोकतंत्र के लिए घटते स्थान पर चिंता करने का अब एक और कारण बढ़ गया है। दो साल पहले नीति आयोग के अमिताभ कांत ने भारत में टू मच डेमोक्रेसी यानी जरूरत से अधिक लोकतंत्र का फिक्रा कसा था। अब आंध्र प्रदेश के प्रधान सचिव दुर्लभ और असाधारण परिस्थितियों में सार्वजनिक सभा की अनुमति देने की बात कह रहे हैं। अगर भारत में राजशाही या किसी और किस्म का शासन तंत्र होता, तब तो इन शब्दों की व्याख्या की जा सकती थी, लेकिन लोकतंत्र में टू मच या असाधारण परिस्थिति जैसे शब्द ही अलोकतांत्रिक भावना के परिचायक लगते हैं। यह अंग्रेजों का गुलाम भारत नहीं है, जहां गांधीजी को मजबूर होकर सविनय अवज्ञा आंदोलन करना पड़े। यह आजाद भारत है, जिसमें हरेक नागरिक को अपनी बात कहने, सरकार से विरोध प्रकट करने का संवैधानिक अधिकार है। याद दिला दें कि खुद जगन मोहन रेड्डी ने साल 2018 में प्रजा संकल्प यात्रा निकाली थी। इस दौरान जगन मोहन रेड्डी ने 125 निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा किया। आंध्र प्रदेश का एक भी तटीय इलाका नहीं बचा था जहां जगन ना पहुंचे हों। उन्होंने लोगों के बीच जाकर उन्हें एक मौका देने की अपील की थी। इसका फायदा उन्हें 2019 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मिला। राज्य की 175 विधानसभा सीटों में से जगन मोहन रेड्डी की पार्टी

वाय एस आर कांग्रेस ने 151 सीटों पर जीत दर्ज की और राज्य की 22 लोकसभा सीटों में से सभी पर जीत मिली थी। अगर जगन मोहन रेड्डी की यात्रा पर जनसुरक्षा या किसी और बहाने की आड़ देकर रोक लगाई जाती तो ऐसी बड़ी जीत वे शायद ही दर्ज कर पाते।

रहा सवाल लोगों की हिफाजत या यातायात में आने वाली बाधाओं का, तो इससे निपटने के दूसरे उपायों पर विचार करना चाहिए। भगदड़ केवल जनसभाओं में नहीं मचती, धार्मिक स्थलों, मेलों या अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी भगदड़ की दुर्घटनाएं हुई हैं। लेकिन सरकार ऐसी जगहों पर होने वाली उमड़ने वाली भीड़ को न रोक सकती है, न इन्हें गैरकानूनी करार दे सकती है। इसी तरह जनसभाओं और रैलियों पर भी रोक नहीं लगना चाहिए। भगदड़ या अन्य किस्म की अव्यवस्था पर रोक लगाने का एक ही तरीका है कि भीड़ को धैर्य से संभाला जाए, जगह के अनुपात में ही लोगों को प्रवेश की अनुमति दी जाए, प्रवेश और निकासी के वक्त सख्ती से लोगों को निर्देश दिए जाएं। इस तरह दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। विपक्ष तो इस आदेश का विरोध कर रहा है, लेकिन भाजपा सांसद जीवी एल नरसिम्हा राव ने सरकार के इस फैसले का सशर्त समर्थन किया है। गौरतलब है कि पांच साल पहले 2018 में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने जंतर मंतर के आसपास सभी तरह के प्रदर्शन और धरने आयोजित करने पर प्रतिबंध लगा दिया था और कहा था कि ऐसी गतिविधियां पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करती हैं। इस प्रतिबंध को मजदूर किसान शक्ति संगठन, पूर्व कर्मचारी आंदोलन और अन्य ने चुनौती देते हुए कहा था कि प्रदर्शन करना उनका मौलिक अधिकार है। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने भी आदेश दिया था कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने या धरना देने पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लग सकता है। अदालत ने कहा था कि नागरिकों के प्रदर्शन करने और शांत जीवन जीने के दोनों परस्पर विरोधी अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता है। आज ऐसा ही संतुलन आंध्र प्रदेश सरकार को भी बरतने की जरूरत है।

सेहत के लिए वरदान है बाजरा

बाजरा खनिज, विटामिन और आहार फइबर सामग्री के मामले में चावल और गेहूं से बेहतर है। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। उत्पाद विकास और वाणिज्यिक अनुपात पर अपर्याप्त निवेश, छोटे बाजरे के भोजन की निम्न सामाजिक स्थिति, आहार संबंधी आदतों के प्रति प्रतिरोध और दैनिक आहार में छोटे बाजरा के उपयोग पर ज्ञान की कमी इसकी खपत को बाधित कर रही है। बाजरे में प्रोटीन, सोडियम, कार्बोहाइड्रेट और फइबर समेत कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. जाड़े के समय इसका इस्तेमाल आप दलिया, खिचड़ी या इसके आटे की रोटी के तौर पर कर सकते हैं. इसे खाने से पेट का पाचन तंत्र दूरूस्त रहता है और गैस, पेट दर्द, अपच समेत कई दिक्कतों को दूर रखता है. बाजरे में आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है जो शरीर में ब्लड बढ़ाने में मदद करती है. इसके सेवन से हार्ट ब्लॉकेज का खतरा कम होता है और हार्ट भी हेल्दी रहता है। बाजरा शब्द का उपयोग छोटे दाने वाले अनाज जैसे कि ज्वार, बाजरा, छोटी बाजरा (कुटकी), फिंगर बाजरा (रागी) आदि के लिए किया जाता है। बाजरा खनिज, विटामिन और आहार फइबर सामग्री के मामले में चावल और गेहूं से बेहतर है। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। उत्पाद विकास और वाणिज्यिक अनुपात पर अपर्याप्त निवेश, छोटे बाजरे के भोजन की निम्न सामाजिक स्थिति, आहार संबंधी आदतों के प्रति

उत्पाद विकास और वाणिज्यिक अनुपात पर अपर्याप्त निवेश, छोटे बाजरे के भोजन की निम्न सामाजिक स्थिति, आहार संबंधी आदतों के प्रति प्रतिरोध और दैनिक आहार में छोटे बाजरा के उपयोग पर ज्ञान की कमी इसकी खपत को बाधित कर रही है। बाजरे में प्रोटीन, सोडियम, कार्बोहाइड्रेट और फइबर समेत कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. जाड़े के समय इसका इस्तेमाल आप दलिया, खिचड़ी या इसके आटे की रोटी के तौर पर कर सकते हैं. इसे खाने से पेट का पाचन तंत्र दूरूस्त रहता है और गैस, पेट दर्द, अपच समेत कई दिक्कतों को दूर रखता है. बाजरे में आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है

प्रतिरोध और दैनिक आहार में छोटे बाजरा के उपयोग पर ज्ञान की कमी इसकी खपत को बाधित कर रही है। भारत में सर्दियों का मौसम ज्यादातर लोगों को खूब पसंद आता है लेकिन यह मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है. ठंड के मौसम में नमी होने से फंगस और बैक्टिरिया की ग्रोथ के लिए यह सबसे

अच्छा माना जाता है. जब इन सूक्ष्मजीवों का हमला हमारे शरीर पर होता है तो इम्यूनिटी कमजोर होने की वजह से हमारी बॉडी जल्दी से बीमारियों के चपेट में आ जाती है. इस मौसम में बाजरे की रोटी स्वाद के साथ आपके सेहत का भी पूरा ख्याल रखेगी. इसमें मौजूद फइबर पेट की दिक्कतों को दूर करेगा और कब्ज से छुटकारा दिलाएगा. बाजरे में प्रोटीन, सोडियम, कार्बोहाइड्रेट और फइबर समेत कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. जाड़े के समय इसका इस्तेमाल आप दलिया, खिचड़ी या इसके आटे की रोटी के तौर पर कर सकते हैं. इसे खाने से पेट का पाचन तंत्र दूरूस्त रहता है और गैस, पेट दर्द, अपच समेत कई दिक्कतों को दूर रखता है. बाजरे में आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है जो शरीर में ब्लड बढ़ाने में मदद करती है. इसके सेवन से हार्ट ब्लॉकेज का खतरा कम होता है और हार्ट भी हेल्दी रहता है. हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि इसके सेवन से प्रेग्नेंसी में एनीमिया से बचाव होता है और गर्भ में पल रहे बच्चे का विकास ठीक से होता है. बीते कुछ सालों में आटे के बजाए मोटे अनाज की रोटियां खाने का चलन बढ़ने लगा है. अगर आप बाजरे को पसंद नहीं करते तो ज्वार, लोबिया और चना के आटे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. उपभोक्ताओं और किसानों के लिए उनके लाभों के बावजूद, बाजरा क्यों पहली पसंद नहीं है, अनुचित मूल्य निर्धारण और बिचौलियों ने किसान संकट को जन्म दिया है। बाजार की गतिशीलता बाजरा के विकास के पक्ष में नहीं है। आय में वृद्धि और शहरीकरण के कारण बाजरा का उपयोग उपभोग के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। बाजरा के लिए राष्ट्रीय औसत 2 टन से कम है, जबकि गेहूं के लिए 3.5 टन और धान के लिए 4 टन है। सुनिश्चित सिंचाई तक पहुंच के साथ, किसान चावल, गेहूं, गन्ना, या कपास की ओर रुख करेंगे। हरित क्रांति और 2013 के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के कारण, भारत की दो-तिहाई आबादी को प्रति व्यक्ति प्रति माह क्रमशः 2 रुपये और 3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से 5 किलो गेहूं या चावल प्राप्त होता है। यह बाजरा के खिलाफ जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद के अभाव में किसान इसे मानसून के बाद खरीफ और गर्मी दोनों के लिए उपयुक्त उगाने में संकोच करेंगे। इसे और अधिक स्वीकार्य बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए? अंतर-फसल को अपनाने और फसल बीमा प्रदान करने के लिए बाजरा की अंतर-फसल फायदेमंद है क्योंकि बाजरे के पौधों की रेशेदार जड़ें मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करती हैं, पानी के बहाव को रोकती हैं और कटाव-प्रवण क्षेत्रों में मिट्टी के संरक्षण में सहायता करती हैं। प्रत्येक स्कूली बच्चे और आंगनवाड़ी लाभार्थी को स्थानीय रूप से प्राप्त बाजरा, ज्वार, रागी आदि के आधार पर एक दैनिक भोजन परोसा जा सकता है।

आलेख — मन्त्री के विचारों की आजादी

सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से जो फैसला दिया है कि सरकार के किसी मन्त्री के व्यक्तिगत बयान पर सामूहिक मन्त्रिमंडलीय जिम्मेदारी के सिद्धान्त को आंख मीच कर लागू नहीं किया जा सकता है, कई मायनों में ऐसे सवाल खड़े करने वाला है जिनसे लोकतन्त्र की संसदीय प्रणाली के स्वीकार्य नियमों के बारे में नये सवाल खड़े हो सकते हैं परन्तु भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के जिस मौलिक अधिकार को स्वीकार किया गया है उसे देखते हुए यह फैसला सार्वजनिक जीवन के कई ऐसे पक्षों पर नये सिरे से विचार करने के लिए बाध्य करता है, जिन्हें लेकर अक्सर मन्त्रियों द्वारा व्यक्त विचारों को सरकार के विचार के रूप में देखा जाता है और इनकी आलोचना भी होती है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक पेंच खड़ा किया है कि सरकार के फैसलों के बारे में मन्त्री जो वैयक्तिक बयान देते हैं उसे सामूहिक जिम्मेदारी की श्रेणी में डाला जा सकता है परन्तु जो बयान वे व्यक्तिगत तौर पर देते हैं उसे सरकारी नीति का अंग नहीं माना जा सकता। क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का अधिकार है। इस पर अंकुश केवल संविधान के 19(2) अनुच्छेद में निहित प्रावधानों के तहत ही लग सकता है जो भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता आदि को लेकर हैं। मगर संविधान की पीठ की न्यायमूर्ति श्रीमती बी.वी. नागरत्ना ने इस फैसले से अलग अपना फैसला देते हुए कहा है कि सरकार में रहते हुए किसी मन्त्री का नागरिकों के बीच घृणा फैलाने वाला बयान अलग श्रेणी में रखने की जरूरत है और इसके लिए संसद को पृथक कानून बनाना

जिनसे लोकतन्त्र की संसदीय प्रणाली के स्वीकार्य नियमों के बारे में नये सवाल खड़े हो सकते हैं परन्तु भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के जिस मौलिक अधिकार को स्वीकार किया गया है उसे देखते हुए यह फैसला सार्वजनिक जीवन के कई ऐसे पक्षों पर नये सिरे से विचार करने के लिए बाध्य करता है, जिन्हें लेकर अक्सर मन्त्रियों द्वारा व्यक्त विचारों को सरकार के विचार के रूप में देखा जाता है और इनकी आलोचना भी होती है।

चाहिए। हालांकि उन्होंने भी माना है कि अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता पर अतिरिक्त अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। मूल सवाल यह है कि सरकार में जिम्मेदार मन्त्री पद पर रहते हुए किसी व्यक्ति का संवैधानिक व नैतिक दायित्व क्या रहता है? अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का सीधा सम्बन्ध क्या इस दायित्व से होता है अथवा नहीं? जाहिर तौर पर प्रत्येक मन्त्री मन्त्रिमंडल के फैसले से बन्धा होता है क्योंकि जो भी फैसला किया जाता है उसे सर्वसम्मत समझा जाता है। संसद के भीतर मन्त्री जो भी वक्तव्य देता है उसे सरकार की नीति व उसका फैसला समझा जाता है, मगर संसद से बाहर जब वह विभिन्न विषयों पर अपनी राय व्यक्त करता है तो संविधान पीठ के बहुमत की राय में सरकार की नीति नहीं कहा जा सकता क्योंकि मन्त्री अपनी अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकार का उपयोग करता है। यह सवाल दीगर है कि इस अधिकार की सीमाएं क्या हो सकती हैं? क्या इस अधिकार का प्रयोग नागरिकों के बीच घृणा फैलाने तक हो सकता है? यह सवाल न्यायमूर्ति नागरत्ना ने खड़ा किया है।

हमें याद रखना होगा कि भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री पं. जवाहर लाल नेहरू देश के प्रथम लोकसभा चुनावों से पहले जब संविधान में पहला संशोधन लाये थे तो वह अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अनुच्छेद के मुतल्लिक ही था। उनके इस प्रस्ताव का तब कानून मन्त्री पद पर आसीन बाबा साहेब अम्बेडकर ने भी समर्थन किया था और कहा था कि विचार व्यक्त करने की आजादी के 'रौ' में वह यह भूल ही गये थे कि लोकतान्त्रिक भारत में हिंसक या वैमनस्य पैदा करने के विचारों के प्रतिपादन की आजादी देश की एकता व अखंडता के सूत्र पर आघात कर सकती है।

दैनिक राशिफल

मेषः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

वृषभः-बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

मिथुनः- परिवार की छोटी-छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

कर्कः- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

तुलाः- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिकः- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

धनुः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मकरः- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

कुंभः- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीनः- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुिष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

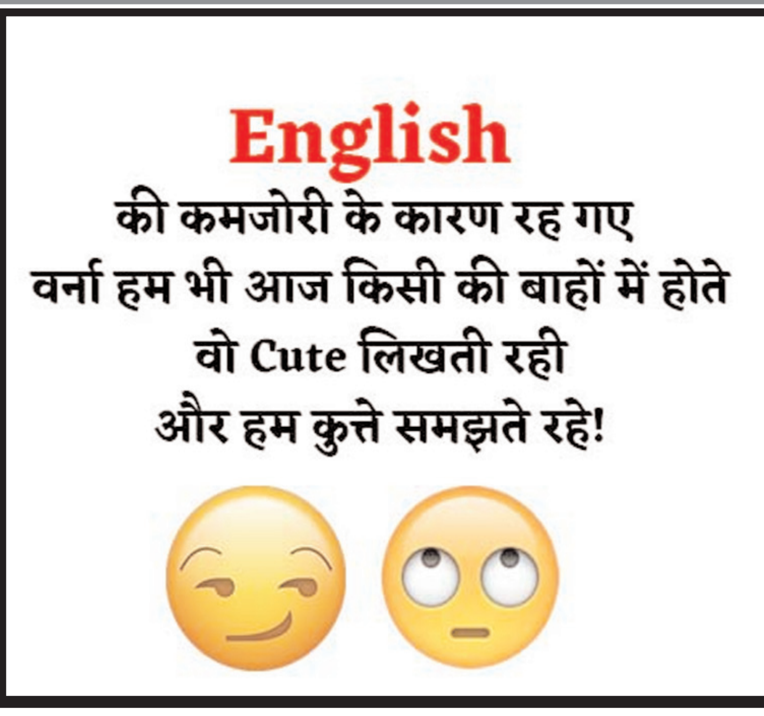

आज का सुविचार

एमएलसी चुनाव: बीजेपी उम्मीदवारो का एलान जल्द

पांच सीटे खाली,दावेदार लगे जुगाड़ में ,हाईकमान के एलान का इंतजार

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में विधान परिषद की अगले माह 12 फरवरी को पांच सीटे खाली हो रही है। इनपर दावेदार काबिज होने के लिए अभी से जोड़तोड़ और अपने सियासी आकाओं की गणेश परिक्रमा शुरू कर चुके हैं। इन सीटों पर आज से नामांकन शुरू हो गया है। पांच सीटों में तीन सीट खंड स्नातक और दो खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए है। इस चुनाव के लिए अधिसूचना निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हो चुकी है। अधिसूचना के बाद से यूपी बीजेपी में पांच उम्मीदवार के नाम को लेकर अटकलें चल रही हैं। अब पांचों उम्मीदवार के नाम का एलान किसी भी समय पार्टी हाईकमान कर सकता है। एमएलसी चुनाव के लिए आज पांच जनवरी से नामांकन शुरू होने के बाद उम्मीदवारों के नाम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। बीजेपी में पांचों उम्मीदवार के नाम को फाइनल है। नामों का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया है,वहाँ से हरी झंडी का इंतजार है,जो किसी भी क्षण मिल सकती है। विधान परिषद की शिक्षक स्नातक खंड की पांचों सीट पर उम्मीदवार के नाम का एलान जल्द होगा। बीजेपी के तीन मौजूदा विधानपरिषद सदस्यों को फिर से उम्मीदवार बनाने पर लगभग सहमति बन रही है। गोरखपुर फैजाबाद एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह और कानपुर खंड से अरुण पाठक और बरेली मुरादाबाद खंड से डॉक्टर जयपाल सिंह व्यस्त को फिर से मौका मिल सकता है लेकिन एलान आलाकमान के सिग्नल के बाद ही होगा। दो क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रज क्षेत्र के रजनीकांत माहेश्वरी और कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के मानवेंद्र सिंह का नाम भी एमएलसी चुनाव के लिए उम्मीदवारों की रेस में आगे है। ब्रज बहादुर प्रकाश पाल, संतोष सिंह और प्रदेश महामंत्री और पूर्व सांसद प्रियंका रावत का भी नाम एमएलसी के लिए चर्चा में चल रहा है। पांच सीटों पर नामांकन की अंतिम तारीख 12 दिसंबर और 30 जनवरी को वोटिंग होगी और दो फरवरी को रिजल्ट आएगा।

दावेदारी

- » बीजेपी में पांचों उम्मीदवार के नाम को फाइनल है
- » नामों का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया

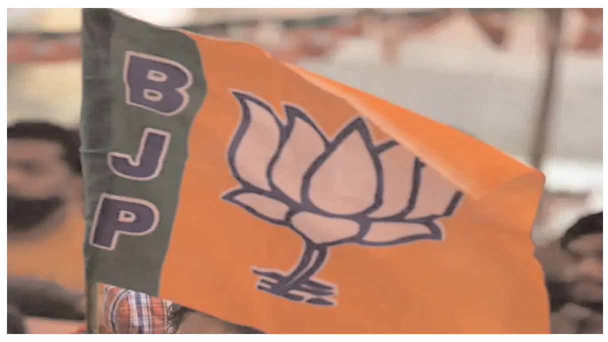

साध्वी निरंजन ने की ओबीसी आरक्षण पर सरकार की पहल की तारीफ

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति पहुँची कानपुर और बीजेपी के कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्रीय कार्यालय में मीडिया से मुखातिब हुई। उन्होंने निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा की गई पहल की तारीफकरते हुए कहा कि दलितों, पिछड़ों के अधिकारों की सुरक्षा बीजेपी ही कर सकती है। साध्वी ने कहा कि सपा-बसपा वोट लेने तक सीमित है।सपा सैफई तक और बसपा अपने तक सीमित है। उन्होंने कहा कि बीजेपी पर दलित और मुस्लिम विरोधी का आरोप लगता है पर बीजेपी ने अब्दुल कलाम और रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाया है और सर्वसमाज को आगे बढ़ाया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार में ओबीसी आयोग का गठन नहीं हुआ और बीजेपी ने ओबीसी आयोग बनाया। उन्होंने खुद पर बोलते हुए कहा कि खेत में फड़वा चलने वाले गरीब बाप की बेटी आज बोलने का साहस दिखा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पशु बाड़े में लगी भीषण आग, एक भैंस की जलकर मौत, 2 झुलसी

उरई/जालौन। जिले में देर रात एक पशु बाड़ा में अचानक आग लगने से एक दुधारू भैंस की जलकर मृत्यु हो गई। वहीं, उसकी डेढ़ माह की पड़िया और एक अन्य भैंस जलकर गंभीर रूप से झुलस गई। आग की लपटें देख ग्रामीणों ने उसे बुझाने का प्रयास किया, पर तब तक आग ने पशु बाड़े को जलाकर राख कर दिया। बड़ी मशक्कत के बाद झुलसे हुई दो मवेशियों को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए पशु चिकित्सालय भारती कराया। घटना रामपुरा थाना अंतर्गत ग्राम उदोतपुरा जागीर की है। यहां देर रात सुशील कुमार पुत्र छोटेलाल दोहरे के पशु बाड़े में अपनी एक दुधारू भैंस, उसकी पड़िया और एक अन्य भैंस को बांधकर उसके भूसे का इंतजाम करके रात में सोने के लिए घर आ गए। देर रात को अचानक सुशील कुमार दोहरे के पशु बाड़ा में आग लग गई, जिससे दीवारों के सहारे रखें छप्पर एवं पशुओं को खिलाने के लिए रखी बाजरा की करबी भी आग पकड़ ली, जिससे छप्पर के नीचे बंधे तीनों पशु आग की चपेट में आ गए। ग्रामीणों के प्रयास के बाद बमुश्किल आग को बुझाया गया तब तक छप्पर के नीचे बंधी दुधारू भैंस जलकर मर चुकी थी और दो अन्य पशु गंभीर रूप से जलकर झुलस गए। सुशील कुमार भैंस का दूध बेचकर ही परिवार का भरण-पोषण भरण पोषण कर रहा था।

शिक्षक ने फांसी लगाकर दी जान

उरई/जालौन। जिले में गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक प्राइवेट शिक्षक ने घर पर फांसी लगाकर जान दे दी, इस घटना को शिक्षक ने तब अंजाम दिया, जब घर पर सभी लोग सो रहे थे। सुबह जब परिजनों ने उसे फांसी पर लटका देखा, तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम मिहौना की है। यहां के रहने वाले राजा बाबू (25) पुत्र रामपाल कुठौंद इलाके में एक प्राइवेट विद्यालय में शिक्षण कार्य करते थे। गुरुवार को दोपहर को जब परिवार के लोग खाना खाने के बाद सो रहे थे, उसी दौरान राजा बाबू ने घर के कमरे में फांसी लगा ली। जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई। शाम के वक्त जब उसकी पत्नी सोकर उठी तो उसने अपने पति को फंदे पर लटका देखा। उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर घर के अन्य लोग जाग गये साथ ही आस-पड़ोस के लोग शोर सुनकर घर पर पहुंचे। उन्होंने राजा बाबू को फांसी पर लटका देखा, तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां मामले की जांच करते हुये शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक अपने पिता का इकलौता संतान था, उसकी मौत से पूरे परिवार की खुशियां मातम में तब्दील हो गई। इस घटना के बाद उसकी पत्नी तथा उसके दो अबोध बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ठंड लगने से किसान की मौत,फसल में पानी लगाकर लौटा था घर

उरई/जालौन। जिले में खेत पर पानी लगाकर घर लौटा किसान ठंड से अचेत हो गया। जिसे आनन-फानन में परिजन इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। घटना कदौरा के गररेही की है। गररेही के रहने वाले चन्द्र पाल (44) पुत्र मन्नी लाल अपनी दो बीघा जमीन पर गेहूँ की फसल बोए हुए थे। जिसमें पानी लगा वह गुरुवार सुबह घर लौटकर आए तो वह अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गए। परिजन जब तक कुछ समझ पाते तब तक किसान की मौत हो गई, लेकिन परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चंद्रपाल इसी जमीन पर खेती कर घर चलाते थे। घर में उनकी पत्नी गुड्डी देवी के अलावा तीन पुत्र रवि (16), विकास (13), सूरज (10) और एक पुत्री राधिका (6) है। प्रधान सुरेश पाल का कहना है कि परिजनों ने बतायाकिसान खेत से लौटा और अचेत हो गया। उसे तुरन्त डॉक्टर को दिखाया, लेकिन तब तक ठंड से किसान की मौत हो गया। इस विषय में उपजिलाधिकारी कालपी अभिषेक कुमार का कहना है कि जानकारी की जा रही है। लेखपाल को भेजकर जांच करवाई जाएगी और किसान दुर्घटना के तहत जो संभव होगा किसान परिवार की मदद की जाएगी।

डीएम ने शहीदों के स्थल का किया निरीक्षण, 14 एवं 15 जनवरी को लगेगा नटबली बाबा मेला

बांदा। जिले में शहीदों के स्थल पर हर वर्ष मकर संक्रान्ति के अवसर पर मेला लगता है। शहीदों की स्थली पर मेला व्यवस्था को लेकर डीएम दीपा रंजन औचक निरीक्षण करेगी। स्थानीय भूरागढ़ दुर्ग एवं नटबली बाबा मेला दिनांक 14 एवं 15 जनवरी को मनाया जाता है। इस संदर्भ में महोत्सव की तैयारियों के लिए डीएम दीपा रंजन नें कई विभागों को जरूरी निर्देश दे चुकी हैं। व्यवस्थाओं के क्रियांवयन के लिये मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मौर्या नें विभागों को चेताया कि डीएम के आदेशों के परिपालन में किन विभागों नें मौके का स्थलीय निरीक्षण किया और कौन अभी नहीं पहुंचे। आपको बता दें कि डीएम दीपा मकर संक्रांति एवं आजादी के दीवानों के शहीद स्थल पर मकर संक्रांति महोत्सव के लिये शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था को हेतु पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर एवं उप जिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया कि मेला स्थल का पूर्व से निरीक्षण कर लिया जाए। अराजकतत्वों की निगरानी के लिये सीसीटीवी कैमरे भी लगने हैं। पर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स की व्यवस्था रहेगी। बांदा-महोबा राजमार्ग पर वाहनों से लगने वाले जाम को नियंत्रित करने एवं राजमार्ग पर दुकानों, ठेलों आदि को लगाये जाने पर प्रतिबन्ध आदि के बारे में यातायात प्रशासन एवं पुलिस विभाग को निर्देशित किया था।

डीएम ने सदर तहसील का किया औचक निरीक्षण,राजस्व वसूली कम मिलने पर जताई नाराजगी

बांदा। डीएम दीपा रंजन ने सदर तहसील का गुरुवार को निरीक्षण किया। जहां राजस्व वसूली कमजोर मिली। इसे बढ़ाने के लिए उन्होंने कड़ी हिदायत दी। उन्होंने विभिन्न पटलों, अभिलेखागार, कम्प्यूटरीकृत नामांकन पंजिका, राजस्व वाद रजिस्टर, भूलेख कम्प्यूटर केन्द्र, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार कोर्ट, पेंशन एवं कर्मचारियों से सम्बन्धित प्रकरण आदि की जानकारी ली और सभी को समय से निस्तारित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने राजस्व वादों के निस्तारण किये जाने। अमलदरामद के परवाना जारी करने का रजिस्टर देखा। समय से राजस्व वादों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने तहसील स्तर से जारी किये जाने वाले विभिन्न प्रमाण पत्रों को समय से जारी करने और जन शिकायतों का गुणवत्ता एवं समय बद्धता से निपटारे के निर्देश दिये। बड़े बकायेदारों का वसूली रजिस्टर भी देखा। अमीनों के द्वारा वसूली कराये जाने और बकायेदारों के खिलाफकार्रवाई के निर्देश दिये। राजस्व वसूली कम पाये जाने पर लक्ष्य पूर्ति को कहा। डीएम ने निरीक्षण में भूलेख अभिलेखागार में ग्राम वार रखे राजस्व अभिलेखों का निरीक्षण किया। कम्प्यूटरीकृत खसरा, खतौनी पटल के अवलोकन में आवेदकों से वार्ताकार खतौनी जारी करने को कहा।उन्होंने वरासत के मामलों का समय बद्धता के साथ निस्तारण के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी उमाकान्त त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी सदर सुरभी शर्मा, तहसीलदार सदर पुष्पक सहित सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

3 किमी. महिला क्लर्क को घसीटता ले गया डंपर

बांदा। बुधवार शाम दिल्ली के कंझावला जैसी घटना हुई है। यहां स्कूटी सवार महिला कर्मचारी को डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद भी चालक ने डंपर को रोका नहीं। वह स्कूटी समेत महिला को खींचते हुए करीब 3 किमी. तक ले गया। आगे जाकर डंपर डिवाइडर से टकरा गया, जिससे उसमें आग लग गई। चालक तो कूद कर भाग गया, लेकिन टक्कर और आग में जलकर महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने बांदा-चिल्ला मार्ग पर जाम लगा दिया। वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस अधिकारियों ने बड़ी मुश्किल से समझाकर उन्हें शांत कराया। घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के मवई बाईपास की है। कृषि विश्वविद्यालय में क्लर्क पद पर तैनात पुष्पा सिंह (32) पत्नी स्व. रंजीत कुमार सब्जी खरीदकर मवई बुजुर्ग चौराहा जा रही थीं।

विधान परिषद की पांच सीटों पर नामांकन आज से, 30 जनवरी को होगा मतदान

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में 30 जनवरी को होने वाले विधान परिषद चुनाव को लेकर गुरुवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरु हो गई है। यह चुनाव डस्ब् के 5 सीटो पर होना है। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने 29 दिसंबर को नोटिफिक्रेशन जारी किया था. जिन सीटों पर चुनाव होना है, उनमें गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक,कानपुर खंड और बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक का समेत तीन खण्ड स्नातक और खण्ड शिक्षक क्षेत्र की सीटें शामिल हैं। बता दें कि इस चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी हुई. इसके बाद से उम्मीदवार आज से ही नामांकन कर सकेंगे. नामांकन पत्र जमा करने का अंतिम दिन 12 जनवरी है। इसके बाद 13 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी। वहीं उम्मीदवार 16 जनवरी तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 30 जनवरी को सभी पांच सीटों पर मतदान कराया जाएगा। मतदान का समय सुबह 8.00 से शाम 4.00 बजे तक होगा। मतगणना का काम दो फरवरी को होगा। गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक, कानपुर खंड स्नातक, बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक, इलाहाबाद झांसी खंड शिक्षक और कानपुर खंड शिक्षक की सीट शामिल है। जिन सदस्यों का कार्यकाल 12 फरवरी को खत्म हो रहा है, उसमें गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड स्नातक सीट से देवेंद्र प्रताप सिंह, कानपुर खण्ड स्नातक सीट से अरुण पाठक, बरेली-मुरादाबाद खण्ड स्नातक सीट से डॉ.जयपाल सिंह व्यस्त का नाम शामिल है। वहीं इलाहाबाद-झांसी खण्ड शिक्षक से सुरेश कुमार त्रिपाठी और कानपुर खण्ड शिक्षक सीट से राजबहादुर सिंह चंदेल का भी कार्यकाल 12 फरवरी को पूरा हो रहा है।

यूपी बोर्ड स्कूलों की मान्यता प्रक्रिया में बदलाव,पहले मिलेगी तीन साल की मान्यता, फिर होगा नवीनीकरण

संवाददाता

लखनऊ। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट स्कूलों की मान्यता अब तीन साल के लिए दी जाएगी। बाद में मान्यता शर्तों को पूरा करने के बाद पांच साल के लिए इसका रिन्यूअल किया जाएगा। शासन से स्वीकृत नई मान्यता की शर्तों में निर्धारित है। पहले मान्यता के लिए स्थलीय निरीक्षण में व्यवस्था थी कि दिवस, भवन के समक्ष खड़े होकर अपना और भवन का फोटो खिंचवाकर रिपोर्ट के साथ संलग्न करेंगे। अब जनपदीय समिति विस्तृत निरीक्षण करेगी। समिति द्वारा निरीक्षण के समय विद्यालय भवन, प्रयोगशाला, खेल के मैदान, बाउंड्रीवाल, पुस्तकालय की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी की जाएगी। इसे परिषद की वेबसाइट पर अपलोड

किया जाएगा। इसके अलावा नई शर्तों में विद्यालय में छात्र-शिक्षक अनुपात 40रू01 से अधिक नहीं होगा। प्रत्येक विषय का एक शिक्षक होना अनिवार्य होगा। विद्यालय द्वारा लिए जा रहे शिक्षण शुल्क का लेखाजोखा रखा जाएगा। शिक्षण शुल्क में से कम से कम 70 प्रतिशत शैक्षिक व अन्य कर्मियों की परिलब्धियों पर खर्च होगा। इसके अलावा अब शिक्षकों, छात्रों की उपस्थिति बोर्ड की वेबसाइटध्पोर्टल पर प्रत्येक कार्यदिवस में दर्ज करनी होगी। स्कूल की वेबसाइट पर ईमेल, फोन नंबर के अलावा आधारभूत सुविधाओं जैसे भवन, कक्षों की संख्या, कंप्यूटर, खेल, पुस्तकालय, लाइट, पंखे आदि का विवरण दिया जाएगा। योग्यता सहित शिक्षकों का विवरण, कक्षावार छात्र, छात्राओं की संख्या, प्रत्येक वर्ष का परीक्षाफल व शुल्क का विवरण भी प्रदर्शित करना होगा। पानी के लिए सबमर्सिबल, आरओ, पाइप पेयजल, ओवरहेड टैंक, हैंडवाश प्लेटफार्म, अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों की लंबाई के हिसाब से अलग-अलग ऊंचाई के प्लेटफार्म की व्यवस्था करनी होगी। छात्र, छात्राओं के अलग-अलग शौचालय के अलावा दिव्यांगों के लिए विशेष इंतजाम करने होंगे। पहले छात्र संख्या के अनुसार सिर्फ शौचालय व पीने के पानी के लिए हैंडपंप या अन्य कोई समुचित व्यवस्था की शर्त थी। अब मान्यता 30 वर्ष की रजिस्टर्ड लीज डीड पर भी दी जा सकेगी। कई अन्य मानक भी परिवर्तित हुए हैं।

नौकरी के नाम पर महिला से सामूहिक दुष्कर्म

पिछले कई महीनों से सामूहिक दुष्कर्म कर रहे हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं

अलीगढ़। जिले के इगलास थाना क्षेत्र में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक बाइक एजेंसी के शोरूम मालिक नौकरी के नाम पर उसके साथ पिछले कई महीनों से सामूहिक दुष्कर्म कर रहे हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। जब महिला ने इसका विरोध करना चाहा तो आरोपियों ने उसे धमकाया और उसके बच्चे को भी जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद महिला शांत हो गई और चुपचाप सब सहती रही। जब वह किसी तरह बचकर निकली तो उसने मामले में पुलिस ने न्याय की गुहार लगाई है। गुरुवार को महिला एसएसपी से मिलने आई थी, लेकिन

उसकी मुलाकात नहीं हो सकी। पीड़ित महिला ने बताया कि वह खैर की रहने वाली है। उसने बताया कि दोनों आरोपी सगे भाई हैं और उनकी बाइक एजेंसी है। वह उसे नौकरी का झांसा देकर खैर से लेकर आए थे। जिसके बाद कुछ दिन उन्होंने उसे अपनी एजेंसी में ही रखा और फिर एक किराए के मकान में रख दिया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसे और उसके बच्चे को जान से मारने की धमकी दी। एक दिन तो आरोपियों ने उसके बेटे के सिर पर तमंचा भी रख दिया। इस कारण वह शांत रही और आरोपी उसका लगातार शोषण करते रहे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसका पति नशेड़ी किस्म का था और कई साल पहले ही कहीं चला गया था। इसके बाद वह खुद ही अपने बच्चों का भरण पोषण कर रही है। खैर में उसका एक मकान था, इस पर भी आरोपियों की नजर थी। आरोपियों ने उसे झांसे में लेकर मकान भी ठग लिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने अपने किसी रिश्तेदार के

थोड़े से सुकून खातिर मोल ले ली मुसीबत

लखनऊ। वाराणसी के दरेखूं गांव में बंद कमरे में अंगीठी जलाकर एक परिवार रात में सोया था और सुबह सब बेसुध मिले। दम घुटने के चलते दो साल के बच्चे की मौत हो गई। माता-पिता और अन्य बेटा अस्पताल में जिंदगी की लड़ाई लड़ रहा है। चंदवक का निवासी राहुल कुमार पिकअप ड्राइवर है। दरेखूं गांव में ही किराए के एक मकान में पत्नी रिंकी और 2 साल के बच्चे के साथ रह रहा है। बुधवार की रात परिवार को लोग कमरे में अंगीठी जलाकर सोए थे। सुबह राहुल जब काफी देर तक बाहर नहीं आया और दरवाजा भी नहीं खुला तो पड़ोसियों को शंका हुई। दरवाजा खटखटाने पर भी जब कोई सूचना नहीं मिली तो पुलिस को फोनकर जानकारी दी गई। पुलिस ने अस्पताल का दरवाजा तोड़कर देखा तो कमरे में धुआं भरा था।

महिला पर जानलेवा हमला, लहूलुहान हालात में मरा समझ भागा बदमाश

अलीगढ़। जिले के महुआखेड़ा इलाके में चल रहे एक जमीनी विवाद में महिला को गोली मारकर घायल कर दिया गया। महिला मंदिर में पूजा करने गई थी, इसी दौरान आरोपी वहां आए और महिला को गोली मार दी। जिसके बाद महिला लहूलुहान होकर गिर पड़ी। गोली मारने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने महिला को बेहोशी की हालत में श्रछ मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है। महुआखेड़ा के याकूतपुर गांव निवासी राजेश देवी का उनके गांव के ही एक व्यक्ति शिवा के साथ जमीनी विवाद चल रहा है। जिसके चलते कई बार दोनों पक्षों में झगड़ा हो चुका है। बुधवार रात को महिला अपने घर के पास मंदिर गई थी और पूजा करके वापस लौट रही थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव में ही रहने वाला शिवा वहां आ गया। उसने तमंचे से महिला के ऊपर फायर झोंक दिया।

गोली लगने से महिला की चीख निकल गई और महिला लहूलुहान होकर वहीं पर गिर पड़ी। महिला काफी देर तक घर नहीं पहुंची तो परिजनों को संदेह हुआ, जिसके बाद वह उसकी खोज में निकले। अब पुलिस आरोपी की तलाश में छापामारी कर रही है। उसके परिजनों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की जा रही है। इंस्पेक्टर विजयकांत शर्मा ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

दो किसानों के घर में लगी भीषण आग,दोनों के घरों का सामान जलकर हुआ राख

अलीगढ। थाना लोधा इलाके के एक गांव में बीती रात अचानक दो किसानों के घेर में आग लग गई। हादसे में एक कीमती भैंस की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। जबकि कई मवेशी आग में गंभीर रूप से झुलस गए। किसी तरह ग्रामीणों ने मिलकर आग पर काबू पाया। लेकिन जब तक अन्य सामान आग में जलकर राख हो चुका था। आग से लाखों का नुकसान होना बताया जा रहा है। वहीं, पुलिस व दमकल टीम भी मौके पर आ गई। जानकारी के मुताबिक, थाना लोधा इलाके के गाँव बीरमपुर निवासी प्रीतम पुत्र सुम्मेर सिंह और पड़ोसी केलाश चन्द्र पुत्र फ्तेह सिंह किसान है और दोनों मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। दोनो के आसपास घेर हैं। इनमे उनके मवेशी बंधते हैं। बुधवार रात्रि प्रीतम सिंह के घेर में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख ग्रामीण एकत्र ही गए और उन्होंने आग बुझाना शुरू कर दिया।

प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों का होगा विकास

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन से अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में विकास योजनाओं को प्रदेश में एक नई गति मिली है। वहीं प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्तमान में (1218) परियोजनाएं निर्माणाधीन है। जिसमें पॉलीटेक्निक, आईटीआई, डिग्री कॉलेज, इन्टर कॉलेज, यूनानी मेडिकल कॉलेज, पाइप पेयजल योजना, सद्भाव मण्डप प्रमुख हैं। इन परियोजनाओं में से (622) परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए अपर मुख्य सचिव मोनिका एस गर्ग के निर्देशन में माह अक्टूबर व नवम्बर में मण्डल स्तर पर समीक्षा बैठकें आयोजित की गयी। लगभग 350 ऐसी परियोजनाएं चिन्हित की गई हैं, जिन्हें विशेष ध्यान देकर इसी वर्ष में पूर्ण कराया जाएगा। साथ ही अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में मौजूदा वित्तीय वर्ष में अब तक 4 पॉलीटेक्निक, 1 आईटीआई, 4 राजकीय इन्टर कॉलेज, 4 पेयजल योजना, 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को पूर्ण कर जनोपयोगी बनाया जा चुका है। धर्मपाल सिंह ने बताया कि अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के उद्देश्य से 30 राजकीय इन्टर कॉलेज, 120 पेयजल योजनाएं, 5 पालीटेक्निक व आईटीआई, 2 कस्तूरबा गाँधी विद्यालय, 10-12 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं 3 छात्रावास पूर्ण कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस वित्तीय वर्ष में 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 20 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 4 होम्योपैथिक चिकित्सालय, 80 आंगनबाड़ी केन्द्र एवं 20 शौचालय ब्लाक पूर्ण कराये जाने हेतु विभाग कार्य किया जा रहा हैं।

अस्थाई कर्मचारियों का मामला अब शिक्षा मंत्रालय और यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन तक पहुंच चुका

शिक्षा मंत्रालय पहुंचा कर्मियों का मामला,यूनिवर्सिटी ने कर्मचारियों को स्थाई करने का प्रस्ताव भेजा

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालयम में दशकों से काम कर रहे अस्थाई कर्मचारियों का मामला अब शिक्षा मंत्रालय और यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन तक पहुंच चुका है। एएमयू के अधिकारियों का पैनल इस मामले में दिल्ली पहुंचा और मंत्रालय के सामने कर्मचारियों की बात रखी। एएमयू के अधिकारियों ने मंत्रालय और यूजीसी के सामने अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई करने का प्रस्ताव रखा है। जिससे कि कर्मचारियों की समस्या का स्थाई समाधान निकाला जा सके। अधिकारियो से मिलने के बाद यूनिवर्सिटी का पैनल अलीगढ़ वापस लौट आया है। अधिकारियों की माने तो उन्हें आश्वासन मिला है कि जल्दी ही कर्मचारियों को राहत दी जाएगी। एएमयू में काम करने वाले अस्थाई कर्मचारियों का कांट्रैक्ट रिनीवल नहीं किय जा रहा था। जिसके बाद कर्मचारियों ने 30 और 31 दिसंबर को प्रशासनिक भवन के बाहर घंटों तक हंगामा और नारेबाजी के बाद वीसी प्रो. तारीक मंसूर ने कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल से बातचीत की थी। जिसके बाद उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया था कि जल्दी ही उन्हें राहत दी जाएगी। जिसके बाद अब यूनिवर्सिटी ने जून 2023 तक के लिए कर्मचारियों का करार बढ़ा दिया था और उन्हें दिसंबर का वेतन भी जारी करने के आदेश दे दिए थे। अब उन्हें स्थाई रहात दी जा सके, इसके लिए यूनिवर्सिटी ने मंत्रालय और यूजीसी के प्रस्ताव भेजा है। एएमयू में लगभग लगभग 8000 का नॉन

हंगामा

- » अधिकारियो से मिलने के बाद यूनिवर्सिटी का पैनल अलीगढ़ वापस लौट आया
- » अधिकारियों की माने तो उन्हें आश्वासन मिला है कि जल्दी ही कर्मचारियों को राहत दी जाएगी

टीचिंग स्टाफ है। इसमें ज्यादातर अस्थाई कर्मचारी हैं, जिनसे कांट्रेक्ट बेस पर काम कराया जाता है। हर साल इनके करार रिनीवल किए जाते हैं। इन कर्मचारियों को 14 हजार से लेकर 60 हजार रुपए तक वेतन मिल रहा है और कर्मचारी 20-20 साल से नौकरी कर रहे हैं। इन कर्मचारियों में लगभग 1600 कर्मचारी ऐसे थे, जिनके कांट्रैक्ट रिनीवल नहीं किए गए थे। इसी के विरोध में कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया और इंतजामिया के सामने अपनी मांगे रखी। कर्मचारियों के प्रदर्शन को देखते हुए यूनिवर्सिटी के उच्च अधिकारियों ने अपनी बैठक करके उनके करार रिनीवल करके उन्हें राहत दी थी। एएमयू में 1700 का टीचिंग स्टाफहै। इसके अलावा यूनिवर्सिटी में लगभग 8000 का नॉन टीचिंग स्टाफ कार्यरत है। सरकार ने अब यूनिवर्सिटी को निर्देश दिए हैं कि उन्हें 1700 के टीचिंग स्टाफके साथ 2000 नॉन टीचिंग स्टाफका ही भुगतान किया जाएगा। जिसके बाद यूनिवर्सिटी में कर्मचारियों के वेतन का संकट खड़ा हो गया है। क्योंकि सरकार से सिर्फ 2000 नॉन टीचिंग स्टाफके लिए ही वेतन स्वीकृत हुआ है। यही कारण है कि यूनिवर्सिटी कर्मचारियों के कांट्रैक्ट रिनीवल नहीं कर रही है और छंटनी की तैयारी शुरू की थी।

संक्षिप्त समाचार

एनसीसी कैडेट्स सीखेंगे सैन्य प्रशिक्षण की बारीकियां

हाथरस। सात से 14 जनवरी तक एनसीसी का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आरपीएम कॉलेज में शुरू होगा। इसमें एनसीसी कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण की बारीकियों का ज्ञान दिया जाएगा। शिविर में 9 यूपी एनसीसी हाथरस की समस्त कंपनी एवं प्लाटूनों के साथ-साथ एक इंजीनियर कोर्ट के एनसीसी कैडेट साथ ही 8 यूपी एनसीसी बटालियन अलीगढ़ के एनसीसी कैडेट भी शामिल होंगे। एनसीसी कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण के साथ अन्य के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। बी व सी प्रमाण पत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर किस प्रकार से दिए जाते हैं, वह भी बताया जाएगा। कैडेट्स को विशेष तौर से सैन्य अधिकारियों के साथ-साथ सिविल अधिकारियों के साक्षात्कार में पूछे जाने वाले प्रश्नों की जानकारी भी दी जाएगी। यह कैंप 9 यूपी एनसीसी बटालियन हाथरस के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल समन कुमार के निर्देशन में आयोजित होगा। यह जानकारी 9 यूपी एनसीसी बटालियन हाथरस के सूबेदार मेजर विक्रम सिंह ने दी है।

पशु क्रूरता पर ग्राम प्रधान सहित चार के खिलाफ मुकदमा

सरीला। धौहल गांव में मृत गोवंश को ट्रैक्टर ट्रॉली में बांध कर घसीटे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एसडीएम ने तीन सदस्यी टीम से जांच कराई। ग्राम पंचायत अधिकारी धौहल ने प्रधान सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बुधवार को वायरल वीडियो धौहल गांव की गोशाला का बताया गया। जिसमें मृत गोवंश को ट्रॉली में डालने की जगह पीछे बांध कर घसीटा जा रहा था। एसडीएम खालिद अंजुम ने कहा वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की। जिसमें तहसीलदार श्याम नारायण शुक्ला, वीडीओ रवि प्रताप चौधरी व उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी देवेश वर्मा रहे। वहीं सीओ सरीला आशीष यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी रिशिता तिवारी की तहरीर पर धौहल ग्राम प्रधान लखन, ट्रैक्टर चालक इदरीश, अभय द्विवेदी व विवेक यादव व पशु क्रूरता, आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। चालक इदरीश को हिरासत में लिया गया है।

ओवरलोड़ 16 ट्रकों का चालान, सात पर रिपोर्ट

हमीरपुर। खनिज विभाग ने बुधवार सुबह चेकिंग अभियान चलाया। मौरंग भरे ओवरलोड 16 वाहनों को बिना एमएम-11प्रपत्र न पाए जाने पर सभी का आनलाइन चालान करके संबंधित थानों में खड़ा कराया गया है। जिनसे करीब तीन लाख राजस्व वसूला गया है। खनिज सर्वेक्षक वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि अवैध खनन व ओवरलोडिंग को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को कुरारा क्षेत्र में मौरंग भरे ओवरलोड 16 वाहनों को बिना प्रपत्र के पाया गया। सभी वाहनों का आनलाइन चालान करके करीब 2,97,000 लाख राजस्व प्राप्त किया गया है। साथ ही बिना प्रपत्र पकड़े गए सात वाहनों के चालक व स्वामियों के विरुद्ध थाना कुरारा में मामला दर्ज कराया गया है।

महाविद्यालय के छात्राओं ने किया आईआईटी का भ्रमण

हमीरपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना वैश्य के नेतृत्व में एमएससी भौतिक विज्ञान प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर का भ्रमण किया। जहां लेसर तकनीक विभाग की प्रोफेसर डॉ आर विजया व उनकी शोध टीम द्वारा छात्र छात्राओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं को भौतिकी विषय से विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। कार्यशाला में छात्र छात्राओं को फाइबर ऑप्टिक्स व लेजर टेक्नोलॉजी से जुड़े दो व्याख्यान दिए गए। महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. ज्ञान माला सक्सेना व डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार रिपोर्ट बनाकर प्रस्तुत करेंगे। डॉ. वंदना ने बताया कि यह भ्रमण कार्यक्रम वर्तमान सत्र से लागू नई शिक्षा नीति के तहत कराया गया है।

माघ मेले में चित्रकूट मंडल से दौड़ेंगी 230 बसें

हमीरपुर। प्रयागराज के माघ मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चित्रकूट मंडल के बांदा, हमीरपुर, राठ और महोबा डिपो से परिवहन निगम इस बार 230 बसें चलाएगा। 50 अतिरिक्त बसों को रिजर्व रखा गया। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर इनका संचालन होगा। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गईं हैं। बुंदेलखंड के हमीरपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट से हर साल हजारों श्रद्धालु स्नान के लिए माघ मेला में प्रयागराज जाते हैं। कई बार प्रवासी ट्रैक्टर ट्राली और अपने वाहनों से निकलते हैं जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। जिसको लेकर सरकार ने श्रद्धालुओं को माघ स्नान के लिए मंडल से बसों को चलाए जाने का प्लान तैयार किया है। आरएम बांदा संदीप अग्रवाल ने बताया कि पूरे मंडल से माघ मेले के लिए 230 बसें लगाई जाएंगी। मेले को लेकर सुरक्षित यात्रा के लिए तैयारियां की जा रही हैं। लोगों को अपील है कि खुले वाहनों की बजाय रोडवेज की बसों में सुरक्षित यात्रा करें। बताया कि एआरएम बांदा लक्ष्मण सिंह को मेलाधिकारी बनाया गया है।

जीवन खतरे में डाल टूटी पुलिया से गुजर रहे लोग

सवायजपुर। भरखनी ब्लॉक की ग्राम पंचायत गौरखेड़ा के मजरा रमापुर के निकट बनी पुलिया दो साल से धंसी पड़ी है। यहां से दर्जनों गांवों के लोग गुजरते हैं। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया धंसे टीले जैसी हो गई है। पैदल निकलना भी दूभर है। ग्राम पंचायत गौरखेड़ा के मजरा रामपुर से मुबारकपुर जाने वाले मार्ग का निर्माण 12 साल पहले कराया गया था। इससे क्षेत्र के ग्राम घोड़ीथर, गौरिया, मुबारक़पुर अलीगंज ननखेरिया, मोहलनपुर, बम्हरौली सहित दो दर्जन गांवों के लोग तहसील, ब्लॉक और मुख्यालय आते-जाते हैं। इसी मार्ग से किसान गन्ने की उपज को रूपापुर चीनी मिल ले जाते हैं। मार्ग पर पड़ने वाली पुलिया टूटी होने के कारण उनको पांच किमी का चक्कर काटना पड़ता है। पैदल पुलिया पार करने वालों के साथ हादसे की आशंका रहती है। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत स्वाति जैन ने जल्द समस्या से निजात दिलाने की बात कही है। घोड़ीथर के पूर्व प्रधान मुन्ना ने बताया कि जरूरत का सामान लेने सवायजपुर बाजार जाना पड़ता है। इस समय तो जैसे-तैसे काम चल जाता है, लेकिन बरसात के समय जलभराव होने से रास्ता बंद हो जाता है। राजवीर ने बताया कि तहसील में काफी परेशानी होती है। पुलिया के पास से पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। जिसके कारण चक्कर लगाकर जाना पड़ता है। संजू देवी ने बताया कि इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सवायजपुर जाने में काफी समस्या होती है। एंबुलेंस भी पुलिया से होकर नहीं गुजर पाती है। मुल्ला उमर ने बताया कि पुलिया का निर्माण न होने से उन्हें खाई से होकर आना पड़ता है। कई बार वह चुटहिल भी हो चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

नशीले पदार्थ के कारोबारी की डेढ़ करोड़ की सम्पत्ति कुर्क

बघौली (हरदोई)। कस्बे में मेडिकल स्टोर की आड़ में टिंचर और अवैध शराब का कारोबार करने के मामले में बुधवार को प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। आरोपी की 1.45 करोड़ की संपत्ति को कुर्क कर लिया है। एसडीएम सदर व सीओ बघौली के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने बघौली थाने में 17 अक्टूबर 2022 को गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम के मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसमें कुर्की का आदेश पारित हुआ था। यह मुकदमा बघौली थाने पर तैनात रहे थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवावर ने दर्ज कराया था। इसकी विवेचना कछौना कोतवाल संदीप सिंह कर रहे थे।

गतका दल के करतब देख दंग रह लोग

गुरुद्वारे में अखंड पाठ व लंगर का आयोजन किया गया

बिसवां (सीतापुर)। गुरु गोविंद सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पंच प्यारे की अगुवाई में नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करने के बाद गुरुद्वारा में पहुंचकर शोभायात्रा का समापन हुआ। पंजाब के गतका दल ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। गुरुद्वारे में अखंड पाठ व लंगर का आयोजन किया गया।

नगर के श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारे से शोभायात्रा प्रारंभ हुई। यहां से चलकर बड़े चौराहा होते हुए गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहेब पहुंची। फिर एसजेडी इंटर कॉलेज चौराहा, मिरदही टोला, छोटा चौराहा, मंगरहिया बाजार, हजीरा रोड, रायगंज व सब्जी मंडी होते हुए वापस गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में पहुंचकर शोभायात्रा का समापन किया गया।

इस दौरान पंच प्यारे की अगुवाई में निकली शोभायात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर खानपान के स्टॉल लगाकर स्वागत किया। पंजाब से आई तरनतारन बीर खालसा ग्रुप गतका पार्टी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। गतका पार्टी के सदस्यों ने विभिन्न हैरतअंगेज करतब दिखाए। जिसे देख दर्शक दंग रह गए। इससे पूर्व गुरुद्वारे पर अखंड पाठ भोग, दीवान सजाया गया और कीर्तन पाठ का आयोजन हुआ। गुरुद्वारे में भव्य लंगर का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर इंद्रपाल सिंह, चरनजीत सिंह, सुरजीत सिंह, भजन सिंह, त्रिलोक सिंह, सुरेंद्र सिंह, मनजीत कौर, अजित कौर व महेंद्र कौर के अलावा सैकड़ों की संख्या में सिख समाज के लोग मौजूद थे। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला प्रभारी मोहित जायसवाल ने पंच प्यारे और गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर अंशू रस्तोगी, लकी श्रीवास्तव, राजू, मनोज वर्मा, पीयूष शर्मा, शिवकुमार गुप्ता आदि मौजूद थे।

वित्तीय मंजूरी के बिना ही करा दिया आरओबी का निर्माण

सीतापुर। सीतापुर-लखीमपुर राज्य मार्ग पर स्थित रेलवे क्रासिंग संख्या 73-ए पर बनाए गए आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) की लागत में बढ़ोत्तरी का मामला फिर तूल पकड़ गया है। जांच के दौरान पता चला है कि रिवाइज्ड एस्टीमेट की मंजूरी के बिना ही तत्कालीन परियोजना प्रबंधक ने काम चालू रखा था। मतलब यह कि वित्तीय स्वीकृति के बिना ही काम तेजी से कराया जा रहा था। सीतापुर जनपद में रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण की लागत मंजूरी के समय 46 करोड़ 49 लाख 83 हजार रुपये थी। बाद में इसकी लागत बढ़ती चली गई। पहले यह बढ़कर 62 करोड़ 58 लाख रुपये और फिर 75 करोड़ 88 लाख रुपये हो गई। लागत में अप्रत्याशित वृद्धि की जांच करने और दोषियों के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश शासन ने दो अगस्त 2022 को दिए थे। इसके लिए जांच कमेटी गठित की गई थी। सेतु निगम से जुड़े विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक तत्कालीन परियोजना प्रबंधक (सेतु निर्माण इकाई, सीतापुर) ने पुनरीक्षित आगणन (रिवाइज्ड एस्टीमेट) की मंजूरी के बिना ही बढ़ी हुई लागत के आधार पर काम शुरू करा दिया था। लागत बढ़ने के जिम्मेदार अफसरों ने जांच करने वाले अधिकारियों को भी खूब बरगलाने का प्रयास किया लेकिन मामला पकड़ में आ गया।

पांडुचेरी को हराकर फाइनल में पहुंची आगरा की टीम

राठ (हमीरपुर)। नगर में चल रहे स्वामी ब्रह्मानंद अंतरराज्यीय क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को पुडुचेरी व आगरा के बीच दूसरा सेमीफाइनल मैच खेला गया। पुडुचेरी को चार विकेट से हराकर आगरा की टीम फाइनल में पहुंच गई। गुरुवार को आगरा व कानपुर के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा।पुडुचेरी की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित 30 ओवर के मैच में पुडुचेरी की टीम ने छह विकेट खोकर 293 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज निशांत कुशवाहा ने 77 और मुकेश ने 88 रन बनाए। आगरा की ओर से हर्ष और त्रिपुरेश ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आगरा की टीम को जीत हासिल करने के लिए खासी मेहनत करनी पड़ी। अभिषेक पाठक ने 22 गेंदों का सामना करते हुए 54 रन बनाए। अक्षय शिंदे ने 72 व त्रिपुरेश सिंह ने 62 रनों का योगदान देकर टीम को जीत दिलाई।

पुडुचेरी को चार विकेट से हराकर आगरा की टीम फाइनल में पहुंच गई

ईंट पत्थर के साथ मकान में फेंके जा रहे धमकी भरे पत्र, दहशत में परिवार

पाली। कस्बे के एक मोहल्ले में घर पर सात दिनों से रात में ईंट-पत्थर के साथ धमकी लिखे पत्र फेंके जा रहे है। इससे परिवार दहशत में है। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। आरोप है कि पुलिस मामले को गंभीरता से नही ले रही है। कस्बा के इमामचौक मोहल्ले का हिंदू परिवार दहशत में है। पीड़ित परिवार ने रविवार, सोमवार और मंगलवार रात यूपी 112 को सूचना दी थी। इसके बाद सोमवार सुबह थाने पहुंचकर तहरीर भी दी।

» **आरोप है कि पुलिस मामले को गंभीरता से नही ले रही**

» **कस्बा के इमामचौक मोहल्ले का हिंदू परिवार दहशत में**

मौके पर पहुंची पुलिस जांच के नाम पर लीपापोती कर लौट गई। मंगलवार रात 9 बजे के बाद फिर से पत्थरबाजी हुई और धमकी भरा पत्र लोहे के बोल्ट में लपेटकर फेंका गया। सूचना पर पहुंची 112 नंबर पुलिस बोल्ट और खत अपने साथ लेकर चली गई। घटना से परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़ित परिवार कहना है पुलिस मामले को गंभीरता से नही ले रही है। तहरीर देने के बाद भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही। थानाध्यक्ष राजकुमार पांडेय ने बताया कि घटना संज्ञान में है, मामले की जांच में पुलिस जुटी है। मोहल्ला इमाम चौक में 10 अगस्त 2022 में तिरंगा यात्रा को लेकर विशेष समुदाय के लोग हिंदू परिवार के घर में असलहे लेकर घुस गए थे। घर में मौजूद महिलाओं के साथ अभद्रता की गई थी। इसके बाद देर शाम दोनों समुदाय के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई थी। स्थित को नियंत्रण में करने के लिए कई थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी की टुकड़ी नगर में लगाई गई थी। करीब एक हफ्ते बाद नगर का माहौल सामान्य हुआ था।

युवक की पीट पीटकर की हत्या, घर के बाहर पड़ा मिला शव

लोग बोले- शराब पीने के दौरान हुई होगी लड़ाई

हरदोई। हरदोई जिले में कोतवाली शहर क्षेत्र में लालपालपुर के कनेहटा गांव में युवक को घर में बंद कर उसकी पीट पीटकर हत्या कर दी गई। आरोपी शव को बाहर फेंक कर फरार हो गए। पुलिस ने शव को बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली शहर के लालपालपुर कनेहटा निवासी सुधीर 30 पुत्र बेचेलाल मज़दूरी करता था। उसी गांव के सर्वेश पंडित पुत्र पुरुषोत्तम के साथ उसकी दोस्ती थी। दोनों साथ-साथ काम करने जाते थे। बुधवार की देर रात तक सुधीर और सर्वेश पंडित को साथ-साथ देखा गया था।

गुरुवार की सुबह सुधीर का शव सर्वेश के घर के बाहर पड़ा हुआ देखा गया। सुधीर की मां ने आरोप लगाया है कि सर्वेश ने उसके बेटे को बहाने से अपने घर ले जाकर उसे बंद कर के बेरहमी से पीट पीटकर मार डाला। उसके बाद शव घर से बाहर फेंक कर कहीं फरार हो गया।

सुधीर के शव देखने से उसकी पिटाई करने की बात सच साबित हो रही है। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस की पड़ताल में भी मार-पीट वाली बात सामने आ रही है। इस बारे में शहर कोतवाल संजय पांडेय का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही सारी बात सामने आ सकती है।

शराब के पैग लड़ाने के दौरान हुई होगी लड़ाई

सुधीर और सर्वेश पंडित के बीच दोस्ती थी। दोनों साथ-साथ बैठ कर शराब के पैग टकराते थे। लोगों का कहना है कि बुधवार को दोनों ने एक साथ बैठ कर शराब पी। उसी बीच उनके बीच लड़ाई हुई होगी। उसी से तमतमाए सर्वेश पंडित सुधीर को अपने घर बुला ले गया और वहीं उसकी इस तरह पिटाई कर दी।

धर्मांतरण कराने वालों पर करें कठोर कार्रवाई

महमूदाबाद (सीतापुर)। जिले में बढ़ रहे धर्मांतरण के मामलों पर विरोध दर्ज कराते हुए बुधवार को समाजसेवियों ने एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें धर्मांतरण कराने वालों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। एसडीएम को दिए ज्ञापन में कहा गया कि कुछ दिन पहले जनपद की बिसवां तहसील क्षेत्र के लश्करपुर, महमूदबाद तहसील क्षेत्र के सदरपुर, रामपुर मथुरा व तालगांव सहित विभिन्न जगहों पर धर्म परिवर्तन करवाने के मामले प्रकाश में आए थे। डेविड नाम के व्यक्ति की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में फैल चुकी है, जो लोगों को बहला फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराने का कार्य करते हैं। ज्ञापन में धर्म परिवर्तन कराने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी ने बताया कि तहसील के सभी थानाध्यक्षों को ऐसे लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रस्तावित करों के विरोध में नगर पंचायत को दी आपत्ति

हाथरस। नगर पंचायत द्वारा की जा रही वाहन प्रवेश शुक्ल, वाहन प्रवेश स्टैंड और पार्किंग शुल्क सहित कई कर लगाने की तैयारी का विरोध शुरू हो गया है। इस क्रम क्त्रस्म में बुधवार को महानगर बस सेवा आपरेटर्स यूनियन के अध्यक्ष महेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में अधिशासी अधिकारी को आपत्ति दर्ज कराई गई। आम लोगों की जरूरतों को नजर अंदाज करके नागरिकों से भारी वसूली की योजना के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

सोलंकी ने कहा कि नगर पंचायत के ईओ आम जनता पर कई तरह के कर लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इस क्रम में उन्होंने एक आपत्ति शासनादेश के साथ नगर पंचायत के ईओ व नगर पंचायत चेयरमैन लालता प्रसाद माहौर को दर्ज कराकर विरोध दर्ज कराया है। आपत्ति में कहा गया है कि वाहन प्रवेश शुल्क, वाहन स्टैंड औश्र पार्किंग शुल्क आदि चुंगी का ही एक रूप है। शासन द्वारा पूर्व में यह कहा गया है कि चुंगी टैक्स को किसी भी रूप में पुनर्जीवित करने की कोई मंशा नहीं है। मुख्य सचिव के आदेशानुसार है कि कोई भी निकाय मनमाने ढंग से शुल्क नहीं वसूल सकती। लिहाजा प्रस्तावित करों को निरस्त करने की मांग आपत्ति में की गई है। ज्ञापन देने वालों में महेंद्र सिंह सोलंकी, हरवीर सिंह तोमर, नीरज वार्ष्णेय आदि मौजूद थे।

प्रेम सिंह बने दि कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, बजे ढोल-नगाड़े

हाथरस। हाथरस के दि कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव की मतगणना पूरी हो गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर प्रेम सिंह यादव निर्वाचित हुए। उन्होंने सुनील कुमार वर्मा को 12 वोटों से हराया।

दि कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में प्रेम सिंह यादव अध्यक्ष पद का चुनाव 12 वोटों से जीत गए। चुनाव अधिकारी भगवती प्रसाद पौरुष, दुर्गा प्रसाद पौरेवाल व बनी सिंह यादव एडवोकेट के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए प्रेम सिंह यादव व सुनील कुमार वर्मा के मध्य मुकाबला हुआ। इसमें मतदान के उपरांत मतगणना हुई। मतगणना में प्रेम सिंह यादव एडवोकेट को 30 मत प्राप्त हुए। वहीं सुनील कुमार वर्मा को 18 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार प्रेम सिंह यादव एडवोकेट अध्यक्ष पद के लिए 12 वोटों से चुनाव जीत गए। चुनाव अधिकारियों ने प्रेम सिंह यादव एडवोकेट को अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित किया। चुनाव की घोषणा के उपरांत कलेक्ट्रेट प्रांगण में ढोल नगाड़े बजे एवं माल्यार्पण कर सभी सदस्यों का स्वागत किया गया।

प्रार्थना सभा में स्टूडेंट्स को समझाए जाएंगे यातायात नियम, सड़क सुरक्षा माह शुरू

हाथरस। प्रदेश सरकार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस क्रम में अब विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा के दौरान स्कूलों के प्रधानाचार्य व अधिकारी यातायात के नियम समझाएंगे। आज से शुरू होने वाले सड़क सुरक्षा माह के दौरान रोडवेज के चालकों की हर रोज आंखों की जांच की जाएगी। इसके लिए शासन से आदेश हो गया है। हाथरस में दो लाख से अधिक वाहन सड़कों पर चल कर रहे हैं। शासन स्तर से साफ शब्दों में दुर्घटनाओं को रोकने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसे लेकर जिले का परिवहन विभाग द्वारा अब आमजन के साथ विद्यार्थियों को भी जागरूक किया जाएगा। शीत ऋतु का अवकाश खत्म होने के बाद स्कूलों में अभियान गति पकड़ेगा। प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों से वाहन चलाने के नियमों के बारे में बारीकी से समझाया जाएगा, ताकि दुर्घटनाओं मे कमी आ सके। रोडवेज बसों के चालकों की आंखों की हर रोज चिकित्सक द्वारा जांच की जाएगी। एआरटीओ प्रशासन नीतू सिंह का कहना है कि सड़क सुरक्षा माह के तहत स्कूल की सर्दी की छुट्टी खत्म होने के बाद स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा के दौरान जागरूक किया जाएगा।

एआरटीओ प्रशासन नीतू सिंह व एआरएम शशी रानी ने बुधवार को जिले के मुख्य मार्गों पर डग्गामारी को रोकने के लिए चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सीट बेल्ट व ओवरलोडिंग 20 वाहनों के चालान काटे। साथ ही वाहन स्वामियों को कोहरे में मध्य गति से संचालन करने के लिए भी कहा गया। वाहनों के इंडीकेटर, बैक लाइट आदि को चेक किया।

यूपी में आने वाले दिनों में पड़ेगी हाड़ कंपाती हुई ठंड, राजधानी में हो सकती है बारिश

लखनऊ के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश भी हो सकती है

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हाड़ कंपाती हुई ठंड पड़ रही है। लखनऊ मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी लखनऊ में अभी एक सप्ताह तक गलन और बढ़ेगी। इसके साथ ही बर्फीली हवाओं का चलना भी तेज हो सकता है। लखनऊ के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश भी हो सकती है। यही नहीं घना कोहरा भी अभी बना रहेगा। करीब एक हफ्ते बाद लखनऊ में मौसम हल्का साफ होगा। हल्की धूप खिलेगी लेकिन बर्फीली हवाओं की वजह से कोई भी राहत अभी जनवरी भर नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने भी 7 जनवरी तक प्रदेश के 27 जिलों में घने कोहरे और शीत दिन के लिए चेतावनी जारी की है। 31 जिलों में कोहरे से सचेत के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक एम. निदेशक के अनुसार बंगाल की खाड़ी के साथ पहाड़ों से भी हवा प्रदेश की ओर चल रही है। इस कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शीत दिन के साथ दिन के तापमान में अधिक बदलाव नहीं हो रहा है। दिनभर धुंध बनती दिख रही है। बर्फीली हवा

चलने से गलन महसूस होगी। तीन दिन के बाद अधिकतम तापमान में कुछ बढ़ोतरी नजर आ सकती है। वहीं रात में पारा गिर सकता है। बात करें लखनऊ में आज अधिकतम तापमान की तो गुरुवार को लखनऊ में अधिकतम तापमान करीब 14 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि गुरुवार को सुबह घने कोहरे की चादर लखनऊ पर इस कदर चढ़ी हुई थी कि सुबह के वक्त दफ्तर जाने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से लखनऊ में रैन बसेरों की व्यवस्था कर दी गई है ताकि कोई भी खुले में न सोए। इसके अलावा जगह-जगह अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को सर्दी से बचाया जा सके। मौसम विभाग के अनुसार, मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, बरेली, हरदोई, संभल, बदायूं, अमरोहा, शाहजहांपुर, सीतापुर, जालौन, झांसी, महोबा, हमीरपुर, ललितपुर और आसपास के इलाकों में सर्दी का सितम जारी रहने की संभावना बनी हुई है। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, 7 जनवरी तक न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक रह सकता है वहीं अधिकतम यह 21 डिग्री तक जाने की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट ने नैनीताल हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

» 4000 परिवारों के बेघर होने का खतरा टला

» एक पुनर्वास योजना को लागू करने की जरूरत है

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उत्तराखंड में हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में रेलवे की जमीन पर दशकों पुराने कथित अतिक्रमण हटाने के नैनीताल उच्च न्यायालय के आदेश पर मानवीय आधार पर रोक लगाकर गुरुवार को 4000 से अधिक परिवारों को अंतरिम राहत दी। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की पीठ ने संबंधित झुग्गीवासियों की ओर से जन सहयोग सेवा समिति के अध्यक्ष सलीम सैफी और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि इस मामले में एक मानवीय दृष्टिकोण अपनाए जाने की जरूरत है। संबंधित लोगों को रातों-रात नहीं उजाड़ा जा सकता है, बल्कि एक पुनर्वास योजना को लागू करने की जरूरत है। साथ ही, इस बात पर भी स्पष्टता होनी चाहिए कि संबंधित जमीन का पट्टा किसके पास है। शीर्ष अदालत में संबंधित पक्षों - भारतीय रेलवे और राज्य सरकार- को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह इस मामले की अगली सुनवाई सात फरवरी को करेंगी। शीर्ष अदालत की दो सदस्यीय पीठ ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के 20 दिसंबर 2022 के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करने वाले श्री सैफी और अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं सलमान

खुर्शीद, कॉलिन गोंजाल्विस, सिद्धार्थ लूथरा और अधिवक्ता प्रशांत भूषण तथा रेलवे की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश पारित किया। शीर्ष अदालत के समक्ष याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने दलील देते हुए कहा कि हल्द्वानी में पट्टे की भूमि थी और कुछ कब्जेदार तो 50-70 वर्षों से अधिक समय से वहां रह रहे थे। रेलवे का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने तर्क दिया कि विस्तार के लिए भूमि की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि राज्य का प्रवेश द्वार है और राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत कार्यवाही शुरू की गई थी और इस पर कोई रोक नहीं लगाई गई थी। शीर्ष अदालत ने हालांकि एक व्यावहारिक व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया और उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश पर रोक लगा दी। सवोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले को बुधवार को अधिवक्ता प्रशांत भूषण की शीघ्र सुनवाई की गुहार स्वीकार करते हुए आज सुनवाई करने के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था।

याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि उत्तराखंड सरकार ने उच्च न्यायालय के समक्ष उनके मामले को ठीक तरीके से नहीं रखा। इसी वजह से रेलवे के पक्ष में फैसला आया था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे समाज के वंचित वर्ग से संबंधित है। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद उनके सामने बेघर होने का खतरा मंडरा रहा था।

अमेरिका में एक घर में आठ लोगों की मौत

वाशिंगटन। उत्तरी अमेरिकी के उटाह प्रांत में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आयी है। जहां एक घर में पांच बच्चों और तीन वयस्कों के शव पाए गए हैं, हनोक सिटी पुलिस विभाग ने गुरुवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। वाशिंगटन- नॉर्थ अमेरिका के उटा राज्य से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. उटा के इनोक में अंधाधुंध गोलीबारी की खबर है, जिसमें आठ लोगों की दर्दनाक मौत हुई है. स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि उटा के ग्रामीण इलाके में एक घर के भीतर आठ लोगों के शव बरामद हुए हैं, जिनकी गोली मारकर हत्या की गई है। अमेरिकी जांच अधिकारियों ने बुधवार को गोलबारी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दी है। पुलिस के मुताबिक, उटाह के 8000 की आबादी वाले कस्बे में यह वारदात हुई है। गोलीबारी किसने की और क्यों चलाई, इस बारे में पुलिस अभी जांच कर रही है। अधिकारियों ने जांच के दौरान एक घर के अंदर तीन वयस्कों और पांच नाबालिगों को मृत पाया। उन्होंने बताया कि मृतकों के शरीर पर गोली के निशान दिखाई दिए। इस घटना से संबंधित मामले की जांच जारी है।

कंझावला मामला: पुलिस का दावा मामले में दो और लोग शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कंझावला में कार द्वारा एक 20 वर्षीय लड़की की स्कूटी में टक्कर मारने और उसकी कार से घसीटने से मौत के मामले में गुरुवार को एक नया खुलासा किया है। पुलिस ने दावा किया कि दो और लोगों ने वास्तविक तथ्यों को छुपाने में आरोपी की मदद की है। पुलिस दोनों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) सागर प्रीत हुड्डा ने यहां पुलिस मुख्यालय में एक संवाददाता को संबोधित करते हुए, कहा, ÷18 टीमें सभी पहलुओं पर मामले की जांच कर रही हैं। टीमों ने घटनास्थल का मुआयना भी किया है और शव का पोस्टमार्टम किया गया है। पांच

आरोपी पुलिस हिरासत में हैं और पूछताछ जारी है और जो भी नए सुराग सामने आए हैं, उनकी पुष्टि की जा रही है। हुड्डा ने कहा, ÷पुलिस के पास इस बात के वैज्ञानिक सबूत हैं कि दीपक ने कार चलाने का दावा किया है, लेकिन वास्तव में अमित कार चला रहा था, जिसके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था।÷ श्री हुड्डा ने कहा कि अब तक की जांच और कॉल डिटेल के अनुसार मृतका और चश्मदीद का आरोपियों से कोई संबंध नहीं है। पुलिस ने कहा कि इस घटना की प्रत्यक्षदर्शी निधि का 164 सीआरपीसी के तहत बयान दर्ज किया गया है। श्री हुड्डा ने कहा कि हत्या का मामला अभी तक नहीं बना है क्योंकि हत्या के लिए एक मकसद की जरूरत है लेकिन अब तक की जांच में कोई मकसद सामने नहीं आया है।

पीड़िता का पोस्टमॉर्टम राजधानी के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) में तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड द्वारा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, मृत्यु का अंतिम कारण सिर, रीढ़, बाएं फीमर, दोनों निचले अंगों में एंटीमोरम चोट के कारण सदमा और रक्तस्राव होना था। पुलिस ने कहा कि पीड़िता को चोटें संभावित वाहन दुर्घटना और घसीटने से आयी हैं साथ ही रिपोर्ट में यौन उत्पीडन की कोई बात सामने नहीं आयी है।

संरा सुरक्षा परिषद आज अल अक्सा मस्जिद के मुद्दे पर करेगी चर्चा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) अल-अक्सा मस्जिद परिसर के हालात पर गुरुवार को अपराह्न तीन बजे चर्चा करेगी। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि मध्य- पूर्व संघर्ष पर यूएनएससी की बैठक आज अपराह्न तीन बजे निर्धारित है। इस बैठक का विषय अल-अक्सा मस्जिद परिसर के आसपास की उपजे हालात पर चर्चा की जाएगी।÷ इस बैठक को कराने के लिए चीन और संयुक्त अरब अमीरात ने अनुरोध किया है।

जैन स्थलों को पर्यटन क्षेत्र बनाने का निर्णय रद्द करे सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने झारखंड में सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल में बदलने के विरोध कर रहे जैन समाज के आंदोलन को सही बताते हुए कहा है कि पार्टी इस समुदाय की भावना के साथ है और सरकार को जैन समुदाय की भावना के अनुकूल कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार जैन तीर्थ स्थल को तिजोरी भरने के लिए इस्तेमाल करना चाहती है। उन्होंने

कहा कि 2015 में झारखंड सरकार ने शिखरजी पर्वतीय क्षेत्र में पारसनाथ पहाड़ी विकास योजना बनाई जिसमें हेलीपैड, थीम पार्क, पर्यटक स्वागत केंद्र, कार पार्किंग आदि का निर्माण होना था। इसको लेकर आंदोलन हुआ तो 2018 में शिखरजी पहाड़ियों पर वाहनों और दुपहिया वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया और 2019 में सरकार ने इसे संवेदनशील क्षेत्र घोषित कर दिया लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वहां पर्यटन क्षेत्र विकसित नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गुजरात में जैन धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में बदलाव कर 900 साल पुरानी व्यवस्था को बदलने का प्रयास हो रहा है। हाल ही में कुछ अराजक तत्वों ने पवित्र स्थल पर तोड़फोड़ भी की थी जैन समुदाय के लोगों ने इसका विरोध किया तो सरकार ने आंदोलन के स्वर को दबाने के लिए विशेष कार्यबल गठित किया। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि जैन समुदाय की भावनाओं को दबाने के लिए लगातार कदम क्यों उठाए जा रहे हैं। भाजपा को यह भी बताना चाहिए कि क्या वह जैन समुदाय को अपमानित नहीं कर रही है।

तुर्की फरवरी में अंतरराष्ट्रीय गैस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा

अंकारा। तुर्की के ऊर्जा मंत्री फतह डोनमेज ने कहा है कि तुर्की ने गैस के बुनियादी ढांचे को खोलने के लिए फरवरी में अंतरराष्ट्रीय गैस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना बनाई है। सीएनएल तुर्क की रिपोर्ट के मुताबिक श्री डोनमेज ने कहा उन्होंने बाल्कन देश के वित्त मंत्री को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है। श्री डोनमेज ने उत्तर मैसेडोनिया की यात्रा के दौरान यह बातें कही हैं। तुर्की अपने अपेक्षित निर्णय के साथ इस वर्ष गैस व्यापार केंद्र बनने के लिए रूस की पेशकश पर विचार कर रहा है।

एशिया कप 2023 का आयोजन सितंबर में

छह एशियाई देशों के इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, अफगानिस्तान और एक क्वालीफाइंग टीम हिस्सा लेगी

कुआलालम्पुर। एशियाई क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने गुरुवार को घोषणा की कि एशिया कप 2023 का आयोजन विश्व कप 2023 से एक महीने पहले सितंबर में किया जायेगा। छह एशियाई देशों के इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, अफगानिस्तान और एक क्वालीफाइंग टीम हिस्सा लेगी। श्रीलंका ने पिछले साल टी20 प्रारूप में एशिया कप जीता था, हालांकि भारतीय सरजमीन पर अक्टूबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इस बार यह टूर्नामेंट 50 ओवर के प्रारूप में खेला जायेगा।

एसीसी ने फिलहाल मेज़बान देश की पुष्टि नहीं की है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का मूल मेज़बान है, हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तान में खेलने का इच्छुक नहीं है। एसीसी के अध्यक्ष और बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने अक्टूबर 2022 में कहा था कि भारत एशिया कप खेलने के लिये पाकिस्तान नहीं जायेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के तत्कालीन अध्यक्ष रमीज़ राजा ने इसके जवाब में कहा था कि अगर भारत एशिया कप के लिये पाकिस्तान नहीं आया तो वह भी विश्व कप के लिये भारत नहीं जायेंगे। पीसीबी के नये अध्यक्ष नजम सेठी ने हालांकि पदभार संभालने के बाद इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। श्री शाह ने एशिया कप की घोषणा के साथ एसीसी के अगले दो साल का कैलेंडर भी जारी किया। उन्होंने कैलेंडर जारी करते हुए कहा, ÷यह इस खेल को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे अद्वितीय प्रयासों और जुनून को दर्शाता है। शानदार प्रदर्शन के लिये तैयार देशों के क्रिकेटरों के

» दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तान में खेलने का इच्छुक नहीं है

साथ यह क्रिकेट के लिये एक अच्छा समय होगा। साल 2023-24 के इस कैलेंडर में 145 एकदिवसीय और टी20 मैचों का ब्योरा मौजूद है। साल 2023 में 75 मैच खेले जायेंगे जबकि 2024 में 70 मुकाबले आयोजित होंगे। इसके अलावा, उभरते हुए खिलाड़ियों (अंडर-23) का एशिया कप पुनः शुरू हो रहा है और इस साल जुलाई में पुरुषों के लिये 50 ओवर के प्रारूप में आयोजित किया जायेगा। इसमें आठ टीमें शामिल होंगी। यह टूर्नामेंट अगले साल दिसंबर में टी20 प्रारूप में होगा। उभरती हुई महिला खिलाड़ियों के लिये एशिया कप इस साल जून में टी20 प्रारूप में होगा जिसमें आठ टीमें शामिल होंगी।

नायक के अनिल कपूर की तरह बीपीएल को सुधारना चाहते हैं शाकिब

ढाका। बंगलादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल-हसन ने अपने देश के घरेलू टी20 टूर्नामेंट बंगलादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) की व्यवस्था ÷नायक फिल्म के अनिल कपूर÷ की तरह सुधारने की मंशा जाहिर की है। शाकिब ने बीपीएल के नौंवे सीजन की शुरुआत से दो दिन पूर्व गुरुवार को कहा, ÷अगर वे मुझे बीपीएल का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाते हैं तो सब कुछ ठीक करने में एक से दो महीने लगेंगे। आपने नायक फिल्म तो देखी ही होगी। अगर आप कुछ करना चाहते हैं तो उसे एक दिन में कर सकते हैं। हमारे पास सभी आधुनिक तकनीकें होंगी। गुणवत्तापूर्ण प्रसारण और घर एवं बाहर के प्रारूप में टूर्नामेंट होगा। शाकिब ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि वह सुनिश्चित करते कि खिलाड़ियों का ड्राफ्ट सही समय पर तैयार हो और बीपीएल का आयोजन अन्य टी20 लीगों से न टकराये। बीपीएल ने अपनी सात फ्रेंचाइजी में से प्रत्येक के लिये

मालिकों का चयन करने में काफी समय लगाया, जिसके कारण उनके खिलाड़ियों के ड्राफ्ट को 23 नवंबर तक विलंबित करना पड़ा। उस समय तक जनवरी-फरवरी में होने वाली संयुक्त अरब अमीरात की आईएलटी20 और दक्षिण अफ्रीका की एसए20 ने अधिकांश बड़े खिलाड़ियों को ड्राफ्ट कर लिया था। बीपीएल ने जिन खिलाड़ियों को लीग में शामिल किया है वे भी पूरे सीजन के लिये उपलब्ध नहीं होंगे। शाकिब ने कहा कि बीपीएल का प्रचार कभी बंगलादेश में भी ठीक से नहीं हुआ, जबकि यह देश का नंबर एक खेल है। शाकिब ने कहा, ÷हमारे पास कोई बाजार नहीं है क्योंकि हमने कभी बाजार नहीं बनाया।

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी गिरावट

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाएं, आईटी, बैंकिंग और टेक समेत छह समूहों में हुई बिकवाली के दबाव में आज शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन भी गिरकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 304.18 अंक यानी 0.50 प्रतिशत उतरकर 60353.27 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50.80 अंक अर्थात 0.28 प्रतिशत की गिरावट लेकर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 17992.15 अंक पर रहा। वहीं, बीएसई का मिडकैप 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,350.02 अंक और स्मॉलकैप 0.01 प्रतिशत बढ़कर 28,995.87 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3626 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1777 में गिरावट जबकि 1696 में तेजी रही वहीं 153 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 33 कंपनियों में लिवाली जबकि शेष 17 में बिकवाली हुई। बीएसई में छह समूह गिर गए जबकि शेष 14 में तेजी का रुख रहा। इस दौरान वित्तीय

सेवाएं 1.00, आईटी 0.61, दूरसंचार 0.20, बैंकिंग 0.78, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.44 और टेक समूह के शेयर 0.61 प्रतिशत उतर गए। वहीं, ऊर्जा 1.28, एफएमसीजी 1.36, हेल्थकेयर 0.66, ऑटो 1.12, कैपिटल गुड्स 0.83, धातु 1.03, और तेल एवं गैस समूह के शेयर 1.60 प्रतिशत मजबूत रहे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.39, जापान का निक्केई 0.40, हांगकांग का हैंगसेंग 1.25 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.01 प्रतिशत चढ़ गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0.15 प्रतिशत उतर गया। कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 190 अंक की तेजी लेकर 60,847.50 अंक पर खुला और लिवाली की बदौलत यह थोड़ी देर बाद 60,877.06 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद शुरू हुई बिकवाली से यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 60,049.84 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 60,657.45 अंक के मुकाबले 0.50 प्रतिशत टूटकर 60,353.27 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी भी 59 अंक की बढ़त लेकर 18,101.95 अंक पर खुला। सत्र के दौरान लिवाली की बदौलत यह 18,120.30 अंक के उच्चतम जबकि बिकवाली के दबाव में 17,892.60 अंक के निचले स्तर पर आ गया। अंत में यह पिछले सत्र के 18,042.95 अंक की तुलना में 0.28 प्रतिशत टूटकर 17,992.15 अंक पर रहा।

देश-विदेश डायरी

पाकिस्तान ने की इतामार बेन-गवीर के अल अक्सा मस्जिद दौरे की निंदा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने इजरायल के नए राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर की अल-अक्सा मस्जिद का दौरा करने की निंदा की है। साथ ही चेतावनी दी है कि पवित्र स्थल की पवित्रता को भंग करने से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में तनाव बढ़ सकता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा, अल-अक्सा दुनिया भर के मुसलमानों का एक पवित्र स्थल है। इसकी पवित्रता का भंग करना मुस्लिम समुदाय की धार्मिक संवेदनाओं को आहत करना है और इस तरह के कदम से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति को भडकाना है।

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने बुधवार को अल-अक्सा मस्जिद परिसर में श्री गवीर के दौरे की निंदा की और कहा, कि इजरायली मंत्री की यात्रा 卐असंवेदनशील और भडकाने वाली थी। उन्होंने कहा, 卐इज़रायल को अपने अवैध कृत्यों को बंद करना चाहिए और कब्जे वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों में मुस्लिम धार्मिक स्थलों की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए।

चीन मुफ्त में कोविड वैक्सीन देने के अपने प्रस्ताव पर कायम है अमेरिका: पियरे

वाशिंगटन। अमेरिका चीन को कोविड-19 के टीके मुफ्त में भेजने के अपने प्रस्ताव पर कायम है, लेकिन इस प्रस्ताव को स्वीकार करना चीन पर निर्भर है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता काराइन जीन-पियरे ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 卐हमने चीन को टीके और कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में अन्य सहायता की पेशकश की है। चीन ने सार्वजनिक रूप से संकेत दिया है कि वे प्रस्ताव की सराहना करते हैं और उन्हें समर्थन की आवश्यकता नहीं है।卐 उन्होंने कहा कि हम अपने प्रस्ताव पर कायम रहेंगे, लेकिन चीन को इस बारे में निर्णय के लिए नहीं बोल सकते हैं।

साल 2023 में समाप्त हो सकती है कोरोना महामारी: घेब्रेयसस

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने उम्मीद जताई है कि कोविड-19 महामारी 2023 में समाप्त हो जाएगी। श्री टेड्रोस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, कोविड-19 निस्संदेह अभी भी चर्चा का एक प्रमुख विषय है, लेकिन मुझे विश्वास है और उम्मीद है कि सही प्रयासों से इस साल यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल आधिकारिक रूप से समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नैदानिक देखभाल, टीकों और उपचारों में सुधार के कारण दुनिया अब कुछ साल पहले की तुलना में 卐काफी बेहतर स्थित में है। उन्होंने कहा कि परीक्षण, उपचार और टीकाकरण तक पहुंच में अभी भी काफी असमानताएं हैं और अंततः कोरोना मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए बड़े पैमाने पर एक खतरनाक वायरस बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस का पहला मामला चीन के वुहान में दिसंबर 2019 में दर्ज किया गया था।

चीन में कोरोना की स्थिति को लेकर चिंतित हैं: बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि वह इस बात को लेकर चिंतित हैं कि चीनी अधिकारी कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण से कैसे निपट रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने प्रशासन की नई नीति को दोहराया कि चीन से अमेरिका आने वाले सभी यात्रियों का परीक्षण किया जाना चाहिए। श्री बाइडेन से बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब पूछा गया कि क्या वह इस बात से चिंतित हैं कि चीनी अधिकारी कोविड-19 से कैसे निपट रहे हैं, तो उन्होंने कहा, हां...मैं चिंतित हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें अभी उस प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए, जिसमें यह निर्धारित किया गया है कि यदि आप चीन से उड़ान भर रहे हैं, तो आपको परीक्षण करना होगा। उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि चीनी अधिकारी बहुत संवेदनशील हैं। उल्लेखनीय है कि चीन ने दिसंबर में घोषणा की थी कि वह कोरोना को लेकर लागू अपनी शून्य-कोविड नीति में ढील दे रहा है और जनवरी में अपनी सीमाओं को फिर से खोलने की तैयारी कर रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका उन देशों में शामिल हैं, जिन्होंने चीन से आने वाले यात्रियों के लिए कोविड-19 का परीक्षण अनिवार्य कर दिया है।

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो (मेन) चैंपियनशिप शुरू

अमृतसर। ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो (पुरुष) चैंपियनशिप का उद्घाटन इंडोर मल्टीपरपज हॉल, यूनिवर्सिटी कैंपस में किया गया। इस चैंपियनशिप में देश के विभिन्न 200 विश्वविद्यालयों के 1200 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के प्रभारी खेल विभाग डॉ कंवर मनदीप सिंह ने गुरूवार को बताया कि इस चैंपियनशिप में 58 किलोग्राम वर्ग में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के जपनाम सिंह ने प्रथम, शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर के मुजावर शहंशा हबीब ने द्वितीय, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ पुणे के संदीप एकबाल खान और पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के भविष्य स्नागवान को तीसरा स्थान मिला है। 74 किग्रा वर्ग के नतीजे श्याम विवि के गुर्जर रामावतार नारायण-प्रथम, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के प्रिंस-द्वितीय और डीसीआरएसटी, मुरथल के सौरव सिंह और एमडीयू रोहतक के दिनेश-तृतीय। 68 किलोग्राम में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के शमशेर सिंह को प्रथम, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के पृथ्वीराज चौहान-द्वितीय और एसआरटीएम नांदेड़ के शंके सिधरेश्वर बी और तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ पुणे के निम्मे कुमार अमृत तृतीय स्थान पर रहे। 87 किग्रा वर्ग में एमडीयू रोहतक के रोहित शौकीन-प्रथम, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के रवि-द्वितीय और गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी के हरपंथप्रीत सिंह और श्याम यूनिवर्सिटी राजस्थान के सागर-तृतीय रहे। डॉ सिंह ने कहा कि यह ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो (पुरुष) चैंपियनशिप छह जनवरी को संपन्न होगी। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो महिला चैंपियनशिप 9 से 12 जनवरी तक होगी।

राष्ट्रीय सब जूनियर वॉलीबॉल में दिल्ली का विजय अभियान जारी

नई दिल्ली। दिल्ली की बालक वॉलीबॉल टीम ने 44वीं राष्ट्रीय सब जूनियर बालक एवं बालिका चैंपियनशिप के तीसरे दिन गुरुवार को हरियाणा को कांटे के संघर्ष में 3-2 से मात दी जबकि बालिका वर्ग में दिल्ली ने मध्य प्रदेश को 3-0 से हराया। लक्ष्मी पब्लिक स्कूल, कड़कड़डूमा में आयोजित इस टूर्नामेंट में दिल्ली की बालक टीम ने 25-23, 16-25, 16-25, 25-23, 15-12 से जीत दर्ज की, जबकि बालिका टीम ने 25-10, 25-10, 25-15 से अपना मुकाबला जीता। दूसरी ओर, बालक वर्ग में मणिपुर ने ओडिशा को 3-1 (25-23/25-18/22-25/28-26) से, राजस्थान ने पंजाब को 3-1 (23-25, 25-11, 28-26, 25-15) से, तेलंगाना ने असम को 3-0 (25-14, 25-22, 25-14) से, उत्तराखंड ने पश्चिम बंगाल को 3-0 (25-14, 25-22, 25-20) से, तमिलनाडु ने झारखंड को 3-0 (27-29, 25-12, 25-18, 25-17) से और उत्तर प्रदेश ने बिहार को 3-0 (25-15, 25-21, 25-13) से हराया। बालिका वर्ग में हिमाचल प्रदेश ने गुजरात को 3-0 (25-18, 25-21, 25-13) से, हरियाणा ने ओडिशा को 3-0 (25-07, 25-05, 25-04) से, महाराष्ट्र ने बिहार को 3-0 (25-08, 25-03, 25-15) से, असम ने पंजाब को 3-0 (25-11/25-10/25-23) से और राजस्थान ने उत्तर प्रदेश को 3-0 (25-16/25-21/25-13) से हराया।

भुवनेश्वर, कटक में भी पहुंची जियो ट्रू 5जी सेवा

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को ओडिशा में भुवनेश्वर और कटक में जियो ट्रू 5जी सेवाओं का उद्घाटन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी इस मौके पर उपस्थित थे। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि मंदिरों के शहर भुवनेश्वर और सिल्वर सिटी कटक से राज्य में अपनी तीव्र गति की इस इंटरनेट सेवा का प्रारंभ करने के बाद अब वह फरवरी तक राज्य के पांच शहरों राउरकेला, बरहमपुर, पुरी, संबलपुर और बालासोर को भी 5जी नेटवर्क से जोड़ देगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विद्यावती दूबे द्वारा बी डी प्रिन्टींग प्रेस गणेशपुर, रहमानपुर निकट रघुनन्दन आशियाना फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ से मुद्रित तथा- C 3/76, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित । मो0 9450615356, फोन नं. 0522- 4102634

एक्टिंग के साथ बिजनेस में भी चलता है दीपिका पादुकोण का सिक्का

दीपिका ने अपनी दमदार एक्टिंग के बल पर आज फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों आने वाली फिल्म पठान को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म मंप वह शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। दीपिका ने अपनी दमदार एक्टिंग के बल पर आज फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई है। दीपिका बी-टाउन की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस हैं जिनके चाहने वाले देश ही नहीं बल्कि विदेशों में फैले हुए हैं।

बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुकी दीपिका सिर्फ एक्टिंग वर्ल्ड तक ही सीमित नहीं है। दीपिका फिल्मों और विज्ञापनों में अभिनय के अलावा भी बहुत कुछ ऐसा करती हैं जिनके बारे में किसी को पता नहीं है। शायद ही इस बारे में किसी को पता हो लेकिन दीपिका सिर्फ एक्टिंग नहीं करती हैं बल्कि वो एक बिजनेस वुमेन भी हैं।

दीपिका बी-टाउन की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस हैं जिनके चाहने वाले देश ही नहीं बल्कि विदेशों में फैले हुए हैं

अपनी फिल्मों के साथ-साथ एक्ट्रेस कई साइड बिजनेस भी करती हैं। एक नहीं बल्कि दीपिका ने कई बिजनेस में पैसा लगा रखा है। साल 2007 में फिल्म ओम शांति ओम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली दीपिका आज वर्ल्ड फेमस एक्ट्रेस हैं। इसी के साथ दीपिका पादुकोण बिजनेस वर्ल्ड में भी उतनी ही सक्सेसफुल हैं और पॉपुलर हैं।

बता दें कि साल 2015 में दीपिका ने अपने मेंटल हेल्थ अवेयरनेस फाउंडेशन श्द लिव लव लाफश् फाउंडेशन की शुरुआत की थी। इसी साल उन्होंने अपनी मेंटल हेल्थ को लेकर भी चौंकाने वाला खुलासा किया था जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया था। दीपिका ने बताया था कि वो डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं। इसी के साथ एक्ट्रेस ने बताया कि इसका सामना उन्होंने कैसे किया। दीपिका ने अपने मेंटल हेल्थ अवेयरनेस फाउंडेशन के बाद श्मोर दैन जस्त सैडश् नाम से एक कैम्पैन की शुरुआत की थी, जिसके तहत डिप्रेशन और एंजायटी के पेशेंट के इलाज के लिए डॉक्टरों अवेलेबल कराए गए। ना सिर्फ मेंटल हेल्थ बल्कि एक्ट्रेस क्लोदिंग लाइन से भी जुड़ी हुई हैं। साल 2013 में उन्होंने क्लोदिंग लाइन की शुरुआत की थी। दीपिका ने अपनी क्लोदिंग लाइन की शुरुआत के बाद मिंत्रा के साथ मिलकर अपने ब्रांड ÷ऑल अबाउट यू÷ लॉन्च किया था। आज भी अभिनेत्री ऑनलाइन कपड़ें बेचती हैं। दीपिका ने ड्रम फूड इंटरनेशनल और ब्लू स्मार्ट नाम की इलेक्ट्रिक टैक्सी के स्टार्टअप में भी इन्वेस्ट किया था। बात करें उनके के हाल ही में किए स्टार्ट की तो दीपिका पादुकोण ने पिछले दिनो ही 82एम् नाम से एक स्किनकेयर लाइन की शुरुआत की है। इन सभी चीजों के अलावा दीपिका पादुकोण अपना प्रोडक्शन हाउस भी चलाती हैं। दीपिका के प्रोडक्शन हाउस का नाम श्का प्रोडक्शन्सश् है जिसके बैनर तले अभी तक दो बॉलीवुड फिल्में बन चुकी हैं। दीपिका और विक्रांत मेसी स्टारर छपाक और रणवीर सिंह की फिल्म 83 इन दोनों ही फिल्मों का निर्माण श्का प्रोडक्शन्सश् के बैनर तले हुआ है। फिलहाल नई फिल्म द इंटर्न का प्रोडक्शन भी दीपिका ही संभाल रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका की फिल्म पठान रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। किंग खान स्टारर पठान 25 जनवरी को थियेटर में रिलीज होगी। इसके अलावा दीपिका फिल्म फाइटर में ऋतिक रोशन के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाली हैं। इस फिल्म में अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर भी अहम रोल में हैं।

अर्जुन कपूर की फिल्म कुत्ते के गाना फिर धन ते नान का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर की आने वाली फिल्म कुत्ते के गाना 'फिर धन ते नान' का टीजर रिलीज हो गया है। बॉलीवुड फिल्मकार विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म 'कुत्ते' में अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म में अर्जुन कपूर पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आयेंगे। फिल्म कुत्ते में अर्जुन कपूर के अलावा नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन शर्मा, तब्बू, कुमुद मिश्रा, राधिका मदान और शर्दुल भारद्वाज भी नजर आएंगे।%फिर धन ते नान% का टीजर रिलीज हो गया है। इस गाना में अर्जुन कपूर और तब्बू का शानदार डांस देखने को मिल रहा है।

गौरतलब है कि 'कुत्ते' का निर्माण लव फिल्म्स और विशाल भारद्वाज फिल्म्स के बैनर तले लव रंजन, विशाल भारद्वाज, अंकुर गर्ग और रेखा भारद्वाज ने किया है। वहीं, इसे गुलशन कुमार और भूषण कुमार की टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। आसमान भारद्वाज निर्देशत यह फिल्म एक सस्पेंस थ्रिलर है।यह फिल्म 13 जनवरी 2023 को रिलीज होगी।

श्रद्धा और आफताब के क्राइम पेट्रोल एपिसोड पर मचा बवाल, सोनी चौनल ने पेश की सफाई

इन दिनों पॉपुलर टीवी शो क्राइम पेट्रोल के एक एपिसोड को लेकर हंगामा मचा हुआ है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर भी सोनी टीवी के बायकॉट का ट्रेंड चल रहा है। यह सब हाल ही क्राइम पेट्रोल लेटेस्ट एपिसोड के बाद से शुरु हुआ है। एपिसोड अहमदाबाद-पुणे मर्डर को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स भड़क उठे थे। इस एपिसोड को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बवाल हुआ, विवाद इतना बढ़ गया है कि आखिर में सोनी चौनल को उस एपिसोड को हटाने के बाद माफी मांगनी पड़ी है। दरअसल, बीते दिनों क्राइम पेट्रोल में अहमदाबाद-पुणे मर्डर नाम से एक एपिसोड प्रसारित किया गया था। जिसे लोग दिल्ली के महरौली इलाके में हुए श्रद्धा वालकर हत्याकांड से जोड़कर देख रहे हैं। दर्शकों का आरोप है कि शो में कहानी तो श्रद्धा और आफताब पूनावाला की दिखाई है, लेकिन इसमें पात्रों का धर्म बदल दिया गया है। इसके बाद विवादित एपिसोड के क्लिप ट्विटर पर वायरल होने लगे। इस एपिसोड को लेकर लोगों ने चौनल पर आरोप लगाया कि इसमें हिंदुओं को बदनाम किया जा रहा है। इस एपिसोड को लेकर हंगामा रुकने का नाम नहीं ले रहा था जिसे देखते हुए सोनी चौनल ने एपिसोड को हटा दिया है और इसी के साथ उन्होंने अपने ऑफिशियल ट्वीटर हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर लोगों से माफी मांगी है। जारी किए गए माफीनामा में कहा गया है कि कुछ दर्शक क्राइम पेट्रोल के हालिया एपिसोड को लेकर सोशल मीडिया पर कमेंट कर रहे हैं। दर्शकों का कहना है कि यह एपिसोड हाल ही में हुए एक हत्याकांड से मिलता-जुलता लग रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम बताना चाहते हैं कि यह एपिसोड काल्पनिक कहानी पर आधारित है। इसकी कहानी 2011 में हुए एक हत्याकांड से प्रेरित है। हाल के किसी मामले से इसका कोई संबंध नहीं है। हम इस बात का पूरा ख्याल रखते हैं कि हमारा कंटेंट ब्रॉडकास्टिंग स्टैंडर्ड के मुताबिक हो। हम अपने दर्शकों की भावनाओं का पूरा सम्मान करते हैं। अगर किसी दर्शक की भावना इस एपिसोड से आहत हुई हैं तो हमें खेद है। हमने इस एपिसोड को हटा दिया है। सोनी चौनल द्वारा साझा किए गए बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया दे रहे है। साथ ही कुछ यूजर्स ने मांग रखी है कि अब रियल नामों के साथ हालिया मामले पर एक एपिसोड बनाया जाए। एक यूजर ने लिखा, आपने सही फैसला लिया है। आपको दर्शकों की भावनाओं को समझना चाहिए। एक अन्य यूजर ने लिखा, दर्शकों की भावनाएं आहत करना सही नहीं है।

ऋषभ पंत के लिए ट्रोल होने पर भड़कीं उर्वशी रौतेला की मां, पोस्ट कर दिया जवाब

क्रिकेट जगत के मशहूर खिलाड़ी कहे जाने वाले ऋषभ पंत की लिए आज दुनिया भर से लोग उनकी सलामती की दुआ मांग रहे हैं। बता दे की हाल ही ऋषभ पंत एक भारी सड़क दुर्घटना से ग्रसित हो गए थे। जिसके बाद से ही उनका इलाज जारी हैं। इसी के साथ उर्वशी रौतेला का नाम भी अक्सर सुर्खियों में बना रहता है। या यूं कहे कि वो खुद अक्सर अपने पोस्ट से लाइमलाइट बटोर लेती हैं। उर्वशी के सोशल मीडिया पोस्ट की बात करें तो वो अक्सर कुछ न कुछ कंट्रोवर्सिअल पोस्ट डालती हैं, जिससे कही न कही उनका नाम फेमस क्रिकेटर ऋषभ पंत से जुड़ जाता है। आपने अक्सर उन्हें आरपी नाम का जिक्र करते देखा होगा। हालांकि एक्टर्स बता चुकी हैं कि उनके आरपी कोई और हैं। अब रिश्ता चाहे जो भी हो लेकिन ऋषभ के बुरे दिन उर्वशी भी उनका साथ देती हुई नजर आई थी। हाल ही में उर्वशी ने भी एक पोस्ट शेयर कर उनके ठीक होने की दुआ मांगी थी। हालांकि उन्होंने ऋषभ पंत का नाम नहीं लिया था। वहीं, अब अफेयर की खबरों के बीच उर्वशी की मां ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर ऋषभ पंत के ठीक होने की दुआ मांगी है। उर्वशी की मां

मीरा रौतेला ने ऋषभ पंत के एक्सीडेंट की खबर सुन इंस्टाग्राम पर क्रिकेटर का एक फोटो शेयर कर उनके लिए प्रार्थना की। इस वायरल पोस्ट में मीरा रौतेला ने लिखा, सोशल मीडिया की अफवाह एक तरफ और आपका स्वस्थ होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड का नाम रोशन करना दूसरी तरफ। सिद्धबलिबाबा आप पर विशेष कृपा करे। आप सभी लोग भी प्रार्थना करें। अब उर्वशी की मां का ये पोस्ट देखकर सोशल मीडिया यूजर खुद को इस पर रिएक्ट करने से रोक नहीं पा रहें। सोशल मीडिया पर अब ऐसा लग रहा है कि हर कोई बस इसी को लेकर बातें कर रहा है। अधिकतर यूजर्स उनसे दामाद जी की चिंता न करने की सलाह देते दिखे थे. वहीं कुछ लोगों ने मीरा की इस पोस्ट को दिखावा कहते हुए मां-बेटी दोनों को खरी-खोटी सुनाई थी। एक्ट्रेस की मां को अब इस पोस्ट के लिए जमकर ट्रोल किया जा रहा हैं। ऐसे में अब उर्वशी की मां भी कहा चुप होने वालों में से हैं।

फिल्म अखंड का हिंदी संस्करण 20 जनवरी तक होगी रिलीज

तेलुगु फिल्मो के पेन स्टूडियो के निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा और साजिद कुरैशी अब दर्शकों के लिए एक्शन ड्रामा फिल्म अखंड का हिंदी वर्जन (संस्करण) लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता नंदमूरी बालकृष्ण ने डबल रोल निभाया है। %व्हेन होप डाइज, अखंड अराइव्स% नंदमुरी बालकृष्ण अभिनीत मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म %अखंड% की हिंदी रिलीज के साथ हाई वोल्टेज मनोरंजन के लिए दर्शक पूरी तरह से तैयार हो जाएं।

फिल्म निर्देशक बोयापति श्रीनु द्वारा लिखित और निर्देशित %अखंड% फिल्म एक ऐतिहासिक कहानी पर

आधारित है, जिसे 20 जनवरी को रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अभी तक 120.8 करोड़ रुपये की कमाई की है। %अखंड% में नंदमूरी बालकृष्णा डबल रोल में नज़र आते है। प्रज्ञा जायसवाल, जगपति बाबू और श्रीकांत अभिनीत यह फिल्म 2021 की दूसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म और बालकृष्ण के करियर की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई। बालकृष्ण और बोयापति श्रीनु के बीच यह तीसरे सहयोग था इस फिल्म का प्रीमियर भी पिछले साल ओटीटी पर किया गया था,और यह ज्यादा देखी जाने वाली क्षेत्रीय फिल्मों में से एक बन गई थी। %अखंड% में नंदमूरी बालकृष्णा डबल रोल में नज़र आते है। प्रज्ञा जायसवाल, जगपति बाबू और श्रीकांत अभिनीत यह फिल्म 2021 की दूसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म और बालकृष्ण के करियर की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई। बालकृष्ण और बोयापति श्रीनु के बीच यह तीसरे सहयोग था इस फिल्म का प्रीमियर भी पिछले साल ओटीटी पर किया गया था,और यह ज्यादा देखी जाने वाली क्षेत्रीय फिल्मों में से एक बन गई थी। बड़े लम्बे समय के इंतजार के बाद आखिरकार हिंदी फिल्म दर्शकों को अब 20 जनवरी 2023 को थिएटर स्क्रीन पर %अखंड (हिंदी)% के रूप में हाई वोल्टेज एंटरटेनर फिल्म एक बार फिर देखने को मिलेगा।

इस मौके पर डॉ. जयंतीलाल गड़ा ने कहा, ÷पिछले साल ने यदि हमें कुछ सिखाया है तो वह यह है कि दर्शक बड़े पैमाने पर मनोरंजक और विजुअल स्पेक्टकल फिल्म के लिए तरस रहे हैं।

सुशांत सिंह की मौत के ढाई साल बाद घर को मिला नया किराएदार,रेंट जानकर हो जाएंगे हैरान

बॉलीवुड की मिस्टीरियस डेथ में से एक सुशांत सिंह राजपूत की डेथ की खबर एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया हैं। एक्टर भले ही आज इस दुनिया में नहीं हैं,लेकिन उनकी यादें आज भी फैंस के दिलों में जिंदा हैं। सुशांत सिंह राजपूत को गुजरे हुए ढाई साल हो गए हैं। वही सुशांत की डेथ के बाद से उनका मुंबई वाला फ्लैट आज भी सुना पड़ा हुआ हैं। लेकिन अब एक्टर के फ्लैट को लेकर एक नयी जानकारी सामने आ रही हैं। दरअसल उड़ती-उड़ती खबरे अब ऐसी सामने आ रही है की सुशांत के फ्लैट को उनकी मौत के करीब ढाई साल बाद नया किराएदार मिल गया है। दरअसल सुशांत के निधन के बाद से उनका फ्लैट खाली पड़ा था। कई लोगों ने इस फ्लैट को देखा लेकिन रहने के लिए कोई राजी नहीं हो रहा था। ऐसे में अब मिली जानकारी के अनुसार एक्टर के इस घर में जल्द ही नए लोग रहने आ रहे हैं। सुशांत मुंबई के बांद्रा स्थित कार्टर रोड पर लग्जरी फ्लैट में किराए पर रहा करते थे।

तुनिषा शर्मा के नाम शीजान की बहन फलक नाज का नोट हुआ वायरल, लिखा कभी नहीं सोचा था

दिवंगत एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा का 4 जनवरी को 21वां जन्मदिन था। इस मौके पर हर कोई एक्ट्रेस को याद करता नजर आया। सभी का मन उदास और आंखें नम दिखीं। वहीं, तुनिषा के सभी दोस्तों ने उन्हें बर्थडे विश करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किए थे। इसी बीच एक्ट्रेस के एक्स बॉयफ्रेंड शीजान खान तो फिलहाल जेल में हैं लेकिन उनकी बहन यानी फेमस एक्ट्रेस फलक नाज का तुनिषा के लिए किया गया पोस्ट जरूर सुर्खियों में आ गया है। आपको बता दें, तुनिषा का फलक नाज से करीबी रिश्ता था। दोनों काफी स्पेशल बॉन्ड शेयर करती थीं। तुनिषा के इंस्टाग्राम पर उनकी और फलक की कई प्यारी तस्वीरें और वीडियो हैं, जिनमे इनका प्यार साफ नजर आ रहा है। हाल ही में ये खबर भी सामने आई थी कि शीजान की बहन फलक नाज ने तुनिषा के लिए सरप्राइज पार्टी प्लान की थी। हालांकि वो प्लान कभी मुकम्मल नहीं हो सका क्योंकि उससे पहली ही अस्ट्रेजर्स ने अपनी जान दे दी। वहीं, अब तुनिषा शर्मा के बर्थडे के मौके पर फलक नाज से उन्हें याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया। फलक ने इंस्टाग्राम पर इमोशनल नोट लिखते हुए तुनिषा के साथ अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। फलक ने लिखा, टून्नु मेरा बच्चा। कभी नहीं सोचा था कि ऐसे विश करूंगी तुझे, तू जानती थी कि अप्पी ने प्लान किया है तेरे लिए सरप्राइज। मैं तुझे उस प्रीटी प्रिंसेस ड्रेस में देखना चाहती थी, मैं तुझे तैयार करती, तेरा केक बनवाती। तेरा वो सरप्राइज्ड फेस देखना था मुझे। तू जानती है अच्छे से टून्नु तू मेरे लिए क्या मायने रखती है, दिल टूटा हुआ है मेरा बहुत, इतनी तकलीफ कभी महसूस नहीं हुई मुझे, जितनी तेरे जाने के बाद से है। फलक ने आगे लिखा, कभी-कभी समझ नहीं आता कि दुआ किसके लिए करें। तेरी रूह की सुकून के लिए या हमारी (अम्मा, शीजान और मेरी) जिन्दगी के इतने मुश्किल इम्तिहान के लिए। बेचौन रातें, अनदेखे आंसू, तू सब देख रही है। मुझे पता है कि तू मेरे आस-पास ही है। मैं तुझे महसूस कर सकती हूं। हम तुझे हर दिन मिस करते हैं टुन्नू। तुम हमेशा हमारे दिलों में रहोगी। उम्मीद है कि तेरी सुकून वाली तलाश खत्म हो गई हो। मेरा बच्चा, मेरी नन्ही सी जान हैप्पी बर्थडे और आई लव यू टू। अब फलक नाज का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां कुछ लोग ये पोस्ट देखकर इमोशनल होते नजर आए तो कुछ लोग फलक नाज को ट्रोल करते भी दिखे। लोगों का कहना है कि ये सब बस अच्छा होने का ड्रामा चल रहा है। ऐसे में सबने अपनी अलग-अलग राय इस पोस्ट पर रखी।

क्या आपके बच्चे का भी नहीं लगता खेल-कूद में मन ? तो इस तरह करें उसके दिमाग को रिफ्रेश

नए साल में अक्सर बच्चों के खेल का नया सीजन शुरू होता है। ऐसे में कई परिवार इस बात को लेकर असमंजस में होते हैं कि अपने बच्चों को नए सीजन में हिस्सा लेने दें या फिर उनका खेलना छुड़ा दें। हाल ही में एक कपल ने इस दुविधा का सामना किया था जब उनका नौ साल का बच्चा खेल छोड़ना चाहता था। इस दौरान उन्होंने बहुत भावुक महसूस किया। सामूहिक खेलों के लाभ से संबंधित विभिन्न शोध पर गौर करने के बाद अभिभावकों के लिए यह समझना आसान हो जाता है कि उनके बच्चे को खेल-कूद कब छोड़नी चाहिए। ऐसे में आइए अध्ययन के माध्यम से जानते हैं कि बच्चे खेल-कूद क्यों छोड़ना चाहते हैं और इस परिस्थिति में अभिभावकों को क्या करना चाहिए?

क्या है कारण

प्राथमिक स्कूली शिक्षा खत्म होने के दौरान सामूहिक खेलों में बच्चों की भागीदारी की दर चरम पर होती है और किशोरावस्था में पहुंचने पर इसमें महत्वपूर्ण गिरावट आती है। किशोरावस्था के दौरान खेल छोड़ने का एक कारण बहुत सारे खेलों के बजाय किसी एक खेल पर ध्यान केंद्रित करना या फिर दूसरी गतिविधियां (जैसे स्कूली कार्य, कामकाज या समाज से जुड़ना) होती हैं। बच्चों के खेल छोड़ने के फैसले को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में से एक, दूसरे लोगों (माता-पिता, कोच और साथियों) का दबाव होता है।

दबाव के कारण भी बच्चे छोड़ देते हैं खेल

वयस्कों की अपेक्षाएं, व्यवहार और दृष्टिकोण अनायास ही उनके खेल के अनुभवों को खराब कर सकते हैं। यह दबाव कई रूपों में आ सकता है, जिसमें गैर-वास्तविक उच्च अपेक्षाएं, जीतने पर ध्यान केंद्रित करना, मैच के बाद तीखी बहस और आलोचनात्मक टिप्पणियां शामिल हैं। वयस्कों पर ये कथित दबाव उन मुख्य कारणों में शामिल है, जिनके चलते बच्चे खेल छोड़ देते हैं। इस दबाव के चलते उन्हें खेल में मजा नहीं आता और वे ऊब जाते हैं। या फिर वे यह महसूस करने लगते हैं कि वे अच्छा नहीं खेलते।

बच्चों के लिए खेलकूद के क्या फायदे हैं?

जब आपका बच्चा कहता है कि वह अपने खेल को छोड़ना चाहता है, तो इस पर चिंतन करें और जानें कि क्या वजह है। हो सके तो बच्चे के साथ भी इस पर चर्चा करें। सामूहिक खेल युवाओं में स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ-साथ कौशल विकास व दक्षताओं का निर्माण करते हैं। इन खेलों से बच्चों में टीमवर्क, लचीलेपन, हताशा और निराशा से निपटने, समस्याओं को हल करने व लक्ष्य निर्धारित करने जैसे गुण पैदा होते हैं।

साजिद ने एमसी स्टैन को दिया अर्चना को थप्पड़ मारने का सुझाव, उर्फी बोलीं- उनके व्यक्तित्व से बदबू आती है

मीटू के चलते बिग बॉस 16 की शुरुआत से ही निर्देशक साजिद खान सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर रहे हैं। उनको लेकर आए दिन कोई न कोई बवाल मचता ही रहता है, चाहे वह अब्दू के साथ मजाक हो या अर्चना गौतम के साथ उनकी लड़ाई। अब हाल ही में एक बार फिर से साजिद खान ने कुछ ऐसा कर दिया कि एक बार फिर से लोगों का गुस्सा चढ़ गया है। वहीं हमेशा अपने कपड़ों और बेबाक बयानों को लेकर चर्चा में बनी रहने वाली उर्फी जावेद ने भी इस पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल हाल ही के एपिसोड में अर्चना गौतम और एमसी स्टैन के बीच जमकर झगड़ा देखने को मिला था, जिसके बाद एमसी स्टैन बेहद गुस्से में दिखाई दिए और वह वॉलेंटियर एग्जिट (शो छोड़ना) चाहते थे। इस दौरान उन्होंने खुद को कुछ देर के लिए लॉक भी कर लिया और घर में पड़ा फर्नीचर भी फेंक देते हैं। जिसके बाद साजिद को कहते सुना जा सकता है कि ऐसे क्यों कर रहे हो इससे अच्छा अर्चना गौतम को थप्पड़ मार दो। तुम्हें खुद ही बाहर कर दिया जाएगा।

इसके बाद एमसी स्टैन गुस्से में तुरंत अर्चना को थप्पड़ मारने के लिए दौड़ पड़ते हैं। हालांकि साजिद खान ने यह क्यों कहा ये तो वह बाद में खुद ही स्पष्ट करेंगे लेकिन अब उर्फी जावेद ने इस पर पोस्ट साझा कर खरी-खोटी सुनाई है। उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से पोस्ट साझा करते हुए लिखा, ÷साजिद खान ने सोचा था कि बिग बॉस में आने से उनकी छवि साफ हो जाएगी लेकिन उन्होंने अपना असली रंग दिखा दिया। वह वास्तव में अपने साथी प्रतियोगी को एक महिला प्रतियोगी को मारने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, उनके व्यक्तित्व से बदबू आ रही है।

सर्दियों में ब्लड शुगर के मरीज करें आंवले से परहेज, बढ़ सकती है समस्या

सर्दियां आते ही आंवले का सेवन में इजाफा होने लगता है। लोग इसे जमकर इस्तेमाल करते है क्योंकि इसमें भारी मात्रा में विटामिन सी पाई जाती है। यही नहीं अगर आपको हाजमें की शिकायत है तो इसके लिए भी आंवला काफी लाभदायक होता है। इन सब के अलावा आंवला आपकी स्किन को भी निखारता है और स्किन की समस्या को दूर करता है। लेकिन क्या आप जानते है कि आंवला सभी के लिए फायदेमंद नहीं होता है। कुछ लोग ऐसे होते है जो आंवला का सेवन करते है तो उन्हें समस्या हो सकती है। तो आइए जानते है कि आंवला किन-किन लोगों के लिए नुकसानदेह हो सकता है और इसके सेवन से उन्हें समस्या हो सकती है। आइए एक-एक करके जान लेते है। जिन लोगों को लो ब्लड शुगर की समस्या है, उन्हें आंवला के सेवन से दूर रहना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके सेवन से आपकी सेहत बिगड़ सकती है। यही नहीं डायबिटीज के मरीजों को भी इससे दूर रहना चाहिए। जानकारों का कहना है कि जिन लोगों को सर्दी और जुकाम है, उन्हें आंवला नहीं खाना चाहिए। इसके पीछे का तर्क वे ये देते है कि आंवला का तासीर ठंडा होता है और सर्दी और जुकाम में इसका सेवन करने से आपकी समस्या और भी बढ़ सकती है। इसलिए इसके सेवन से परहेज करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में कई लोग ऐसे भी होते है जिनकी पेट में सूजन होता है, इन लोगों को भी आंवला नहीं खाना चाहिए। वे जितना हो सके इससे दूरी बना लें ताकि इसका बुरा असर आप पर न पडे। जिन लोगों को किडनी की समस्या है, उन्हें भी आंवला को इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके इस्तेमाल से आपके बॉडी में सोडियम की मात्रा बढ़ सकती है जिससे आपको आगे जाकर दिक्कत हो सकती है।